जबलपुर गुरुवार 07 मई 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी संवत 2083

वर्ष 31 अंक 309 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

2026 क्वीन सिरिकिट कप के लिए तीन सदस्यीय दल भेजेगा
⏩ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 37.7°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C
सूर्योदय - 5.33 | सूर्यास्त - 6.40

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रेडक्रॉस ⏩ 2

कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य ⏩ 7

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण ⏩ 8

मध्यप्रदेश सहित 6 राज्यों में 3 रेलवे प्रोजेक्ट मंजूर

नागदा-मथुरा लाइन पर तीसरी-चौथी लाइन को मंजूरी, 19 जिलों में 901 किमी रेल नेटवर्क का होगा विस्तार

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने मध्यप्रदेश समेत राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 19 जिलों में रेलवे के 3 मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इनमें मध्यप्रदेश से गुजरने वाले नागदा-मथुरा थर्ड और फोर्थ लाइन प्रोजेक्ट को भी स्वीकृति मिली है। कमेटी ने करीब 23,437 करोड़ रुपए की लागत वाले इन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि रेलवे परियोजनाओं से कनेक्टिविटी और ऑपरेशनल एफिशिएंसी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि इससे देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी। कैबिनेट ने जिन तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है, उनमें नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन, गुंटकल-वाडी तीसरी और चौथी लाइन, बुरहवाल-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 23,437 करोड़ रुपए है और इन्हें 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं से करीब 4161 गांवों और लगभग 83 लाख आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 901 किलोमीटर की अतिरिक्त लाइन जुड़ेगी। रेल मंत्रालय के मुताबिक इन रूट्स पर कोयला, खाद्यान्न, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, स्टील, आयरन ओर और उर्वरक जैसी वस्तुओं का परिवहन होता है। परियोजनाओं से माल परिवहन क्षमता में 60 एमटीपीए तक बढ़ोतरी का अनुमान है। सरकार का दावा है कि

परियोजनाओं से लॉजिस्टिक लागत कम होगी, 37 करोड़ लीटर तेल आयात में कमी आएगी और 185 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन घटेगा। इसे 7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया गया है। नागदा-मथुरा रेल कॉरिडोर मध्यप्रदेश के लिए अहम माना जा रहा है। इससे प्रदेश के पश्चिमी हिस्से की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। माल परिवहन तेज होने के साथ यात्री ट्रेनों की आवाजाही भी आसान होगी। इसके अलावा महाकालेश्वर मंदिर और कुनो नेशनल पार्क तक रेल पहुंच बेहतर होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा

केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा। सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

विजय ने 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा

नई दिल्ली। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के चीफ थलापति विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के गवर्नर राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया और 112 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। हालांकि, राज्यपाल ने उनसे 118 विधायकों की सूची मांगी है। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके ने 108 सीटें जीती हैं। टीवीके को बहुमत हासिल करने के लिए अभी 10 और विधायकों की जरूरत है। कांग्रेस ने पहले ही टीवीके को समर्थन देने के संकेत दे दिए हैं।

एसडीएम कार्यालय का बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्र मत)। शहडोल जिले के ब्यौहारी स्थित अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में लोकायुक्त रीवा की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कर्मचारी को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी वीर सिंह जाटव को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। वीर सिंह जाटव मूलत: मुरैना जिले का निवासी है और वर्तमान में ब्यौहारी की सिविल कॉलोनी में रहकर एसडीएम कार्यालय में पदस्थ है। उसका मूल पद भृत्य का है, लेकिन वह क्लर्क का काम संभाल रहा था और इसी भूमिका में वह लेन-देन करता था।

बीजेपी का हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के आरोप से गरमाई सियासत

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने बीजेपी पर वोट चोरी से जीतने और चुनावी गड़बड़ी के आरोप लगाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कहना है कि भाजपा के हर छठे सांसद ने 'वोट चोरी' के जरिए अपनी सीट जीती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह भी कहा कि हरियाणा की पूरी राज्य सरकार ही 'घुसपैठिया' है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं, तो भाजपा 140 सीटों के करीब भी नहीं पहुंच पाएगी। राहुल ने लिखा, वोट चोरी के जरिए कभी सीटें छीनी जाती हैं और कभी पूरी सरकारें। भाजपा के 240

लोकसभा सांसदों में से लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता है। उन्हें पहचानना मुश्किल नहीं है—क्या भाजपा की अपनी भाषा में उन्हें 'घुसपैठिया' कहा जाना चाहिए? राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर किए अपने पोस्ट में कहा कि वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं, कभी पूरी सरकार। इसके साथ ही हरियाणा का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वहां पूरी सरकार ही घुसपैठिया है। हरियाणा सरकार पर अपने आरोपों को विस्तार देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि राज्य में मतदाता सूचियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले लोग खुद रिमोट कंट्रोल से संचालित होते हैं। उन्होंने कहा, जिन संस्थाओं को ये अपनी जेब में रखते हैं, जिस तरह से मतदाता सूचियों में हेरफेर करते हैं और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं—वे खुद ही 'रिमोट कंट्रोल' हैं। उन्हें असल में सच से डर लगता है। क्योंकि अगर चुनाव निष्पक्ष होते, तो वे आज 140 सीटों के आसपास भी नहीं पहुंच पाते।

ममता के आरोप का समर्थन

मंगलवार को राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने चुनाव आयोग के समर्थन से असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव चुरा लिए। उन्होंने कहा, असम और बंगाल स्पष्ट उदाहरण हैं कि चुनाव आयोग के सहयोग से भाजपा ने चुनाव चुराए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने ममता बनर्जी के इस आरोप का भी समर्थन किया कि पश्चिम बंगाल में 100 से ज्यादा विधानसभा सीटें चुनावी हेरफेर के जरिए तृणमूल कांग्रेस से छीनी गईं। सोमवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर राहुल ने लिखा, हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से ज्यादा सीटें चोरी की गईं। राहुल गांधी ने कहा कि इस तरह की रणनीति पहले भी कई राज्यों में अपनाई जा चुकी है।उन्होंने कहा, हमने यह तरीका पहले भी देखा है–मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, लोकसभा चुनाव 2024 आदि में।

किरण रिजिजू का पलटवार

राहुल गांधी के इन आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने तीखी प्रतिक्रिया दी और उनसे संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने के बजाय जनता के फैसले का सम्मान करने को कहा। रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, कृपया जनता के जनादेश का सम्मान करना सीखें। जितना अधिक आप संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करेंगे, उतनी ही आपकी बची-खुची विश्वसनीयता एक नेता के रूप में कम होगी। उन्होंने आगे कहा, सरकार की नीतियों की आलोचना कीजिए, हम पर हमला कीजिए, लेकिन भारत के संविधान का सम्मान जरूर कीजिए। रिजिजू ने कांग्रेस पर मुसलमानों को वोट बैंक की तरह देखने का आरोप भी लगाया और पार्टी की राजनीतिक विफलताओं के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया।

बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण शनिवार को

शुक्रवार को चुना जाएगा नया मुख्यमंत्री

कोलकाता। बंगाल चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद विधायक दल के नेता यानी नए मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कोलकाता आएंगे। प्रदेश भाजपा के सूत्रों के अनुसार संभवत कल ही शाह की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नेता का चुनाव किया जाएगा। बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई, शनिवार को रवींद्र जयंती के दिन शपथ ग्रहण समारोह होगा। सुबह 10 बजे, कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मालूम हो कि भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बंगाल में विधायक दल के नेता के चयन के लिए मंगलवार को गृह मंत्री शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। इस बीच भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों की एक बैठक बुधवार दोपहर तीन बजे से कोलकाता के साल्टलेक स्थित प्रदेश कार्यालय में बुलाई गई है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी। जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है।

चुनाव आयोग के सदस्यों के चयन से जुड़ा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टालने से किया इनकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई टालने का अनुरोध किया गया था। इस नए कानून के तहत, देश के मुख्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले उच्च-स्तरीय पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया है। केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई टालने का अनुरोध किया, क्योंकि वे एक अन्य हाई-प्रोफाइल मामले में व्यस्त थे। यह मामला केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटाने वाले अदालत के फैसले को चुनौती देने से जुड़ा है। हालांकि, जस्टिस दीपांकर दत्ता ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और इस सुनवाई को सबसे अहम करार दिया। उन्होंने मेहता से कहा कि अदालत ने आज की सुनवाई की तारीख काफी पहले से तय कर दी थी। उन्होंने एक अखबार की रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें बताया गया था कि सबरीमाला मामले की सुनवाई कर रही नौ-जजों की पीठ कथित तौर पर यह टिप्पणी की थी कि इस मामले में दायर जनहित याचिका पर तो सुनवाई होनी ही नहीं चाहिए थी। मेहता ने कहा कि कृपया इस मामले को अगले हफ्ते के लिए रख लें। मैं नौ-जजों की पीठ वाली सुनवाई में फंसा हुआ हूं। मैं चाहता हूं कि जब याचिकार्ता अपनी दलीलें पेश करें, तो मैं वहां मौजूद रहूं।

सभी मामले महत्वपूर्ण होते हैं: अदालत

अदालत ने जवाब दिया कि अगर आपने हमें एक हफ्ता पहले बताया होता, तो हम इस पर विचार कर सकते थे। लेकिन हमने इस सुनवाई की तारीख एक महीना पहले तय कर दी थी। नौ-जजों की पीठ वाली सुनवाई अगले हफ्ते खत्म नहीं होगी। आप अपने सहयोगियों से आज की सुनवाई के नोट्स लेने के लिए कह दें। याचिताकर्ताओं को अपनी बात शुरू करने दें। सभी मामले महत्वपूर्ण होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा।

आर्मी कैंप-बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर आईईडी ब्लास्ट

जालंधर/अमृतसर। पंजाब में मंगलवार रात 3 घंटे के भीतर 2 जगह ब्लास्ट हुए। पहला ब्लास्ट रात करीब 8 बजे जालंधर में बीएसएफ के पंजाब हेडक्वार्टर के बाहर हुआ। यह धमाका कूरियर बॉय की एक्टिवा में हुआ। दूसरा ब्लास्ट रात करीब 11 बजे अमृतसर में आर्मी कैंप के बाहर हुआ। यहां कैंप के भीतर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश थी लेकिन वह दीवार से टकराकर फट गया। बुधवार सुबह डीजीपी गौरव यादव पहले अमृतसर और फिर जालंधर में ब्लास्ट वाली साइट पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि ये दोनों आईईडी ब्लास्ट हो सकते हैं। यह संभावना है कि इन्हें टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया है। इसमें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। धमाके की टाइमिंग को लेकर उन्होंने कहा कि ये ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से कराए गए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने श्री आनंदपुर साहिब में कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के पंजाब इलेक्शन की तैयारी हैं।

एनएच-52 पर कांग्रेस का चक्काजाम आज

इंदौर, ग्वालियर समेत 7 जगहों पर होगा प्रदर्शन

भोपाल

मध्य प्रदेश में 7 मई को कांग्रेस बड़ा आंदोलन करने जा रही है। किसानों की मांगों को लेकर प्रदेश से गुजरने वाले आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे-52 पर चक्काजाम किया जाएगा। आंदोलन का नेतृत्व वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने घोषित किया। बुधवार को भोपाल में पीसी शर्मा ने बताया कि सरकार की खरीदी व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। बार-बार खरीदी और स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ाने से सिस्टम की कमजोरी उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि खरीदी के शुरुआती 14 दिनों में सिर्फ 9.30 लाख मीट्रिक टन

गेहूं की खरीदी हुई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। किसान स्लॉट बुकिंग, पंजीयन पर्ची अपलोड और भुगतान में देरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रदर्शन हाईवे के 7 अलग-अलग स्थानों मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, शाजापुर, इंदौर और खलघाट (धार) में किया जाएगा। शुरुआत इंदौर में सुबह 10.30 बजे पिगडंबर से होगी। इस दौरान पर जीतू पटवारी, हरीश चौधरी मौजूद रहेंगे। कांग्रेस के इस आंदोलन से 11 जिलों के करीब 747 किलोमीटर क्षेत्र में यातायात प्रभावित होने की आशंका है। पार्टी ने इसे किसानों के हित में बड़ा आंदोलन बताया है, जबकि प्रशासन ने भी सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

किसानों को मूलभूत सुविधाएं नहीं

कांग्रेस का आरोप है कि खरीदी केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। किसानों को कई दिनों तक ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ सड़कों पर इंतजार करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि किसान मजबूरी में 1800 से 2022 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर व्यापारियों को गेहूं बेच रहे हैं। पार्टी ने सरकार से मांग की है कि किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल का भाव दिया जाए और कम कीमत पर बेचे गए गेहूं का अंतर भावांतर योजना के तहत सीधे खातों में डाला जाए। साथ ही मूंग और सोयाबीन के दामों को लेकर भी जवाब मांगा गया है।

वेयरहाउस की क्षमता बढ़ाई: राजपूत

मध्यप्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंदसिंह राजपूत ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए तौल कांटे बढ़ाए गए हैं और वेयरहाउस की क्षमता में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है, ताकि भंडारण में दिक्कत न आए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री खुद औचक निरीक्षण कर रहे हैं और वे स्वयं भी विभिन्न केंद्रों का दौरा कर रहे हैं। राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री और विभाग द्वारा गेहूं खरीदी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी की अनुमति थी, केंद्र सरकार से इसे बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन करा लिया गया है।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के विरोध में एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक को सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में पण्डित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में हो रही गंभीर अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय विधायक को ज्ञापन दिया। निम्नलिखित मुद्दों को बिंदुवार संज्ञान में लाया जा रहा है जिले में नवीन महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा शहडोल प्रवास के दौरान जिले में नवीन महाविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की गई थी। परंतु आज दिनांक तक उक्त घोषणा को धरातल पर नहीं उतारा गया है और जिले में कोई भी नया महाविद्यालय स्थापित नहीं हुआ है।

मांग- क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए शहडोल में शीघ्र एक नवीन महाविद्यालय की स्थापना की जाए।

शहडोल डिग्री कॉलेज हॉस्टल के जर्जर सुधार में लापरवाही

शहडोल डिग्री कॉलेज हॉस्टल के सुधार हेतु शासन द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन को 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इसके बावजूद आज तक हॉस्टल में किसी भी प्रकार का सुधार कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, जिससे स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है।

मांग – शासन इस गंभीर लापरवाही पर संज्ञान लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध कड़ी व त्वरित कार्रवाई करे तथा सुधार कार्य तत्काल प्रारंभ कराया जाए।

पीएम-ऊषा अंतर्गत स्वीकृत राशि के उपयोग पर संदेह

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल को पीएम-ऊषा योजना के तहत विश्वविद्यालय उन्नयन हेतु लगभग 55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। शासकीय अभिलेखों में राशि के 100त्न उपयोग का दावा है, जबकि वास्तविकता में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और कई विभागों में कंप्यूटर व आईटी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

मांग-शासन इस विषय की उच्चस्तरीय जांच कराए, यह स्पष्ट करे कि धनराशि कहां-कहां और किन कार्यों में व्यय हुई, तथा व्यय राशि का वास्तविक व पूर्ण विवरण सार्वजनिक किया जाए।

एक ही अधिकारी को अनेक महत्वपूर्ण प्रभार

पीएम ऊषा विश्वविद्यालय में परीक्षा प्रभारी के पद पर कार्यरत डॉ. पूर्णिमा शर्मा को पीएम-ऊषा योजना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जबकि पिछले एक-दो वर्षों से छात्रों के परिणाम लंबित हैं और परिणामों में गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

मांग-विश्वविद्यालय में दिए गए अनेक प्रभारों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा छात्रों के हित में डॉ. पूर्णिमा शर्मा को सभी प्रभारी पदों से तत्काल हटाया जाए।

कुलसचिव लापता

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में विगत तीन महीनों से कुलसचिव लापता हैं। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था प्रभारी कुलसचिव के भरोसे संचालित हो रही है, जिससे नियमों की अनदेखी, पारदर्शिता की कमी एवं मनमर्जीपूर्ण कार्यप्रणाली बढ़ रही है।

मांग-शासन शीघ्र संज्ञान लेते हुए इस विषय का निराकरण करे, ताकि विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू, पारदर्शी एवं जवाबदेह बन सके।

संस्कृत विभाग की कक्षाएं प्रभावित होने के संबंध में

संस्कृत विभाग के प्राध्यापक वृजेंद्र पांडे जी को कुलपति जी का ह्स्ष्ठ एवं बस प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जिसके कारण विभाग की नियमित कक्षाएं प्रभावित हो रही हैं।

मांग-छात्रहित को ध्यान में रखते हुए उन्हें तत्काल ह्स्ष्ठ एवं बस प्रभारी के प्रभार से मुक्त किया जाए, जिससे संस्कृत विभाग की शिक्षण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। विश्वविद्यालय में कुलपति जी व उनके करीबी लोगों के भाई-भतीजों को भर्ती कराया जा रहा है, जिसे तुरंत बंद किया जाए।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कुलपति महोदय के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा है कि अगर हमारी मांग 7 दिन के भीतर पूरी नहीं होती तो एनएसयूआई उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी,जिसकी जवाबदारी विश्वविद्यालय प्रशासन व शासन की होगी।

आज ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष सिमरन कौर, ब्लॉक अध्यक्ष अमन तिवारी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता, आई टी सेल अध्यक्ष महेंद्र यादव, शिवांशु साहू, हर्षित, ओम साहू, कृतेंद्र,साहिल, सुमित, लकी, मोहित सावन, हिमेश सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सिंहपुर में खेत विवाद ने लिया हिंसक रूप, महिला के साथ मारपीट कर जान से मारने की दी धमकी

परिवार के 4 सदस्यों ने महिला को पत्थर और डंडे से बेरहमी से पीटा

शहडोल (स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय शहडोल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां खेत में लगे आम के पेड़ को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि पूर्व जनपद सदस्य महिला के साथ मारपीट कर दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने न सिर्फ गाली-गलौज की, बल्कि पत्थर और दंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

शहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर की रहने वाली मीना कुशवाहा अपने पति के साथ खेत देखने जा रही थीं। तभी उनके खेत में लगे आम के पेड़ पर एक युवक आम तोड़ता हुआ मिला।

जब महिला ने इसका विरोध किया, तो मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने पेड़ को अपना बताकर विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते बात बढ़ गई और आरोप है कि चार लोगों ने महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पीड़िता का कहना है कि एक आरोपी ने पत्थर मारकर घायल किया, वहीं दूसरे ने लकड़ी से हमला किया। साथ ही गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी गई। सिंहपुर पुलिस द्वारा आरोपियों कुलदीप पांडे, धर्मेन्द्र पांडे, पुष्पेन्द्र पांडे, मंदीप पांडे के विरुध्द बीएनएस 296(ड्ड,) 115(2), 351(3,)बीएनएस 3(5) की धारा अपराध दर्ज कर जांच कर रही है।

इनका कहना है

पीड़ित महिला के सूचना पर 4 व्यक्तियों के ऊपर एफआईआर दर्ज कर सिंहपुर पुलिस जांच कर रही है।

शिवाली चतुर्वेदी, डीएसपी

महिला के द्वारा दिये गये आवेदन पर 4 व्यक्तियों के ऊपर एफआईआर दर्ज किया गया है।

आशीष झारिया, थाना प्रभारी, सिंहपुर

महिला सशक्तिकरण अंतर्गत आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल (स्वतंत्र मत)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि महिला सशक्तिकरण अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम पॉलिटेक्निक कॉलेज शहडोल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कल्याणी वाजपेई बाल कल्याण समिति अध्यक्ष द्वारा महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में अपना व्याख्या प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि, महिलाओं को अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार प्राप्त करने के लिए समर्थ बनाना है। यह पुरुषों के बराबर पहचान और आत्मविश्वास के साथ जीने की प्रक्रिया है। कार्यक्रम में सहायक संचालक संगीता भगत द्वारा वन स्टॉप सेंटर में संपर्क करने के लिए महिला हेल्पलाइन 181 के संबंध में जानकारी दी गई व चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रोफेसर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमपी बोर्ड हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की द्वितीय परीक्षा आज से

शहडोल (स्वतंत्र मत)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी की द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 आगामी 7 मई से प्रारंभ होने जा रही है। परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र एमपी ऑनलाईन के आधिकारिक पोर्टल www. mpbse. mponline.gov.in पर अपलोड कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी उक्त वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश-पत्र समय पूर्व डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश हेतु यह अनिवार्य दस्तावेज होगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर शुचिता एवं अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षार्थी निर्बाध रूप से अपनी परीक्षा संपन्न कर सकें।

होटल द्वारा 30 मीटर सड़क में कब्जा, आवागमन प्रभावित

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग कलेक्टर कमिश्नर से हुई शिकायत

शहडोल (स्वतंत्र मत)।

शहर के उमरिया-शहडोल मार्ग स्थित पुराने बायपास (एनएच-78) पर अतिक्रमण का मामला गंभीर रूप लेता जा रहा है। लल्लू सिंह तिराहे से न्यू बस स्टैंड तक जाने वाले मार्ग के एक हिस्से में वर्षों से किए गए अवैध कब्जे के कारण आमजन की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

जानकारी के अनुसार, उक्त मार्ग का निर्माण एमपीआरडीसी की अनुमति से नगर पालिका परिषद द्वारा किया गया है और इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी नगर पालिका के पास है। इंडियन रोड (आईआरसी-73) के प्रावधानों के अनुसार इस मार्ग की कुल चौड़ाई

30 मीटर निर्धारित है, जिसमें मध्य बिंदु से दोनों ओर 15-15 मीटर का क्षेत्र शामिल है।

बताया गया है कि लल्लू सिंह चौक से न्यू बस स्टैंड की ओर लगभग 200 मीटर दूरी पर स्थित रीवा होटल द्वारा इस निर्धारित सीमा के भीतर अतिक्रमण कर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इससे मार्ग संकरा हो गया है और आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश पाण्डेय ने कलेक्टर कमिश्नर को दिए गए आवेदन में इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आसपास के अन्य निर्माण निर्धारित सीमा का पालन करते हुए किए गए हैं, जबकि केवल रीवा होटल द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित में तत्काल कार्यवाही कर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

चोरी की तीन वारदातों का खुलासा

शहडोल (स्वतंत्र मत)। कोतवाली पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है। फरियादी अशोक कुमार मोर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनके किराना गोदाम (शाई मंदिर के पीछे) मेंअज्ञात चोर द्वारा दिनांक 17-18 अप्रैल 2026 की रात्रि में पीछे का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया गया। आरोपी द्वारा गोदाम में रखे डालडा कंपनी का तेल (180 पाउच) एवं चाय पत्ती के झोले चोरी कर लिए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 45,000/- है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त किया गया।

फरियादी नन्दलाल यादव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वे अपने परिवार सहित 20 अप्रैल 2026 को वैष्णो देवी दर्शन हेतु गए थे। 27 अप्रैल 2026 को वापस आने पर पाया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है एवं अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी सहित लगभग 1,25,000/- की चोरी कर ली गई।

फरियादी आत्मानंद शुक्ला द्वारा सूचना दी गई कि उनके ससुराल के घर में, जो बंद था, अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला तोड़कर प्रवेश किया गया एवं घर के अंदर रखे सामान को अस्त-व्यस्त कर नगदी रकम (लगभग 10,000/-) चोरी कर ली गई। उपरोक्त तीनों घटनाओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर एक बाल अपचारी को चिन्हित कर 5 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने तीनों चोरी की घटनाओं को स्वीकार किया। उसके कब्जे से चोरी गई मशरूका (सोने-चांदी के जेवरात, नगदी एवं अन्य सामान) कुल लगभग दो लाख तक बरामद की गई। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर बाल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

विंध्याचल की स्वदेशी डिजिटल पहल 'वीकृति' एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र में लागू

सिंगरौली।

एनटीपीसी के उत्तरी क्षेत्र ने डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 5 मई 2026 को ऑनलाइन प्रोटेक्शन बायपास मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह से स्वदेशी रूप से विंध्याचल टीम द्वारा ऑपरेशन और आईटी विभाग के सहयोग से विकसित किया गया है।

इस प्रणाली का औपचारिक उद्घाटन श्री दिवाकर कौशिक, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक(उत्तर) एवं सीईओ (एनएसपीसीएल) द्वारा एमएस टीम्स के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर श्री

बी.एन. झा, कार्यकारी निदेशक(ओएस), उत्तरी क्षेत्र के सभी परियोजना प्रमुख, महाप्रबंधक तथा टीम विंध्याचल के सदस्य उपस्थित रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल में सफलतापूर्वक लागू होने के बाद, इस नवाचार को अब एनटीपीसी के अन्य स्टेशनों में भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत उत्तरी क्षेत्र से की गई है। इस प्रणाली के विकास में सीसी-ओएस, सीसी-डी आई और सीसी-आईटी समूहों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रोटेक्शन बायपास मैनेजमेंट सिस्टम 'स्वीकृति' का उद्देश्य प्रोटेक्शन बायपास प्रबंधन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना, संचालन दक्षता में सुधार करना और सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाना है। यह पहल एनटीपीसी की नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता और स्वदेशी डिजिटल समाधानों को अपनाकर बेहतर संचालन एवं सुरक्षित पावर प्लांट प्रबंधन सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

डाकघर चलाएगा आधार महाअभियान

शहडोल (स्वतंत्र मत)। भारतीय डाक विभाग आगामी 8 एवं 9 मई को आधार महाअभियान शिविर का आयोजन कर रहा है । उक्त संबंध में जानकारी देते हुए पोस्ट मास्टर सुप्रियल मिंज ने बताया कि आधार का अपडेशन विभिन्न सरकारी योजनाओ, पासपोर्ट तथा आने वाले शैक्षिक सत्र में बच्चों के प्रवेश के लिए आवश्यक है । वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग आधार के कार्य से डाकघर आ रहे हैं । अत: नागरिकों को विशेष सुविधा देने के लिए आगामी 8 और 9 मई को डाकघर में आधार अपडेशन का काम सुबह 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक होगा। इस दौरान आधार से संबंधित सभी सुविधाएं जिसमें नए आधार का पंजीकरण, पुराने आधार में किसी भी प्रकार के सुधार मोबाइल अपडेशन, नाम और जन्मतिथि सुधार कराए जा सकेंगे । आम जनता से उक्त सुविधा का लाभ लेने की अपील की गई है।

एनएच-43 पर ई-चेक गेट स्थापित, खनिजों के अवैध परिवहन पर लगेगी लगाम

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए शासन द्वारा 40 ई-चेक गेट स्थापित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उमरिया जिले के तहसील चंदिया अंतर्गत ग्राम समसरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर महानदी बैरियर के पास ई-चेक गेट का संचालन 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है। जिला खनिज अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी ने बताया कि म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में संशोधन के बाद यह व्यवस्था लागू की गई है। यह पूरी तरह मानव-रहित डिजिटल प्रणाली है, जिससे खनिज परिवहन में लगी गाड़ियों की सतत निगरानी

कलेक्टर ने नव निर्मित सांदिपनी विद्यालय करकेली का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बुधवार 6 मई को करकेली विकासखंड स्थित नव निर्मित सांदिपनी विद्यालय का निरीक्षण कर निर्माण एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं और शेष कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में स्थापित विभिन्न प्रयोगशालाओं, बालक एवं बालिका शौचालय, प्राचार्य कक्ष, विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था, ऑडिटोरियम, वीआईपी कक्ष, फायर बॉक्स, पार्किंग व्यवस्था तथा अन्य अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में सुरक्षा, स्वच्छता एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा बताया गया कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए टेबल-कुर्सियों की व्यवस्था कर दी गई है, जबकि प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक सामग्री तथा कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर अभी उपलब्ध नहीं हो पाया है। इस पर कलेक्टर श्रीमती सहाय ने मौके से ही जिला शिक्षा अधिकारी को

आवश्यक सामग्री एवं फर्नीचर की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सांदिपनी विद्यालय के शेष निर्माण एवं व्यवस्थागत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि विद्यालय में जल्द से जल्द सुचारु रूप से अध्यापन कार्य प्रारंभ किया जा सके।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्कूल शुरू होने के उपरांत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। साथ ही आगजनी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर बॉक्स की उपलब्धता का भी अवलोकन किया गया।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रेडक्रॉस सप्ताह अंतर्गत निरोगी काया अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उमरिया (स्वतंत्र मत)। विश्व रेडक्रॉस दिवस (08 मई 2026) के उपलक्ष्य में 02 मई से 08 मई 2026 तक मनाए जा रहे रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत बुधवार 6 मई को उमरिया नगर के वार्ड क्रमांक 24 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में च्निरोगी काया अभियानज्ज के तहत महिला एवं युवतियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता, मातृत्व एवं शिशु कल्याण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण, पोषण, स्वच्छता एवं देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं एवं युवतियों को दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने, संतुलित आहार लेने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की नियमित जांच कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम के दौरान माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं शिशुओं का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न साप्ताहिक कार्यक्रमों, जनसेवा गतिविधियों एवं स्वास्थ्य संबंधी अभियानों की जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे वे इन गतिविधियों से जुड़कर समाज सेवा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

उक्त कार्यक्रम भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, शाखा उमरिया के अध्यक्ष एवं कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। उनके निर्देशन में जिले में रेडक्रॉस की गतिविधियों को निरंतर विस्तार मिल रहा है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा कार्य प्रभावी रूप से पहुंचाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी शाखा उमरिया के सभापति अखिलेश त्रिपाठी ,सचिव राकेश शर्मा एवं सदस्य प्रिंस छंगवानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके साथ ही जिला समन्वयक महिला बाल विकास श्रीमती आराधना मिश्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं क्षेत्र की मातृ शक्ति की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के दौरान वक्ता डॉ मुकुल तिवारी ने महिलाओं एवं युवतियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यह संदेश भी दिया गया कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब महिलाएं एवं बच्चे स्वस्थ और सशक्त हों।साथ डॉ मुकुल तिवारी जी ने पोषड आहार टीवी शिकल सेल एनीमिया जागरूकता के बारे मे भी विस्तार से चर्चा की एवं जो भी प्रश्न पूछा गया उसका उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ किया गया, जिसमें सभी उपस्थित अतिथियों, आंगनवाड़ी स्टाफ एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अंत में सभी को यह संदेश दिया गया कि च्स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज की नींव हैज्ज और प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए।

विश्व अस्थमा दिवस पर जिनसार के विद्यार्थियों ने अभियान चलाकर आमजन को किया जागरूक

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर आमजन को बताए बचाव और उपचार के तरीके

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विश्व अस्थमा दिवस के अवसर पर जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज (जिनसार) द्वारा यूसीएचसी, मनमोहन नगर में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जिनसार के बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य आमजन को अस्थमा रोग के कारणों, लक्षणों, बचाव एवं प्रभावी प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को अधिक प्रभावशाली एवं रोचक बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से धूल, प्रदूषण एवं धुएं जैसे अस्थमा के प्रमुख कारणों तथा सांस फूलना, खांसी एवं सीटी जैसी आवाज़ के साथ सांस चलना जैसे लक्षणों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों द्वारा दर्शाया गया।

प्रस्तुति के माध्यम से अस्थमा की शीघ्र पहचान, नियमित उपचार एवं इनहेलर्स के

सही उपयोग के महत्व को प्रभावी ढंग से समझाया गया। साथ ही अस्थमा से जुड़े विभिन्न भ्रम एवं मिथकों को दूर करते हुए लोगों को बचाव के उपाय अपनाने एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया।

स्थानीय लोगों ने की सराहना

नुक्कड़ नाटक को स्थानीय लोगों द्वारा काफी सराहना मिली तथा कार्यक्रम को सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सरल भाषा, प्रभावशाली अभिनय एवं सहज उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जनसामान्य तक जागरूकता का संदेश सफलतापूर्वक पहुंचाया। यह कार्यक्रम जिनसार की प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया तथा कार्यक्रम का समन्वयन स्वप्निल मसीह एवं प्रियंका गाइगोले द्वारा किया गया।

संस्थान परिवार विशेष रूप से डॉ. अंशुल शुक्ला, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं बीएमओ, यूसीएचसी, मनमोहन नगर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिन्होंने इस जनहितकारी कार्यक्रम के आयोजन हेतु अनुमति प्रदान कर अपना सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया। उनके सहयोग से यह जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। समग्र रूप से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा अस्थमा एवं उसके प्रबंधन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। साथ ही इस कार्यक्रम ने सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं एवं एंटी-इन्फ्लेमेटरी इनहेलर्स की उपलब्धता की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

गेहूं खरीदी केंद्रों में ना हो किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही: कलेक्टर

गेहूं खरीदी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बुधवार को शहपुरा विकासखंड के चरगवां क्षेत्र अंतर्गत एमएस वेयर हाउस सेमरा और सांवरिया जी एग्रो वेयर हाउस स्थित गेहूं खरीदी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं की गुणवत्ता जांचने के लिए मॉइश्चर माप की प्रक्रिया देखी और तौल कांटों का भौतिक सत्यापन कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने केंद्र पर बारदाने की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था और सुरक्षा हेतु लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करने के साथ ही स्टॉक वेरिफिकेशन के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने खरीदी केंद्र पर उपस्थित किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। सेमरा खरीदी केंद्र पर सर्वेयर की कार्यप्रणाली संतोषजनक न पाए जाने पर कलेक्टर श्री सिंह ने उसे हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि पूरी खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई गई, तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को परिसर में साफ सफाई बनाए रखने और किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे।

उमरिया-डुंगरिया औद्योगिक क्षेत्र का किया भ्रमण

कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने चरगवां क्षेत्र का सघन दौरा कर विकास कार्यों और औद्योगिक गतिविधियों का जायजा लिया। भ्रमण की शुरुआत में उन्होंने चरगवां क्षेत्र के ग्राम गंगई पहुंचकर वहां चल रहे जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इसके उपरांत कलेक्टर उमरिया.डुंगरिया औद्योगिक क्षेत्र पहुंचेए जहाँ उन्होंने जावी मेडिकेयर इंडस्ट्रीज का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने उद्योग की कार्यप्रणाली, उपलब्ध मैनपावर, उत्पादन क्षमता और उत्पादों के विक्रय व निर्यात प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी लेते हुए पूरी उत्पादन प्रक्रिया को देखा। इसी क्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने चरगवां में निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विद्यालय का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को यहां जल्दी ही शैक्षणिक सुविधा का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान एमपीआरडीसी के कार्यकारी संचालक अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा मदन रघुवंशी, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी आदि उपस्थित रहे।

संबल और मेधावी विद्यार्थियों से शुल्क वसूली पर रादुविवि में प्रदर्शन

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने लगाए अराजकता एवं अव्यवस्था के गंभीर आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में बुधवार को उस समय हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई जब एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ पांच सूत्रीय मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन के बाहर जमकर नारेबाजी करते हुए प्रशासन पर छात्र विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कुलगुरु एवं कुलसचिव के अनुपस्थित रहने से छात्रों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। लगभग आधे घंटे तक प्रदर्शन करने के बावजूद जब कोई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी छात्रों से चर्चा करने नहीं पहुंचा, तब आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने प्रशासनिक भवन के भीतर प्रवेश करते हुए कुलसचिव कार्यालय का घेराव कर दिया। इस दौरान कर्मचारियों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा छात्रों को रोकने

का प्रयास किया गया किंतु प्रदर्शनकारी कार्यकर्ता कार्यालय कक्ष के भीतर पहुंच गए और वहीं धरने पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी ।लगभग एक घंटे तक कुलसचिव कार्यालय के भीतर छात्रों द्वारा लगातार नारेबाजी और प्रदर्शन किया जाता रहा।

योजनाओं का उल्लंघन

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई नेता अनुराग शुक्ला ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में शासन की छात्र हितैषी योजनाओं का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन की संबल एवं मेधावी विद्यार्थी योजना के पात्र छात्रों से नियमों के विपरीत परीक्षा एवं अन्य शुल्क वसूले जा रहे हैं।

जबकि मध्यप्रदेश शासन की प्रवेश मार्गदर्शिका एवं उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 07/07/2025 के अनुसार ऐसे छात्रों से केवल कॉशन मनी लिए जाने का ही प्रावधान है। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के अनुराग शुक्ला, राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल, प्रदेश सचिव प्रतीक गौतम, सैफ मंसूरी आदि उपस्थित थे।

ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, ओबीसी एससी एसटी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष एड रमेश पटेल के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी, सिहोरा को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमे मझगवां क्षेत्र में नर्सिंह वियर हाऊस की मेपिंग द्वारकाधीश वियर सिंघुली मझगवां करने, स्लॉट डिलीट करके दोबारा स्लॉट बुक करने का आप्शन चालू करने, गेहूं खरीदी केंद्रों में कमीशन खोरी बंद करने की मांग की गई। जिसमें जितेन्द्र कुमार कुर्मी, उमेश पटेल, प्रताप भानु पटेल, अंजनी पटेल, दशरथ पटेल, मनोज पटेल आदि ने इस समस्या को जल्द से जल्द हल करने की मांग की, अनुविभागीय अधिकारी ने इन समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया है।

बादलों की लुकाछिपी से बदल रहा मौसम का मिजाज़, बीमारियों का बढ़ा खतरा

मौसम विभाग ने दिए जल्द तापमान में वृद्धि होने के संकेत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में बुधवार का दिन तेज गर्मी और उमस भरा रहा। सूरज की तल्ख किरणों और चिलचिलाती धूप ने लोगों को पूरे दिन बेहाल रखा, जिससे गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिली। हालांकि, शाम के समय मौसम ने एक बार फिर हल्की करवट ली, लेकिन यह बदलाव राहत के बजाय सेहत के लिए चिंता का सबब बनता दिखाई दे रहा है। दिन की शुरुआत के साथ ही तापमान में तेजी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 37.7 दर्ज किया गया वहीँ न्यूनतम तापमान 23.0 रहा , मौसम

के शुष्क रहने के साथ ही हवा भी 4 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। दोपहर के समय गर्म हवाओं और उमस ने लोगों का घर से निकलना मुश्किल कर दिया। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग चिलचिलाती धूप से बचने के लिए छांव का सहारा लेते नजर आए। पारे के ऊंचे स्तर पर बने रहने के कारण एयर कंडीशनर और कूलर भी पूरी क्षमता पर चलने के बावजूद लोगों को गर्मी से पूरी तरह राहत नहीं दिला पाए।

घर-घर बीमारी की दस्तक

शाम के समय कुछ देर के लिए आसमान में बादल छाए, जिससे एक पल के लिए लोगों को लगा कि मौसम ठंडा हो जाएगा, लेकिन यह केवल बादलों की लुकाछिपी तक ही सीमित रहा। बादलों के छंटने के बाद उमस और बढ़ गई। मौसम के इस बदलते मिजाज के बीच चिकित्सा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस तरह बार-बार तापमान में उतार-चढ़ाव और उमस भरी गर्मी लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, दिन की तेज गर्मी और शाम की हल्की ठंडक या उमस के कारण सर्दी, जुकाम, वायरल बुखार और गले में संक्रमण जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतने की बहुत आवश्यकता है।

राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन पर सीएम का किया आभार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र सरकार द्वारा बुधवार को व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की गई,इस अवसर पर जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बड़े फुहारे में समस्त व्यापारिजन के साथ मिठाई खिलाकर मुख्यमंत्री मोहन यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व मंत्री शरद जैन, व्यापारी संगठन के मंजेश जैन, राजा सराफ एवं बड़ी संख्या में व्यापारी जन उपस्थित रहे। विधायक पाण्डेय ने इस दौरान कहा कि मप्र मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की सरकार सदैव ही संवाद, समाधान और संभावना पर कार्य करती है और हर उस विषय को प्रत्यक्ष रूप से

सुधार करने में विश्वास रखती है जो कि जनता के हितों से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया है और मुख्यमंत्री स्वयं इसके अध्यक्ष भी रहेंगे इस बोर्ड का प्रमुख उद्देश्य व्यापारियों से जुड़ी योजनाओं को बनाना, समस्याओं को सुलझाना एवं सरकार से संवाद हेतु एक प्रत्यक्ष प्लेटफॉर्म से जोड़कर उनकी शंकाओं का समाधान किया जाएगा।

8 मई को वंदेमातरम राष्ट्र गौरव नेतृत्व सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अंतर्राष्ट्रीय वन्देमातरम मंच के द्वारा इंजीनियर विनोद नयन संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय प्रसंग संस्था जबलपुर, म.प्र.के नेतृात्मक प्रेरणादायी कार्यों के लिए.वंदे मातरम राष्ट्र गौरव नेतृत्व सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन की मुख्य अतिथि आ.कीर्ति अभिलाष पांडे एवं अध्यक्ष आ. डॉ.धीरेंद्र पाठक होंगें। आयोजन शुक्रवार 8 मई को सायंकाल 5.00 से साहित्य परिसर कचनार सिटी में किया गया है।

व्यक्ति को नम्र बनाता है भक्ति मार्ग

सिहोरा (स्वतंत्र मत) ।

गोसलपुर शंकर कालोनी मे सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छंटवे दिवस श्रीकृष्ण रुकमणी के मंगल विवाह के अवसर पर संत ब्रह्मानंद दास महाराज ने बताया की माता रुकमणि से विवाह कर भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म रक्षा की भक्तिमार्ग व्यक्ति को नम्र बनाता है, जबकि ज्ञानमार्ग जीवन में अहंकार पैदा करता है। पद और संपत्ति पाकर जो व्यक्ति अभिमान करता है उसको भगवान की भक्ति का फल नहीं मिलता उन्होंने कहा जब भगवान के प्रति अटूट प्रेम हो जाये और जीवन में सहजता और सरलता आ जाये तो

भगवान मिल जाते हैं। रुकमणी मन ही मन कृष्ण को पति मान चुकी थी और उनका विवाह उनकी इच्छा के बगैर दुष्ट राजा शिशुपाल से किया जा रहा था। तब उन्होंने भगवान को संदेश भेजकर मंदिर बुलाया और भगवान ने मंदिर पहुंच कर माता रुकमणी से विवाह किया। इस दौरान श्रीकृष्ण रुकमणी विवाह की सुंदर झांकी ने सबका मन मोह लिया भगवान के विवाह के साक्षी बने श्रोता दर्शकों ने इस मौके पर नाच - गाकर खुशियां मनाई। कथा मे मुख्य यजमान अवध भूषण दुबे, आशा दुबे ,महेश दुबे आदि ने व्यास ने व्यासपीठ का पूजन किया।

हितकारिणी समर कैंप में जुंबा और पिकल बॉल का दिया प्रशिक्षण

जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट तथा हितकारिणी सभा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समर कैंप में आज छात्र-छात्राओं को जुंबा एवं पिकल बाल का प्रशिक्षण शहीद स्मारक मैदान पर दिया गया। जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लेकर उक्त खेलों का अभ्यास किया, पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों में छात्र बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं । नियमित अभ्यास के माध्यम से छात्र अपनी प्रतिभा को निखारने में जुटे हुए हैं ,सुबह-सुबह बच्चों की सक्रिय उपस्थित उनकी खेलों में रुचि का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त अन्य खेलों में भी छात्र-छात्राएं भाग लेकर अपनी प्रतिभा निखार रहे हैं, इसमें जुंबा बच्चों का सबसे पसंदीदा खेल बना हुआ है विभिन्न कोचों की देखरेख में बच्चे कबड्डी ,खो खो , योग एवं वॉलीबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षकों का कहना है की नियमित अभ्यास से छात्रों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित होती है और खेलों के द्वारा छात्र अपनी शारीरिक फिटनेस तथा मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच को भी मजबूत बना रहे हैं। इसी क्रम में कल दिनांक 7 में को डुमना स्थित हितकारिणी इंजीनियरिंग फार्मेसी एवं डेंटल कॉलेज के महाविद्यालय के छात्रों को समर कैंप के माध्यम से जुंबा एवं मेडिटेशन का प्रशिक्षण प्रात: 11.00 से दिया जाएगा प्रशिक्षण को लेकर छात्र-छात्राओं में अत्यधिक उत्साह देखा जा रहा है।

बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का हुआ समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । प्रेमनगर स्थित शिव उपहार भवन में 'सफलता के सितारे' बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का तीन दिवसीय सफल आयोजन हुआ। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर व्यक्तित्व विकास की विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। समापन अवसर पर ब्रह्माकुमारी बिमला दीदी ने कहा कि बचपन में डाले गए अच्छे संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं और सफलता की राह आसान बनाते हैं।

शिविर के दौरान पूजा, लिजा और प्राची दीदी ने बच्चों को सकारात्मक चिंतन, एकाग्रता, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन बच्चों ने नृत्य, गीत, भाषण एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने खूब सराहा।

ऑयल से भरे रेल टैंकर में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

आपदा की स्थिति में निपटने रेलवे ने किया भिटोनी स्टेशन पर मॉक ड्रिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

यात्रियों एवं रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने हेतु जबलपुर रेल मंडल के भिटोनी स्टेशन पर दिनांक 06 मई को एक व्यापक अग्निशमन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के तहत ट्रेन के एक टैंकर वैगन में भिटोनी स्टेशन के साइडिंग लूप लाइन में आग लगने की काल्पनिक सूचना 16.56 बजे प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, स्टेशन स्टाफ एवं संबंधित विभाग तत्काल सक्रिय हो गए। आग पर नियंत्रण हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए 17.20 बजे आग बुझा दी गई तथा 17.25 बजे प्रभावित वैगन को सुरक्षित रूप से अलग (डिटैच) कर लिया गया। इसके पश्चात 17.45 बजे इस पूरे घटनाक्रम को मॉक ड्रिल घोषित किया गया।

इस मॉक ड्रिल में रेलवे के विभिन्न विभागों के साथ-साथ स्थानीय गैस प्लांट एवं नगर निगम भिटोनी का भी सक्रिय सहयोग रहा।

तैनात रहे आरपीएफ, जीआरपी के जवान

आग बुझाने हेतु फायर ब्रिगेड को तुरंत मौके पर भेजा गया, जहां उच्च दबाव से पानी का छिड़काव कर आग पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया। मॉक ड्रिल के दौरान भिटोनी थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ मौके पर उपस्थित रहे। साथ ही आरपीएफ एवं जीआरपी के जवानों ने मुस्तैदी दिखाते हुए भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संभाला। स्टेशन स्टाफ द्वारा अग्निशमन यंत्रों के साथ तत्परता से कार्य किया गया। इस दौरान मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारियों ने नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की निगरानी की तथा समन्वय स्थापित किया।

बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश 12 बैटरियां व तवेरा वाहन बरामद

दिन में वाहनों की रेकी, रात मे चोरी की वारदात

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के थाना ग्रामीण (नवेगांव), लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्र में लगातार हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक संगठित गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ट्रैक्टर व डम्पर वाहनों की कुल 12 बैटरियां, 6 डाबर पट्टे एवं घटना में प्रयुक्त टवेरा वाहन जब्त किया है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब 7 लाख 12 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार ग्राम तुमड़ीटोला, मगरदर्श, बोंगाटोला, खोगाटोला, बेलगांव सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में अज्ञात चोरों द्वारा रात के समय घरों के आंगन एवं खुले स्थानों में खड़े ट्रैक्टर व डम्परों से बैटरियां चोरी की जा रही थीं। इन घटनाओं की शिकायत पर विभिन्न थानों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सक्रिय किए गए आसूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने ग्रामीण (नवेगांव), लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्रों में बैटरी चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। जहाँ मामले मे पुलिस मे निलेश खरोले (22 वर्ष), निवासी ग्राम बेहरई, थाना लालबर्रा को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में दो विधि–विरुद्ध बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है, जिन पर पृथक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस मे जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी पहले दोपहिया वाहन से गांवों में घूमकर रात्रि में रेकी करते थे। इसके बाद देर रात ट्रैक्टर व डम्परों में लगी बैटरियों को खोलकर चोरी कर लेते थे। चोरी की गई बैटरियों को टवेरा वाहन के माध्यम से सुनसान स्थानों पर ले जाकर छिपा दिया जाता था। पुलिस अब आरोपियों से जिले के अन्य क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

वजन अभियान के तहत कार्यकर्ताओ को दिया प्रशिक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में कुपोषण मुक्त अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी परियोजनाओं में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण प्रतिमाह 11 से 20 तारीख तक आयोजित होने वाले वजन अभियान से पूर्व आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को बच्चों का सही चिन्हांकन, वजन एवं लंबाई मापन की तकनीकों की जानकारी दी गई, ताकि अभियान के दौरान बच्चों का सटीक आकलन किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सही मापन के माध्यम से अति गंभीर कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की पहचान आसानी से हो सकेगी।इस पहल का उद्देश्य चिन्हित बच्चों की समय पर उचित देखभाल एवं पोषण प्रबंधन सुनिश्चित कर उनके स्वास्थ्य में सुधार लाना है।

गर्राबोड़ी के पास झाड़ियों में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम गर्राबोड़ी से मुरझड़ रोड़ किनारे पटबर्रा मैदान में 6 मई की सुबह एक युवक का शव मिला। जहाँ घटना से ग्रामीणों में हडक़ंप मच गया और मौके पर देखने वालो का हुजुम उमड़ पड़ा। मृतक युवक का नाम तरूण पिता टोपसिंह लिल्हारे उम्र 23 वर्ष, खैरलांजी निवासी बताया गया है। सुचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्डम के लिए भेजा गया।

जानकारी अनुसार, तरूण लिल्हारे खैरलांजी में वेल्ड़ीग की दुकान का संचालन करता था। परिजनों की माने तो 5 मई की शाम को दुकान बंद कर घर पहुंचा और रात्रि 10 बजे करीब शादी समारोह में जाने की बात कहकर बाईक लेकर घर से निकला था। लेकिन वह घर नहीं लौटा और 6 मई की सुबह गर्राबोड़ी के पास उसकी लाश देखी गई। जिसकी ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर 112 डायल पुलिस पहुंची। जिसके पश्चात एफएसएल टीम भी मौके पर बुलवाई गई।

मृतक तरूण के शरीर पर मारपीट के निशान है, बदन पर कपड़े नहीं थे और बाईक तरूण के उपर गिरी हुई थी। जिससे देख कर प्रतित होता हैं कि तरूण की पिटाई करके हत्या कर दी गई और फिर उसे इस स्थान पर लाकर फेक दिया है। फिलहाल, पुलिस ने पोस्टमार्डम रिपोर्ट के बाद ही स्तिथि साफ होने की बात कही है। यह मर्डर है या फिर कुछ और घटनाक्रम, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन घटना के बाद चर्चा बढ़ गई है कि तरूण का किसी युवती से प्रेमप्रंगस चल रहा था, और उसकी शादी थीं। जिससे मिलने के लिए वह रात्रि में गया हुआ था और उसकी बेदम पिटाई कर मौत के घाट उतार दिया गया। फिलहाल, पुलिस जांच के उपरांत ही कहा जा सकता हैं कि आखिर तरूण के साथ उस रात क्या हुआ..?

मंदिर परिसर से महिलाओं का नशा विरोधी आंदोलन जारी

शराब बिक्री में आई तेजी से गिरावट ठेकेदार से महिलाओं से की चर्चा

कटंगी(स्वतंत्र मत)। बालाघाट जिले की कटंगी तहसील की ग्राम पंचायत सेलवा के डोंगरूटोला में भगवान शिव का 40 वर्ष पुराना मंदिर आजकल एक अनोखे आंदोलन का केंद्र बना हुआ है। मंदिर के सामने संचालित देसी–विदेशी शराब दुकान को गांव से बाहर विस्थापित करने की मांग अप्रैल माह के शुरुआती दिनों से ही उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बसाहट के बीच मंदिर के सामने शराब दुकान का संचालन धार्मिक आस्था और सामाजिक शांति दोनों के लिए घातक है। जिसके चलते शराब दुकान को विस्थापित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। सरपंच देवेंद्र देशमुख के नेतृत्व में महिलाओं ने जिला प्रशासन को इस संबंध में आवेदन दिया था। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया। इसके बाद महिलाओं ने स्वयं एक समिति गठित कर गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। समिति ने गांव में खुले में बिकने वाली अवैध शराब पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी। गांव की किराना दुकानों में डिस्पोजल गिलास और पानी पाउच की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया गया ताकि शराब सेवन की सुविधा न मिल सके। शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर जुर्माना तय कर दिया गया। इन कदमों से गांव में शांति का माहौल स्थापित हो गया है। 1 मई से महिलाएं हर दिन सुबह से देर रात तक मंदिर परिसर में बैठकर पूजा–पाठ और भजन–कीर्तन कर रही हैं। उनका कहना है कि वे धरना नहीं दे रही हैं बल्कि अपने घर–परिवार पर नजर रख रही हैं कि कोई सदस्य शराब का सेवन न करे। महिलाओं की मौजूदगी का सीधा असर शराब दुकान की बिक्री पर पड़ा है। अब कोई भी शराबी दुकान से शराब लेने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। शराब दुकान में बिक्री घटने से नुकसान झेल रहे लाइसेंसी ठेकेदार ने मंगलवार शाम मंदिर परिसर पहुंचकर महिलाओं से चर्चा की। लगभग पौन घंटे चली इस बैठक में ठेकेदार ने पूछा कि क्या उनके कर्मचारियों ने किसी महिला से अभद्र व्यवहार किया है। महिलाओं ने साफ कहा कि उन्हें कर्मचारियों से कोई शिकायत नहीं है, उनकी मांग केवल दुकान विस्थापन की है। उन्होंने दो टूक कहा कि प्रशासन जब चाहे दुकान हटा सकता है, लेकिन वे मंदिर परिसर में बैठकर सिर्फ इतना देखती हैं कि उनके घर का कोई सदस्य शराब न पी रहा हो। महिलाओं के आंदोलन से गांव में नशामुक्ति की दिशा में ठोस बदलाव दिख रहा है। शराब बिक्री में भारी गिरावट आई है, अवैध शराब पर रोक लगी है और गांव में शांति का वातावरण है। बावजूद इसके प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों का कहना है कि जब महिलाओं ने इतनी बड़ी पहल कर दी है तो प्रशासन को तुरंत दुकान विस्थापन का निर्णय लेना चाहिए। ठेकेदार से महिलाओं से चर्चा करते हुए साफ कर दिया है कि दुकान विस्थापित करना उनके हाथों में नहीं है। ग्राम पंचायत और महिलाएं कलेक्टर के समक्ष दुकान को विस्थापित करने के लिए आवेदन करें। कलेक्टर उन्हें जहां भेजेंगे वह वहां जाने के लिए तैयार है। ठेकेदार ने महिलाओं से कहा कि वह अभी दुकान संचालित करने दें।

जिले में 4052 किसानों से 12064.8 मी. टन गेहूं की गई खरीदी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में 4052 किसानों से 12064.8 मी0 टन गेहूं खरीदी की जा चुकी है। कुल स्वीकृत गेहूं उपार्जन केंद्रों की संख्या 35 है तथा निर्धारित गेहूं उपार्जन केंद्रों की संख्या 34 है। कुल 33 गेहूं उपार्जन केंद्र हैं जहां खरीदी प्रारंभ हुई है। गेहूं पंजीकृत किसानों की संख्या 13597 है। स्लॉट बुकिंग कराने वाले किसानों की संख्या 10066 है। जिले में कुल गेहूं परिवहन का प्रतिशत 66.37 है। जेआईटी पोर्टल के माध्यम से किसानो को भुगतान की गई कुल राशि 3.77 करोड रूपये है।

खदान संचालकों की बेरुखी से ग्रामीण बेहाल, गहरे खनन से सूखे कुएं, बैठक के बाद भी नहीं मिला समाधान

कटंगी (स्वतंत्र मत)

मायॅल नगरी तिरोड़ी के विश्राम गृह में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने मैंगनीज और डोलोमाइट खदान संचालकों के साथ बैठक की। बैठक मेंएसडीएम के.सी.ठाकुर, तिरोड़ी तहसीलदार श्रीमती गीता राहंगडाले, कटंगी तहसीलदार राकेश प्रजापति, माइनिंग अधिकारी सहित तिरोड़ी मायॅल के अधिकारियों के अलावा प्राइवेट खदानों के संचालक उपस्थित रहे। अब इस बैठक के छह दिन बीत जाने के बाद भी उन गांवों के हालात जस के तस बने हुए है जहां खदानों की गहरी खुदाई की वजह से पेयजल संकट की समस्या निकलकर सामने आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह बैठक महज खानापूर्ति बनकर रह गई और उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकला। दरअसल, बैठक में विधायक ने खदान संचालकों से कहा कि वह पर्यावरण अनुमति की शर्तों का पालन करें, धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव करें, वृक्षारोपण बढ़ाएँ और अपशिष्ट प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से करें। उन्होंने जल संरक्षण और स्थानीय समुदाय को सहयोग देने की बात भी कही। ग्राम अर्जुनी, जाम, सेलवा, पौनियां, हथोड़ा और सीतापठोर के ग्रामीणों ने शिकायत की कि गहरे खनन से भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। हैंडपंप और कुएं सूख चुके हैं, महिलाएँ लंबी दूरी तय कर पानी लाने को मजबूर हैं लेकिन खदानों में पानी की बर्बादी का सिलसिला लगातार जारी है। बैठक के बाद भी खदान संचालकों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। न जल संरक्षण की पहल हुई, न ही ग्रामीणों को राहत मिली। सवाल यह है कि क्या सिर्फ खानापूर्ति बैठकों से जल संकट का समाधान होगा, या प्रशासन और खदान संचालक वास्तव में जिम्मेदारी निभाएंगे?

चंदिया नौगजा उर्स का तीन दिवसीय आयोजन रात्रिकालीन कव्वाली की सजेगी महफिल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के चंदिया में स्थित हजरत नौगजा शाह दाता रहमतुल्ला अलैह के आस्ताने में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15, 16 एवं 17 मई 2026 को तीन दिवसीय उर्स का भव्य आयोजन सुनिश्चित किया गया है। उर्स कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल नसीब खान एवं सचिव मोहम्मद अशफाक खान ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां जोरों से चल रही है। उर्स का आगाज 15 मई, शुक्रवार को अकीदत एवं उल्लास के साथ शाम 8 बजे चादर–संदल की रस्म के साथ होगा। यह चादर हजरत रूहुल्लाह शाह दाता के आस्ताने से उठकर बस्ती का गश्त करते हुए मजार–ए–पाक पहुंचेगी। इसके उपरांत मजार पर गुस्ल, चादरपोशी एवं परचम कुशाई की रस्म अदा की जाएगी। साथ ही जामा मस्जिद चंदिया के इमाम द्वारा तकरीर एवं सलातो–सलाम पेश किया जाएगा। उर्स के पहले दिन मुजम्मिल ताजम्मिल साबरी द्वारा रात्रिकालीन कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी। दूसरे दिन 16 मई को शरीफ परवाज (कानपुर, उत्तर प्रदेश) एवं अदनान अजीम नाजा (मुंबई, महाराष्ट्र) अपनी प्रस्तुतियों से महफिल को सजाएंगे। वहीं 17 मई को अंतिम दिन अनीश नवाब (अहमदाबाद, गुजरात) एवं जुनैद सुल्तानी (बदायूँ, उत्तर प्रदेश) के बीच शानदार कव्वाली का आयोजन होगा। तीनों दिवस चलने वाले इस उर्स में दूर–दराज से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के शामिल होने की संभावना है, जहां इबादत के साथ–साथ कव्वाली का लुत्फ उठाया जाएगा, उर्स कमेटी के पदाधिकारियों ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानपुर की दशा हुई बत्तर

स्थित सुधारने सिविल अस्पताल की हो रही मांग

मानपुर (स्वतंत्रमत)

राष्टीय उद्यान बांधवगढ़ से सटे, अुसूचित जाति,जन जाति और अति पिछड़ा क्षेत्र मानपुर विधान सभा क्षेत्र मुख्यालय नगर परिषद मानपुर में स्वास्थ्य केंद्र, रेस्ट हॉउस, रेलवे सुविधा, उद्योग और स्थाई बस स्टैंड के अभाव से क्षेत्र में विकास का ग्राफ बड़ी तेजी से नीचे की ओर बढ़ते दिख रहा है, और स्वास्थ्य ब्यवस्था की स्थिति भीबड़े तेजी से गड़बड़ाई हुई है..! क्षेत्र में डॉक्टरों की रहती है कमी एवं अक्सर अनुपस्थित रहते हैं अधिकारी' मानपुर ब्लॉक में अर्ध दर्जन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और तकरीबन 70 उप स्वास्थ्य केन्द्र होने के बावजूद भी कुल चार डॉक्टर पदस्थ होने की खबर है जिससे कई स्वास्थ्य केन्द्र बिना डॉक्टर के संचालित रहते हैं। सुत्रों के अनुसार यहां के कार्यालय में बीएमओ, बीपीएम, आरसीएच क्लर्क के सांथ कई पदाधिकारियों की उपस्थिति हफ्ते में एकाध दिन ही हो पाती है, जब कि इस समय मैपिंग थैम्स से आनलाइन हाजरी लगाने का प्रावधान है, प्रश्न चिन्ह बन के उभर रहा है कि ऐसे में बांकी के दिन ऐसे अधिकारियों का हाजरी कैसे और कहां से लगती होगी तथा वेतन जारी कैसे हो पाता होगा ?

पलंग ब्यवस्था, सफाई और दवाइयों की बनी रहती है कमी– मानपुर सामुदायिक के सांथ क्षेत्र के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाई की कमी बनी रहती है दिनांक 02,05,2026 मानपुर स्वास्थ्य केन्द्र में कुछ मरीजों ने बताया कि यहां कान आंख के ड्राफ, टीटी के इंजेक्शन, ताकत वाले सिरप, पाचक, ग्लीसरीन, गरम पट्टी अथवा चोंट में लगाने के लिये ट्यूब और पट्टी जैसे कई दवाइयां की कमी बनी ही रहती है, कईवार तो निडिल सिरेंज भी बाजार से मंगवाना पड़ता है। फिनायल जैसे कीट नासक का उपयो कब होता है, वहां के मरीज जानने से मना कर रहे हैं, वहां पलंग में चादर और तकिया का अभाव हमेशा बना रहता है, स्वास्थ्य केन्दे के चौतरफा कचरा का भराव बना रहता है।

बाउन्ड्री और पानी के अभाव से मरीज रहते हैं परेशान– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानपुर में बांउड्रीबाल और मेन गेट न होने से आवारा पशु और कुत्तों का डेरा बना रहता है, यहां पानी ब्यवस्था न होने से एनआरसी के ट्यूवेल से पानी की ब्यवस्था करवाई जाती है जिससे पर्याप्त पानी मिलने की सुविधा नहीं है, वहीं मरीज को लानने वाले साथियों को अपने गाड़ी. बाहन खड़े करने के लिये छाया एवं मरीजों के सांथियों के लिये स्वच्छ ठंडे पेय जल तक की ब्यवस्था नहीं है।

स्वास्थ्य जांच वाले यंत्रों का अभाव– 82 पंचायतों का मुख्यालय, राष्टीय उद्यान के बाजू से लगे मानपुर विधान सभा क्षेत्र मुख्यालय वाले स्वास्थ्य केन्द्र में हृदय गति को चेक करने वाले ई.सी.जी. यंत्र और सोनोग्राफी मशीन न होने से क्षेत्रीय गरीब और गर्भवती महिलाओं को सीघ्र रिफर करना मजबूरी बना रहता है जो बड़े समस्या का कारण है। बिजली सफ्लाई बंद होने पर एक्सरे, पैथालॉजी लैब मसीन, स्कैनर, पंक्खा, कम्प्यूटर मसीन बंद हो जाया करते हैं यहां तक की नसवंदी जैसे कार्य भी बंद हे जाया करते हैं, क्यों कि यहां चालू हालत में जनरेटर एवं हॉई वोल्टेज वाले इनवैटर की कमी सदा से बनी हुई है, यहां बाहरोगियों के बैठक हॉल में पंक्खा और पेय जल की सुविधा नहीं है।

मरीजों की कमी और झोला छाप डॉक्टरों का बल्ले - बल्ले - कई असुविधा के कारण मानपुर क्षेत्रीय शास्कीय स्वायस्थ्य केन्दों में मरीजों की संख्या न के बराबर और झोला छाप डॉक्टर - क्लीनिक में सदा भीड़ बने रहने की चर्चा सुर्खियों में है द्य मानपुर में एडमिट गोवर्दें निवासी एक मरीज महिला और उसके सांथी महिला ने बताया कि हम बीते कल शुक्रवार के रात 07 बजे यहां एडमिट हुये हैं तब से आज शनिवार को दोपहर 12रू32 बजे तक हमें देखने नर्ष के शिवाय कोई डॉक्टर नहीं आये हैं और हम मरीज को नास्ता, भोजन, पानी की ब्यवस्था करवाना तो दूर की बात है भोजन पानी के लिये कोई पूछने तक नहीं आये हैं तब मजबूरन में हमे बाहर से ब्यवस्था करवाना पड़ा है, वहीं मरीज के सांथी महिला ने बताया कल रात एक कोई नर्ष नें एक बॉटल लगा कर बोली कि यह बॉटल खतम होजाने पर दूसरा वॉटल तुम लगा लेना कह कर यहां ले चली गई तब मैं उनके कहने पर नर्ष के अनुपस्थित में दूसरा हॉटल मैं स्वयं लगाई द्य बड़ा सोचनीय बात यह है कि वाहरे यहां की ब्यवस्था और जवाबदारी कि यहां इलाज करने के लिये कोई भी यथराइज और आदेशित हो शक्ता है, मरीज के सांथ कब क्या हो जाय स्वयं भागवान ही जानें।

वित्त बजट का अभाव - सूत्रों की माने तो उमरिया जिला के सभी शास्कीय स्वास्थ्य केन्द्रों का बजट प्रभार खींच कर जिला मुख्यालय उमरिया में ले जाया गया है, जिस बजट के अभाव में स्लास्थ्य सुविधा की ब्यवस्था डगमगाने का कारण हो सकता है। भारी अनियमितता और अब्यवस्थाओं को दूर करने के लिये क्षेत्रीय लोगों ने मानपुर में सिविल हॉस्पिटल संचालित करवाने के लिये मांग पर मांग करते आ रहेहैं, वैसे भी मानपुर ब्लॉक के अमरपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हो जाने की चरचा है, जहां लोगों का कहना है हमारे पूर्व सम्भाग रीवा के राजेन्द्र शुक्ला जी उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग के कैबिनेट मंत्री हैं जिन से समाचार के माध्यम से हम मानपुर में सिविल हॉस्पिटल की मांग कर रहे हैं।

केन्द्रीय विद्यालय में विद्यालय प्रवेश उत्सव का आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

केन्द्रीय विद्यालय में कक्षा प्रथम के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु 'विद्यालय प्रवेश उत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों का तिलक, पुष्प के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य संजय कुमार ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों की शिक्षा का प्रारंभ सुखद, सुरक्षित एवं प्रेमपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप खेल–आधारित पद्धति के माध्यम से बच्चों को धीरे–धीरे औपचारिक शिक्षा की ओर अग्रसर किया जाएगा। जिसमें बुनियादी साक्षरता एवं गणनात्मक कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्राचार्य ने अभिभावकों से निरंतर सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि विद्यालय एवं अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का आत्मविश्वास एवं सर्वांगीण विकास संभव है। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए जिससे बच्चों में उत्साह और विद्यालय के प्रति अपनापन बढ़ा। शिक्षको ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशी बच्चों को विद्यालय के वातावरण से परिचित कराना एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना रहा। अंत में सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आयोजित विशेष शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ 23 से 25 अप्रैल तक आयोजित इस भ्रमण में उमावि विद्यालयों के लगभग 70 दिव्यांग विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन समग्र शिक्षा अभियान द्वारा किया गया जिसमें विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने पर विशेष जोर दिया गया जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में एपीसी मुकेश पांडे, पर्यावरण शिक्षा प्रभारी अखिलेश उपाध्याय तथा पर्यावरणविद् राजेश ठाकुर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

बोर्ड परीक्षाएं 7 मई से प्रारम्भ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा 7 मई से द्वितीय बोर्ड की परीक्षाओं का आयोजन प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक किया जा रहा है। हाईस्कूल एवं हायर सैकेण्डरी की बोर्ड परीक्षाओं को सम्पन्न कराने के लिये जिले में मण्डल द्वारा 8 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। बोर्ड परीक्षाओं को सम्पन्न कराने के लिए मण्डल की गाईडलाईन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग द्वारा समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। हाईस्कूल कक्षा दसवी में 1073 तथा हायर सैकेण्डरी कक्षा बारहवी में 1253 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रत्येक पुलिस थानों में गोपनीय सामग्री निकालने के लिये कलेक्टर प्रतिनिधि की नियुक्ति की जाकर आदेश जारी किये जा चुके हैं। कन्ट्रोल रूम प्रभारियों के मोबाइल नम्बर 9300192323, 7770924563, 9425163981, 9770250730, 7552409363 से आपातकाल में सम्पर्क किया जा सकेगा।

लोक अदालत 9 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला न्यायालय परिसर में 9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में कार्यवाही संपन्न होगी। लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे से किया जाएगा।

मॉनिटरिंग बैठक 8 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की प्रस्तावित बैठक की तिथि में परिवर्तन किया गया है पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह बैठक 7 मई को आयोजित होना थी किन्तु अपरिहार्य कारणों से इसे निरस्त कर दिया गया है अब यह बैठक 8 मई को प्रातः 11:30 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की जाएगी।

मंत्री राकेश सिंह का प्रवास

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह 7 मई को दोपहर 1:30 बजे जिला छिंदवाड़ा से जेवरा रिपटा के लिए रवाना होंगे तथा सायं 6:30 बजे जेवरा रिपटा विकासखंड निवास पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मंत्री जुएल ओराम का दौरा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम 7 मई को प्रातः 11 बजे जबलपुर से मंडला के लिए रवाना होंगे तथा दोपहर 1 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। वे शाम 6 बजे मंडला से रवाना होकर ग्राम जेवरा रिपटा में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होंगे कार्यक्रम के बाद वे शाम 7:30 बजे जबलपुर लौटेंगे और रात्रि विश्राम सर्किट हाउस जबलपुर में करेंगे।

राष्ट्रीय उद्यान कान्हा नेशनल पार्क में लगातार बाघों की मौंत से फैला आक्रोश, प्रबंधन पर आरोप के बीच विरोध प्रदर्शन जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट मार्ग में दो दिन से लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। यह धरना प्रदर्शन कान्हा प्रबंधन की लापरवाही और बाघों की मौतो को लेकर जारी है। इस धरना प्रदर्शन को अनेक सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले, नगर अध्यक्ष रजनीश रज्जन उसराठे, आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, वरिष्ठ समाजसेवी पीडी खैरवार, मंडला जनपद अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, बहुजन समाजपार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र चौधरी, पशु प्रेमी निशा ठाकुर ने अपना समर्थन देते हुए धरना प्रदर्शन में बैठे पत्रकारों से चर्चा की है। बता दें कि जिले स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। देश-दुनिया में अपनी जैव विविधता और विशेष रूप से बाघों की शानदार मौजूदगी के लिए पहचान रखने वाला यह राष्ट्रीय उद्यान इन दिनों लगातार हो रही बाघों की मौतों को लेकर सुर्खियों में है। हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि न सिर्फ वन्यजीव प्रेमी बल्कि स्थानीय लोग पत्रकार और सामाजिक संगठन भी अब खुलकर प्रबंधन के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं जनवरी 2026 से लेकर अब तक कान्हा में 7 बाघों की मौत हो चुकी है जबकि पिछले एक वर्ष में यह आंकड़ा 12 तक पहुंच चुका है। यह संख्या किसी भी संरक्षित क्षेत्र के लिए बेहद चिंताजनक मानी जाती है खासकर तब जब यह क्षेत्र प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत आता हो और यहां सुरक्षा के लिए विशेष संसाधन उपलब्ध कराए जाते हों घटनाओं का क्रम भी कम चौंकाने वाला नहीं है 3 अप्रैल को एक बाघ मृत पाया गया 5 अप्रैल को किसली रेंज के करई घाट में एक और बाघ की लाश मिली 25 से 29 अप्रैल के बीच 4 शावकों और 1 बाघिन की मौत लगातार इतनी कम अवधि में हुई मौतों ने यह संकेत साफ कर दिया है कि मामला सामान्य नहीं है और कहीं न कहीं प्रबंधन स्तर पर गंभीर चूक हो रही है। कान्हा की पहचान सिर्फ जंगल या हरियाली नहीं बल्कि उसके चर्चित बाघ भी हैं पर्यटक यहां खासतौर पर बाघों के दीदार के लिए ही आते हैं। लेकिन हाल के महीनों में जिन बाघों की मौत हुई है वे सभी किसी न किसी रूप में पर्यटन का चेहरा थे बाघिन नीलम जो रोड नंबर-7 पर अक्सर नजर आती थी पर्यटकों की पहली पसंद हुआ करती थी। उसके कोर एरिया छोड़ने के बाद से ही पर्यटन में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके अलावा मोहिनी सुनैना बालाघाट मेल और अमाही फीमेल जैसे बाघों की मौत ने न सिर्फ जंगल की पारिस्थितिकी को प्रभावित किया है बल्कि कान्हा की ब्रांड वैल्यू पर भी असर डाला है। लगातार हो रही मौतों ने इनके भविष्य को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ा सवाल इन मौतों के कारणों को लेकर है। हर बार प्रबंधन अलग-अलग वजहें सामने रखता है कहीं आपसी संघर्ष कहीं करंट के तार में फंसना कहीं फेफड़ों में संक्रमण और अब श्वानों कुत्तों से फैलने वाले संक्रमण का दावा इस तरह के विरोधाभासी बयान न सिर्फ संदेह पैदा करते हैं बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि सच्चाई कहीं न कहीं छिपाई जा रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि कोर एरिया में इस तरह की घटनाएं बार बार होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। स्थानीय पत्रकारों का आरोप है कि कान्हा प्रबंधन पारदर्शिता बरतने में पूरी तरह विफल रहा है। घटनाओं की सही जानकारी मीडिया को नहीं दी जाती बल्कि सिर्फ प्रेस नोट या व्हाट्सएप संदेशों के जरिए औपचारिक जानकारी देकर मामले को दबाने की कोशिश की जाती है इसी के विरोध में अब पत्रकार एकजुट हो गए हैं। कान्हा हर साल पर्यटन से करोड़ों रुपये का राजस्व कमाता है। इसके बावजूद बाघों की सुरक्षा, चिकित्सा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा।उनका आरोप है कि जंगल के अंदर निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार हुआ है बजट का सही उपयोग नहीं किया गया निगरानी तंत्र कमजोर है और वन्यजीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जा रही पत्रकारों ने 14 सूत्रीय मांगों का एक विस्तृत ज्ञापन तैयार किया है जिसमें कई सख्त और महत्वपूर्ण मांगें शामिल हैं हर माह पत्रकारों की 5 सदस्यीय टीम द्वारा मॉनिटरिंग, गलत जानकारी देने पर प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर, पार्क के अंदर किए गए पक्के निर्माण होटल, रेस्टहाउस हटाए जाएं,तीनों गेटों के आसपास अतिक्रमण हटाया जाए रिसॉर्ट और होटलों को मांसाहार मुक्त किया जाए डीजे, आतिशबाजी और शादी-पार्टी पर प्रतिबंध, पूरे स्टाफ का स्थानांतरण, पिछले 5 वर्षों का पूरा बजट सार्वजनिक किया जाए वन्यजीव सुरक्षा, चिकित्सा और आहार पर खर्च का खुलासा प्रचार-प्रसार में खर्च की जानकारी पत्रकारों और अधिकारियों का संयुक्त व्हाट्सएप ग्रुप निर्माण कार्यों और जल व्यवस्था की जानकारी संक्रमण के खतरे को देखते हुए एनजीओ पर प्रतिबंध सफारी वाहनों की संख्या और जानकारी सार्वजनिक करना प्लास्टिक डिस्पोजल पर पूर्ण प्रतिबंध हालांकि मांगें 14 बताई गई हैं लेकिन सूची में कई अतिरिक्त बिंदु भी शामिल हैं जो आंदोलन की गंभीरता को दर्शाते हैं। अब तक इस पूरे मामले में प्रशासन की ओर से कोई ठोस और विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यही चुप्पी लोगों के गुस्से को और बढ़ा रही है।

ई-टोकन विधायक ने सीएम को भेजा पत्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के बिछिया विधानसभा क्षेत्र में खाद वितरण के लिए लागू की गई ई-टोकन प्रणाली अब किसानों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। क्षेत्र के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रणाली में सुधार और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है विधायक ने अपने पत्र में बताया कि बिछिया एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जहां डिजिटल साक्षरता का स्तर काफी कम है ऐसे में ऑनलाइन आधारित ई-टोकन प्रणाली किसानों के लिए जटिल साबित हो रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि क्षेत्र के लगभग 30 से 40 प्रतिशत किसानों की भूमि अभी तक आधार से लिंक नहीं हो पाई है जिसके कारण वे खाद प्राप्त करने की प्रक्रिया से बाहर हो रहे हैं पत्र में कछार नर्मदा तटीय क्षेत्र के किसानों की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया गया है। विधायक के अनुसार नर्मदा किनारे स्थित हजारों एकड़ भूमि पर किसान सब्जियां और अन्य फसलें उगाते हैं लेकिन यह भूमि शासकीय श्रेणी में आने के कारण ई-टोकन प्रणाली में उनका डेटा दर्ज नहीं है। इससे उन्हें खाद लेने में कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है विधायक ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही खाद वितरण प्रक्रिया को सरल नहीं बनाया गया तो फसलों की पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और किसानों की आजीविका संकट में आ सकती है। साथ ही किसानों में इस व्यवस्था को लेकर असंतोष और आक्रोश लगातार बढ़ रहा है उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि क्षेत्र की सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ई-टोकन प्रणाली में शिथिलता प्रदान की जाए। साथ ही आधार लिंक से वंचित और कछार क्षेत्र में खेती करने वाले किसानों के लिए ऑफलाइन खाद वितरण की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कृषकों को मिले सभी सुविधाएं : कलेक्टर

मण्डला(स्वतंत्रमत)

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने महाकौशल विपणन सहकारी समिति लालीपुर का औचक निरीक्षण किया। केंद्र में छाया की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने केंद्र पर फसल विक्रय के लिए आये कृषकों से चर्चा कर केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया किसानों ने केन्द्र सुबह के समय पर जल्दी खोलने और दोपहर में तुलाई नहीं होने की बात बताई कलेक्टर ने मौके पर ही समिति प्रबंधक और जेएसओ को निर्देशित किया कि केन्द्र सुबह 8 बजे प्रतिदिन खोलना सुनिश्चित करें, रात्रि 8 बजे तक फसल की तुलाई करवाएं। यदि आवश्यक हो तो केन्द्र को रात्रि में 8 के बाद भी खुला रखकर किसानों की फसल का तौल करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि किसानों को कोई भी दिक्कत नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने जेएसओ को निर्देश दिये कि केन्द्र में पर्याप्त छाया के साथ शीतल जल और छाछ की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। इस दौरान सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, तहसीलदार नारायणगंज हरिसिंह धुर्वे जेएसओ नारायणगंज, समिति प्रबंधक सहित गोदाम स्टॉफ के साथ फसल विक्रय के लिए आये किसान मौजूद रहे।

मधुमक्खी संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट संस्था मंडला के द्वारा विगत पंद्रह वर्षों से मधुमक्खी संरक्षण के प्रयास किये जा रहे है। संस्था के द्वारा स्थानीय संसाधन हेतु तकनीकि प्रशिक्षण एवं उन उत्पादों के लिए बाज़ार व्यवस्था में सहयोग प्रदान करते आ रही है। वर्तमान समय में मधुमक्खियों के ऊपर खतरा मंडरा रहा है जिसके बारे में लोगों के बीच जन जागरूकता के लिए एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित कर रही है सीडीवीडी संस्था के डायरेक्टर एवं मधुमक्खी एक्सपर्ट निशार कुरैशी ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि मधुमक्खी हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसके संरक्षण की नितांत आवश्यकता है इसलिए अगर मधुमक्खी विलुप्त हो जाये तो विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

समनापुर स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन हेतु नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य

नैनपुर-जबलपुर गोंदिया रेल मार्ग पर कुछ गाड़िया प्रभावित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

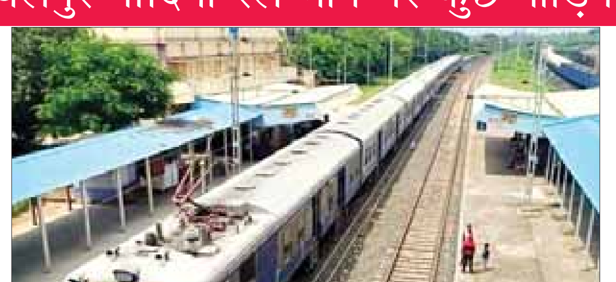

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत समनापुर स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के निर्माण कार्य के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य की अनुमति प्रदान की गई है। यह कार्य सुरक्षित एवं सुचारु रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु किया जा रहा है। जिसके कारण नैनपुर जबलपुर गोंदिया रेल मार्ग पर कुछ गाड़िया प्रभावित रहेंगी। इस कार्य के अंतर्गत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य दिनांक 06 मई तक विभिन्न चरणों में 12:00 घंटे के ओएचई ब्लॉक के साथ पूर्ण की गई है। जबकि आज 07 मई को इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा विद्युत विभाग द्वारा 04:30 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान ज्ञ-28 मशीन की सहायता से नैनपुर एंड पर पॉइंट नंबर 42क्क एवं बालाघाट एंड पर पॉइंट नंबर 32 का समावेशन किया जाएगा। यह ब्लॉक 07 मई की रात्रि 22:00 बजे से 08 मई की प्रातः 02:30 बजे तक रहेगा।इसके पश्चात कल 08 मई को मुख्य नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा । जिसकी कुल अवधि 15 घंटे निर्धारित रखी गई है। इसमें 12 घंटे का सिग्नल एवं दूरसंचार डिसकनेक्शन तथा 3 घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक शामिल रहेगा। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य प्रातः 08:00 बजे से रात्रि 23:00 बजे तक चलेगा, जबकि ट्रैफिक ब्लॉक रात्रि 20:00 बजे से 23:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस कार्य के कारण कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। गाड़ी संख्या 68817 गोंदिया-नैनपुर-गढ़ा मेमो पैसेंजर दिनांक 08 मई को अपने प्रारंभिक गोंदिया स्टेशन से रद्द रहेगी। जबकि गाड़ी संख्या 68818 गढ़ा-नैनपुर-गोंदिया मेमो पैसेंजर दिनांक 08 मई को अपने प्रारंभिक गढ़ा स्टेशन से रद्द रहेगी। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें तथा असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाओं का उपयोग करें।

वाहन की टक्कर से विधुत पोल हुआ क्षतिग्रस्त

विधुत उपभोक्ता परेशान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। वार्ड क्रमांक 10 में गत रात्रि एक वाहन के अनियंत्रित होने से सड़क किनारे गड़ा विधुत पोल क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण वार्ड की विधुत आपूर्ति बाधित हो गई । जानकारी अनुसार घटना दो दिन पूर्व की रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। दो दिन बीत जाने के बाद लोगों को बिजली सप्लाई चालु न होने से भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि संबंधित वाहन चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर क्षतिपूर्ति राशि वसूली जाएगी। प्रभावित क्षेत्र में बिजली बहाल करने की मांग वार्ड वासी कर रहे हैं।

एसडीएम सीएमएचओ ने किया भ्रमण

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती ने मवई विकासखंड का संयुक्त भ्रमण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीनाला का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं दवाओं के स्टॉक और विभिन्न प्रकार की जांच सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया इस दौरान टीम हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, चांदगांव और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खिलौड़ी पहुंची यहां आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई एसडीएम सुश्री देव एवं सीएमएचओ डॉ. मोहंती ने आंगनवाड़ी के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया ताकि उसकी गुणवत्ता का प्रत्यक्ष परीक्षण किया जा सके।

शैक्षणिक संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। बिछिया स्थित नर्मदा कंप्यूटर सेंटर में एनसीसी एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें व्यवहार न्यायालय सिविल कोर्ट बिछिया की न्यायाधीश मीनल गजबीर ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून न्याय व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश मीनल गजबीर ने छात्र-छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता की मूलभूत जानकारी सरल और सहज भाषा में प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और न्याय प्रणाली अधिकारों तथा कानून से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे जिनका न्यायाधीश द्वारा विस्तार से उत्तर दिया गया इससे छात्रों में कानून के प्रति रुचि और समझ दोनों बढ़ी इस अवसर पर नर्मदा कंप्यूटर सेंटर के संचालक अनिल राजपूत सहित सभी छात्र-छात्राएं और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मौसम ने ली करवट, जनजीवन अस्त-व्यस्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

गत एक हफ्ते से क्षेत्र में आंधी तूफान ने तांडव मचा रखा है हबा तूफान के साथ वारिस और चमकती बिजली से हर एक व्यक्ति परेशान हलाकान है। नगर का हृदय स्थल बुधवारी बाजार में स्थित हर एक दुकान के सामने के पालपरदे अस्त-व्यस्त होते आ रहे है । वहीं दूसरी ओर रेल्वे स्टेशन पर नव निर्माण मोटरसाइकिल स्टेंड पर लगी फाईवर सीट हवा तूफान से क्षतिग्रस्त हो गया।

क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित

अनेक स्थानों में पेड़ों के गिरने से बिजली के पोल और तार भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके कारण पूरे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। अचानक आई इस आपदा से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर अंधेरे और उमस भरी गर्मी में स्थिति और भी कठिन हो गई है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई ने बताया कि जहां-जहां पेड़ गिरने और बिजली पोल-तार क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है, वहां जनसहयोग व विभागीय टीमों को भेजा गया है. उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द बिजली सेवा बहाल करने का प्रयास किया जावेगा ।

खरीदी केंद्रों में रखा गेहूं हुआ गीला

किसानों की परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है। एक तरफ समर्थन मूल्य पर गेहूं की तुलाई और स्लॉट बुकिंग को लेकर किसान पहले से ही परेशान हैं, तो वहीं दूसरी ओर अब बेमौसम बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। खरीदी केंद्रों पर केंद्र प्रभारियों की लापरवाही के चलते बड़ी मात्रा में गेहूं खुले में पड़ा हुआ है। बिना स्लॉट बुकिंग के ही कुछ किसानों का गेहूं पहले ही मैदान में रखा होना भी दुविधा उत्पादन कर रहा है। वहीं कुछ किसानों की समय पर तुलाई नहीं हुई और न ही व्यवस्थाएं बनाई गईं। कल हुई झमाझम बेमौसम बारिश ने खुले में पड़े गेहूं के ढेरों व तुले हुए गेहूं को पूरी तरह भिगो दिया जिससे किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

संपादकीय

महंगाई मार डालेगी

पांच राज्यों के चुनाव हो चुके हैं, अब एक आम समोसा 30 रुपए में मिलेगा। आम बाजार में, रेहड़ी-पटरी पर बिकने वाली चाय का एक कप 20-25 रुपए में मिलेगा। छोले-भटूरे की एक प्लेट के दाम 250 रुपए तक होंगे। मसाला-डोसा 210 रुपए में मिलेगा। एक औसत रेस्तरां और ढाबे पर पीली दाल की आधी प्लेट 110-120 रुपए में मिलेगी। यदि किसी बेहतर रेस्तरां, होटल में गए, तो भोजन की एक थाली 400 रुपए में मिलेगी। यह कोई नई बात नहीं है। चुनाव सम्पन्न होने के बाद सरकार और तेल कंपनियां गैस, पेट्रोल, डीजल आदि के दाम बढ़ाती ही हैं। उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि भारत तेल-गैस के सबसे बड़े आयातक देशों में एक है। देश के पांच राज्यों में चुनाव अभी सम्पन्न ही हुए हैं, तो व्यावसायिक गैस, 5 किलो के गैस सिलेंडर, सीएनजी, पीएनजी आदि के दाम इतने बढ़ा दिए गए हैं कि कारोबारी और आम आदमी की अर्थव्यवस्था ही बिखर जाएगी। हमने कुछ उत्पाद गिनाए हैं, अलबत्ता महंगाई तो चौतरफा होगी। बहुत जल्दी पेट्रोल, डीजल और रसोई की एलपीजी गैस के दाम भी बढ़ा दिए जाएंगे।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने खुलासा किया है कि तेल कंपनियों को 20 रुपए पेट्रोल प्रति लीटर और 100 रुपए डीजल प्रति लीटर के घाटे झेलने पड़ रहे हैं। यह दाम बढ़ाने का एक तार्किक संकेत है। जब ईरान युद्ध के हालात नहीं थे और कच्चे तेल की कीमत भी 71-72 डॉलर प्रति बैरल थी, उस दौर में तेल कंपनियों ने जो मुनाफे कूटे थे, उन्हें न तो साझा किया गया और न ही देश को खुलासा किया गया। जब आपात-स्थितियां आती हैं और कच्चा तेल महंगा होने लगता है, तो केंद्र सरकार भी तेल कंपनियों की प्रवक्ता बन जाती है। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। अब देश भर में 19 किलो का व्यावसायिक गैस का सिलेंडर 3000 रुपए से अधिक का हो गया है। प्रवासी मजदूरों, किराएदार छात्रों, दिहाड़ीदार और गरीबों की रसोई का आधार 5 किलो गैस का सिलेंडर भी 879 रुपए का कर दिया गया है। शायद सरकार नहीं जानती अथवा जानबूझ कर अनजान बन रही है, क्योंकि 5 किलो वाले सिलेंडर पर जमकर कालाबाजारी चल रही है और यह सिलेंडर 1000 रुपए से अधिक के दाम पर बेचा जा रहा है। आम आदमी बेचारा क्या करे? गरीब-गुरबों की सरकार है, यह तो महज एक नारा है। इसी साल व्यावसायिक गैस सिलेंडर तीन बार महंगा किया जा चुका है, लिहाजा फैमिली डाइनिंग का खर्च 30 फीसदी सीधा बढ़ गया है।

यही नहीं, ईरान-अफगानिस्तान से आने वाला पिस्ता 32 फीसदी और केसर 37 फीसदी महंगे हो चुके हैं। युद्ध और अन्य कारणों से इनकी उपलब्धता भी बहुत कम है, लिहाजा मिठाइयों के दाम भी 20-100 रुपए तक बढ़ गए हैं। ईरान और अमरीका ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर नाकेबंदी कर रखी है, नतीजतन तेल-गैस-खाद की आपूर्ति नगण्य है। भारत में खाद की कीमतें भी आसमान छूने को हैं, लिहाजा इस वित्त वर्ष में सरकार पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सबसिडी का बोझ पड़ेगा। खाद पर सरकार के सामने दो विकल्प हैं। वह या तो खाद के दाम बढ़ाए अथवा 1.5-2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ झेले। किसान एक ताकतवर वोट बैंक है, लिहाजा सरकार को सबसिडी का रास्ता ही चुनना पड़ेगा। बजट में ऐसी सबसिडी का कोई प्रावधान नहीं है। बहरहाल अब हर कोई मानने लगा है कि ईरान युद्ध ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और अन्य संकट पैदा कर दिए हैं।

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का

परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

भारत-नेपाल लिपुलेख विवाद

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पड़ोसी देश नेपाल की घरेलू राजनीति भारत के साथ उसके संबंधों में कई बार आड़े आती रही है। भारत और नेपाल में भी सीमा विवाद का अपना इतिहास जटिलताओं से मुक्त नहीं है। नेपाल के राजनीतिक दलों ने सीमा बिन्दुओं का राजनीतिक समाधान करने की बजाय अपने घरेलू राजनीतिक उद्देश्य पूरे करने के लिए इनका इस्तेमाल किया। सीमाओं के ऐतिहासिक महत्व को जानना भी जरूरी है। नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो उससे उम्मीद की जा रही थी कि वह भारत के साथ मधुर संबंध स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी लेकिन बालेन शाह ने लिपुलेख विवाद को हवा देकर राष्ट्रवादी कार्ड खेल दिया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कैलाशमानसरोवर की यात्रा के लिए लिपुलेख दर्रे के रास्ते के इस्तेमाल करने को लेकर आपत्ति जताई है। काठमांडौ ने इस संबंध में भारत और चीन दोनों के सामने विरोध दर्ज कराया है। नेपाल ने भारतीय राजदूत को इस मामले में तलब भी किया है। नेपाल के दावों को लेकर भारत ने भी सख्त रुख अपनाया है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर का पुराना रास्ता रहा है और इस रास्ते से यात्रा दशकों से होती रही है। जहां तक इलाके के दावों की बात है भारत ने हमेशा कहा है कि ऐसे दावे न तो सही हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित हैं। लिपुलेख दर्रे के दावों को इस तरह एकतरफा बनावटी तरीके से बढ़ाया नहीं जाना चाहिए। यद्यपि नेपाल और भारत ने बातचीत जारी रखने का फैसला किया है। नेपाल की सख्त प्रतिक्रिया के पीछे 1816 में की गई सुगौली की संधि है। 1816 की सुगौली संधि के साथ एंग्लो-नेपाल युद्ध खत्म हुआ था और इस क्षेत्र का नक्शा फिर से बनाया गया था। इस संधि के तहत काली नदी जिसे महाकाली भी कहा जाता है उसे नेपाल की पश्चिमी सीमा के रूप में स्थापित किया गया। 1990 के दशक से नेपाल का लगातार यही रुख रहा है कि इस नदी का उद्गम स्थल लिम्पियाधुरा है और इसलिए उस उद्गम स्थल के पूर्व में स्थित सारी जमीन, जिसमें कालापानी और लिपुलेख भी शामिल हैं नेपाल की है। ये तीनों क्षेत्र मिलकर पश्चिमी हिमालय के एक ऐसे हिस्से को कवर करते हैं जो रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और नेपाल, भारत और तिब्बत के मिलन बिंदु पर स्थित है। नई दिल्ली का तर्क है कि इस नदी का असली उद्गम स्थल और भी पूर्व में लिपुखोला सहायक नदी के पास स्थित है। ऐसा होने पर कालापानी और लिपुलेख नेपाली क्षेत्र से बाहर हो जाएंगे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारतीय सैनिकों ने चीनी सीमा पर नजर रखने के लिए कालापानी घाटी में चौकियां स्थापित कीं और वे वहां से कभी नहीं हटे। दशकों बीतने के साथ-साथ यह क्षेत्र 'विवादित' से बदलकर केवल 'प्रशासित' क्षेत्र बन गया। भारत इसे अपना क्षेत्र मानता रहा जबकि नेपाल ने वर्षों तक इस मामले पर चुप्पी बनाए रखी।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्रियों पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भी भारत-नेपाल संबंधों में तनाव के बीच यह मुद्दा उठाया था। बाद में के.पी. शर्मा ओली ने भी इस मुददे को काफी हवा दी। उन्होंने तो लिपुलेख दर्रे, लिम्पिया धुरा दर्रे और काला पानी क्षेत्रों पर नेपाल का दावा जताते हुए देश का नया मानचित्र भी जारी कर दिया था। भारत ने तब भी नेपाल के नए नक्शे को खारिज करते हुए नेपाल के दावे को बेबुनियाद बताया था और कहा था कि उसकी गतिविधियां पूरी तरह से भारतीय क्षेत्र के भीतर हैं। सन् 2020 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा धारचूला-लिपुलेख सड़क का उद्घाटन करने के बाद विरोध तेज हो गया। यह 80 किलोमीटर लंबी सड़क धारचूला के घटियाबगढ़ से शुरू होकर लिपुलेख में समाप्त होती है। नेपाल का दावा है कि यह सड़क उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है। क्षेत्र को लेकर नेपाल में तनाव बढ़ गया। कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री के.पी. ओली का पुतला जलाकर उन पर भारतीय परियोजना का मुकाबला करने के लिए समय पर कदम न उठाने का आरोप लगाया। नेपाल में कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री ओली की इस बात के लिए आलोचना की कि वे शासन में अक्षमता या कोविड-19 से निपटने के अप्रभावी उपायों की आलोचनाओं को दबाने के लिए उग्र राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं। फिर भी, अधिकांश लोगों ने राष्ट्रवाद की आवाज का समर्थन किया और सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की सराहना की।

नेपाल में लिपुलेख दर्रे का मुद्दा वहां की जनता के लिए भावनात्मक मुद्दा बन चुका है और सरकारों का ऐसे मुद्दों पर जनभावनाओं के विपरीत जाना मुश्किल हो जाता है। दूसरी तरफ कैलाश मानसरोवर की यात्रा भारत की धर्म प्रेमी लोगों के लिए बहुत ही भावनात्मक और आस्थावान मुद्दा है। हर साल श्रद्धालुओं का जत्था कैलाश मानसरोवर की दुर्गम और कठिन यात्रा पर जाता है। इस बार बालेन शाह सरकार का अंदाज कुछ अलग है, क्योंकि उन्होंने भारत के साथ-साथ चीन को भी अपने लपेटे में ले लिया है। जबकि पहले के.पी. शर्मा ओली ने सिर्फ भारत से ही आपत्ति जताई थी और उन्होंने नेपाल को पूरी तरह से चीन की गोद में डाल दिया था। बालेन शाह ने इस संवेदनशील मुद्दे कोउठाकर अपनी छवि को चमकाने का ही प्रयास किया है, जो न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही न्याय संगत। कैलाश मानसरवर यात्रा में अड़ंगा लगाकर उन्होंने कोई राजनीतिक परिपक्वता का परिचय नहीं दिया है। भारत से संबंधों में कड़वाहट पैदा कर नेपाल को नुक्सान ही होगा। देखना होगा कि आने वाले दिनों में क्या कोई कूटनयिक समाधान निकलता है और यात्रा क्या मोड़ लेती है।

हर दिन एक नया अवसर होता है, आत्म-जागरूकता से करनी चाहिए शुरुआत

निर्मल कांत

जीवन में हमें रोज सुबह खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए कि आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा? यह सवाल हमारे पूरे जीवन-प्रबंधन, आत्म-सुधार और नैतिक अनुशासन का केंद्रीय सूत्र है। इसलिए, इसे हमें दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बना लेना चाहिए। मैं सुबह उठते ही खुद से सवाल करता था कि आज मुझे कौन-सा अच्छा और उपयोगी काम करना है। मेरे लिए यह सवाल सिर्फ सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि नैतिकता व आत्म-विकास का आधार था। साथ ही, समाज के लिए उपयोगी भी।

मेरा मानना है कि हर एक दिन हमें एक नए अवसर की तरह मिलता है। यदि वह दिन उद्देश्यपूर्ण ढंग से जिया जाए, तो हम अपने जीवन को उत्कृष्ट बना सकते हैं। यही उत्कृष्टता हमारे जीवन की सफलता की नींव तैयार करती है। अच्छा जीवन बड़े आदर्शों की घोषणाओं से नहीं, बल्कि रोजाना किए गए छोटे-छोटे सार्थक कार्यों से बनता है। इसलिए, हमें हर दिन की शुरुआत आत्म-जागरूकता से करनी चाहिए। 'आज मैं क्या अच्छा काम करूंगा' यह प्रश्न हमें निष्क्रियता से बाहर लाता है और अपने दिन को सार्थक दिशा देने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही, यह सवाल जीवन के प्रति सक्रिय और सकारात्मक दृष्टिकोण है, जिसमें व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार बहता नहीं, बल्कि अपने मूल्यों व लक्ष्यों के अनुसार दिन का निर्माण करता है। याद रखें, सारे दिन की कामयाबी इस बात से मापी जानी चाहिए कि आज मैंने खुद अपने लिए और समाज के लिए कितना सकारात्मक काम किया। हमारे जीवन का हर दिन संयम, व्यवस्था, मेहनत, सत्यनिष्ठा और विनम्रता के अभ्यास का अवसर होना चाहिए। ज्यादातर लोग जीवन में असफल इसलिए नहीं होते कि उनमें क्षमता नहीं होती, बल्कि इसलिए होते हैं कि वे अपने दिन को बिना स्पष्ट उद्देश्य के व्यतीत करते हैं। यदि व्यक्ति हर दिन खुद से पूछे कि 'मैं आज क्या अच्छा कर सकता हूं', तो वह अधिक रचनात्मक व अनुशासित बन सकता है। यह आदत धीरे-धीरे चरित्र का निर्माण करती है।

दरअसल, चरित्र कोई अचानक हासिल होने वाली चीज नहीं होती, बल्कि यह रोजाना किए गए सही फैसलों का ही समुच्चय होती है। इसी तरह रात को सोने से पहले भी हमें खुद से पूछना चाहिए कि आज मैंने क्या अच्छा किया? बस फर्क यही है कि सुबह का प्रश्न संकल्प था और रात का प्रश्न आत्म-मूल्यांकन। इन दोनों के बीच पूरा दिन उद्देश्यपूर्ण जीवन का अभ्यास बन जाता है। यही आत्मनिरीक्षण सफलता का वास्तविक रहस्य है। ऐसा करते रहना हमें अपने आदर्शों के प्रति जवाबदेह बनाता है। जब मनुष्य दिन की शुरुआत इस विचार से करता है कि उसे कुछ अच्छा करना है, तो उसके निर्णय अधिक सजग और सकारात्मक होते हैं। खुद से पूछे जाने वाले ये दो सरल प्रश्न जीवन में स्पष्टता ला सकते हैं और दिन को केवल बिताने के बजाय उसे सार्थक बनाने की प्रेरणा देते हैं।

जब दिन की शुरुआत संकल्प से और अंत आत्म-मूल्यांकन से होती है, तब जीवन में निरंतर सुधार संभव होता है। सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि रोज किए गए सकारात्मक कर्मों में छिपी होती है। जो व्यक्ति हर दिन खुद को चुनौती देता है, वही अपने जीवन को उत्कृष्ट बना पाता है। इसलिए हर दिन को सार्थक बनाइए।

विकास में भेदभाव का शिकार हो रहे हैं प्रमुख तीर्थस्थल

योगेंद्र योगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमिट कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48,459 करोड़ रुपय की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरु हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है। जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सड़क और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सड़कों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है।

राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति को उजागर की है। जिले के 2,381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 2,28,018 बच्चों की जांच में 7,520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1,199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6,321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उड़ने वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से

परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहाँ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं।

कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30,000 करोड़ से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का विज़न है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुड़िया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है। भीड़ प्रबंधन अब भी पुलिस के भरोसे संचालित हो रहा है। कई बार मास्टर प्लान और विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए गए, लेकिन जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आए।

गुजरात सोमनाथ मंदिर (प्रथम ज्योतिर्लिंग) जिले में पर्यटन और आस्था के केंद्र होने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सामाजिक और नागरिक समस्याएं भी विद्यमान हैं। इस क्षेत्र में दलित समुदाय के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं (जैसे ऊना की घटना) और हाशिए पर स्थित समुदायों के उत्पीड़न की समस्या रही है। जमीन के अधिकारों को लेकर विवाद और अवैध संरचनाओं को हटाने के दौरान लोगों का विस्थापन और पुनर्वास न होना एक प्रमुख समस्या है। तमिलनाडु के रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) रामनाथपुरम जिला धार्मिक और तटीय पर्यटन के बढ़ते आकर्षण के बावजूद अपर्याप्त बुनियादी ढांचा (जैसे- बेहतर सड़कें, आवास और सार्वजनिक सुविधाएं) मांग के अनुरूप तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रहा है। रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक भारी आवागमन के कारण सड़कों पर दबाव, जिससे अक्सर यातायात जाम की स्थिति बनती है। पीक सीजन में आवास, पार्किंग और स्वच्छता सुविधाओं की कमी, जो पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करती है। आंध्र प्रदेश का चित्तूर जिला तिरुपति बालाजी (वेंकटेश्वर मंदिर) ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के बावजूद विकास के मोर्चे पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। चित्तूर का हाई रोड (ओल्ड मद्रास रोड) इतिहास के साथ विकसित हुआ है, लेकिन वर्तमान में यह यातायात जाम और बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से पिछड़ रहा है। शहर के मुख्य मार्गों पर भारी ट्रैफिक और संकरी सड़कें विकास में बड़ी बाधा हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां और सुगम आवागमन प्रभावित होता है। रोजगार के सीमित अवसरों के कारण, युवाओं को बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य स्थानों पर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। काशी के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व से इंकार नहीं है, किन्तु देश के अन्य समकक्ष धार्मिक स्थलों और मंदिरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव भेदभाव पर सवाल उठाता रहेगा।

धरती पर बरस सकता है अंतरिक्ष में जमा खतरनाक कचरा, सूरज बना सबसे बड़ा खलनायक

नई दिल्ली

अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे को लेकर जहाँ दुनिया भर की एजेंसियां चिंतित हैं, वहीं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिकों ने एक राहत भरी और चौंकाने वाली पुष्टि की है। इसरो की एक नई स्टडी के अनुसार, सूरज अपनी सक्रियता के जरिए पुराने और खराब हो चुके सैटेलाइट्स को धरती की ओर खींचकर अंतरिक्ष को साफ करने में मदद कर रहा है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र की स्पेस फ़िज़िक्स लैबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने पहली बार यह साबित किया है कि सूरज की 11 साल के सौर चक्र की सक्रियता सीधे तौर पर लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद कचरे की ऊंचाई को प्रभावित करती है।

उनके ये नतीजे, जो %फ्रंटियर्स इन एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस साइंसेज़% में छपे हैं, भविष्य के सैटेलाइट मिशनों की योजना बनाने के तरीके को बदल सकते हैं। यह रिसर्च बताती है कि जब सूरज की सक्रियता अपने 11 साल के सौर चक्र के दौरान अपने चरम के लगभग 67त्न तक पहुँच जाती है, तो ऑर्बिट में घूमता कचरा काफ़ी तेज़ी से नीचे आने लगता है। मुख्य लेखक आयशा एम. अशरफ़ ने कहा, यहाँ हम यह दिखाते हैं कि जब सूरज ज़्यादा सक्रिय होता है, तो धरती के आस-पास मौजूद अंतरिक्ष का कचरा अपनी ऊंचाई कहीं ज़्यादा तेज़ी से खोता है। पहली बार हमने पाया है कि जब सूरज की सक्रियता एक निश्चित स्तर से ऊपर चली जाती है, तो ऊंचाई में यह कमी साफ़ तौर पर ज़्यादा तेज़ी से होती है।

यह खोज एक बहुत ही अहम समय पर सामने आई है। लो अर्थ ऑर्बिट-जो धरती से लगभग 400 द्वद्व से 2,000 द्वद्व की ऊंचाई के बीच का क्षेत्र है-अब सैटेलाइट्स, रॉकेट के छोड़े हुए हिस्सों और पिछली टक्करों से बने टुकड़ों से काफ़ी भर गया है। इस क्षेत्र में धरती पर नज़र रखने वाले अंतरिक्ष यान और इंटरनेट के लिए बने बड़े सैटेलाइट नेटवर्क मौजूद हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ऑर्बिट में होने वाली एक भी टक्कर से टक्करों की एक पूरी

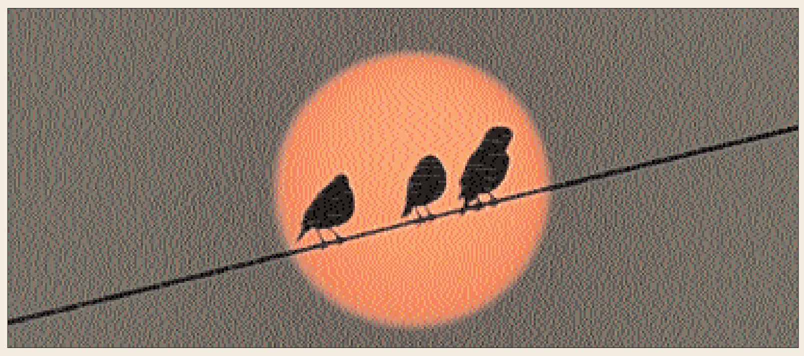

शृंखला शुरू हो सकती है, जिससे हज़ारों और टुकड़े बन सकते हैं। ये टुकड़े अभी काम कर रहे सैटेलाइट्स और भविष्य के मिशनों के लिए खतरा बन सकते हैं।

टीम ने 1960 के दशक में छोड़े गए अंतरिक्ष के कचरे के 17 टुकड़ों की गति पर नज़र रखी और 36 सालों तक (सौर चक्र 22 से 24 के दौरान) उनके ऑर्बिट में आने वाली गिरावट को मॉनिटर किया। ये चीज़ें धरती के चारों ओर हर 90 से 120 मिनट में 600 द्वद्व से 800 द्वद्व की ऊंचाई पर चक्कर लगाती हैं।

सक्रिय सैटेलाइट्स के उलट-जो अपने अंदर मौजूद ईंधन का इस्तेमाल करके अपने ऑर्बिट को ठीक करते रहते हैं-अंतरिक्ष का कचरा सिर्फ़ वायुमंडलीय स्थितियों के हिसाब से ही प्रतिक्रिया देता है। इसी वजह से यह कचरा इस बात का अध्ययन करने के लिए एकदम सही था कि सूरज की सक्रियता धरती के ऊपरी वायुमंडल पर किस तरह असर डालती है।

जब सूरज बहुत ज़्यादा सक्रिय होता है, तो वह ज़्यादा तेज़ अल्ट्रावॉयलेट किरणें और आवेशित कण छोड़ता है। इन उत्सर्जनों से पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परत, थर्मोस्फीयर, गर्म होकर फैलती है, जिससे कक्षीय ऊंचाइयों पर वायुमंडलीय घनत्व बढ़ जाता है। इससे उपग्रहों और मलबे पर खिंचाव बढ़ जाता है, जिससे उनकी गति धीमी हो जाती है और वे पृथ्वी के करीब आ जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने मलबे के प्रक्षेप पथों को पॉट्सडैम स्थित जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र से प्राप्त सूर्य धब्बों की संख्या और सौर रेडियो और चरम पराबैंगनी उत्सर्जन के मापों सहित दीर्घकालिक सौर आंकड़ों से जोड़ा। उनके विश्लेषण में सौर गतिविधि के अपने चरम स्तर के लगभग दो-तिहाई को पार करने के बाद एक स्पष्ट संक्रमण सीमा पाई गई।

अशरूफ ने कहा, हमारे परिणाम बताते हैं कि जब सौर गतिविधि कुछ निश्चित स्तरों को पार कर जाती है, तो उपग्रह, अंतरिक्ष मलबे की तरह, तेजी से ऊंचाई खो देते हैं, जिससे अधिक कक्षा सुधारों की आवश्यकता होती है इन निष्कर्षों का उपग्रह संचालकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, विशेष रूप से तब जब सरकारें और निजी कंपनियां पहले से ही भीड़भाड़ वाली कक्षाओं में हजारों नए अंतरिक्ष यान लॉन्च कर रही हैं। सौर अधिकतम की अवधि के आसपास लॉन्च किए गए मिशनों को स्थिर रहने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता हो सकती है और मलबे के पथों में बदलाव से टकराव का खतरा बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन दशकों पुराने अंतरिक्ष मलबे के अप्रत्याशित वैज्ञानिक महत्व को भी उजागर करता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह सारी जानकारी 1960 के दशक में लॉन्च किए गए पिंडों से प्राप्त हुई है, अशरूफ ने कहा। वे आज भी विज्ञान में योगदान दे रहे हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर यूएस विदेश मंत्री का एलान

नई दिल्ली

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के बड़े सैन्य अभियान अब खत्म हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा चलाया गया ऑपरेशन एपिक फ्यूरी अपने सभी लक्ष्य पूरे करने के बाद समाप्त कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह टकराव पूरी तरह खत्म हो गया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका किसी नए संघर्ष की स्थिति नहीं चाहता और शांति का रास्ता बेहतर मानता है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि शांति के लिए ईरान को राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगें माननी होंगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना होगा। रुबियो ने हाल के टकरावों को %रक्षात्मक% बताया और कहा कि अमेरिका की कार्रवाई केवल अपने हितों की सुरक्षा के लिए है, हमला करने के लिए नहीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया में तेल और गैस सप्लाई के लिए बेहद अहम रास्ता है, इस समय तनाव का बड़ा कारण बना हुआ है। अमेरिका इस रास्ते को दोबारा खोलने की कोशिश कर रहा है ताकि फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकाला जा सके।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका शांतिपूर्ण तरीके से जहाजों को बाहर निकालना चाहता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कार्रवाई के लिए तैयार है। अब तक केवल दो जहाज ही इस रास्ते से गुजर पाए हैं, जबकि कई जहाज अब भी खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं।

रुबियो ने बताया कि करीब 23 हजार नाविक इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं और उनकी स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते को रोककर दुनिया को नुकसान पहुंचा रहा है। रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन, ईरान पर दबाव डालेगा ताकि वह जलडमरूमध्य को खोले। उनका कहना है कि इस स्थिति से चीन को भी नुकसान हो रहा है क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था इस रास्ते से होने वाले व्यापार पर निर्भर है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई देश इस संकट को हल करने में मदद करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास जरूरी सैन्य क्षमता नहीं है। इसलिए इस जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा अमेरिका पर ही है। इस बीच, संघर्षविराम अभी भी जारी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह साफ नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान पर हमलों का आरोप लगाया है, जबकि ईरान ने इन आरोपों से इनकार किया है। कुल मिलाकर, युद्ध भले ही धीमा पड़ा हो, लेकिन तनाव अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार चरम पर, चुनाव प्रक्रिया पर भी उठे सवाल: सैलजा

रेवाड़ी, (वार्ता)। हरियाणा में सिरसा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने स्थानीय निकायों में बढ़ते भ्रष्टाचार और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में शहरों की सफाई व्यवस्था चरमरा गयी है और लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। कुमारी सैलजा ने धारूहेड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां के लोग लंबे समय से परेशान हैं और आसपास के क्षेत्रों की गंदगी यहां डाली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य, केंद्र और स्थानीय स्तर पर एक ही सरकार होने के बावजूद जनता के साथ अन्याय हो रहा है।स्थानीय निकायों में प्रॉपर्टी आईडी, टेंडर और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। बड़े आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हो रही, जबकि छोटे कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है। निकाय चुनाव को लेकर कुमारी सैलजा ने विश्वास जताया कि कांग्रेस को जनता का समर्थन मिलेगा।

अमेरिकी में चीन के साइलेंट किलर की एंट्री, एशियन नीडल एंट ने मचाया आतंक, 20 राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली

अमेरिका में चीन से आई एक खतरनाक चींटी तेजी से फैल रही है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एशियन नीडल एंट नाम की यह छोटी, गहरे भूरे से काले रंग की चींटी अब अमेरिका के कम से कम 20 राज्यों में पाई जा चुकी है।

इन राज्यों में फ्लोरिडा, जॉर्जिया, टेक्सास, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया के अलावा मैसाचुसेट्स और विस्कॉन्सिन जैसे उत्तरी इलाके भी शामिल हैं। हालांकि यह चींटी अमेरिका में 90 साल पहले भी पाई गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी संख्या तेजी से बढ़ी है। यह चींटी आम चींटियों की तरह दिखाई देने वाले टीले (एंथिल) नहीं बनाती, बल्कि पत्तों के ढेर, सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों और जंगलों में छिपकर रहती है, जिससे लोगों का इसके संपर्क में आना आसान हो जाता है।

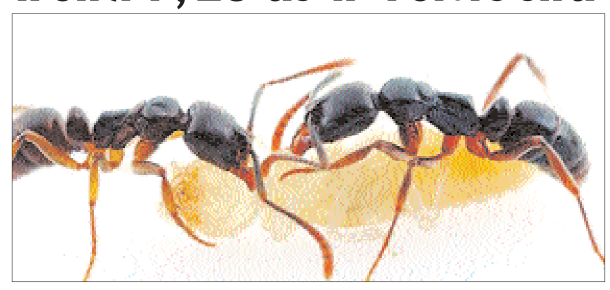

इस चींटी का डंक काफी दर्दनाक होता है, जो कई घंटों तक आता-जाता रह सकता है। कुछ मामलों में दर्द डंक वाली जगह से आगे भी फैल जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों को एलर्जी होती है, उनमें इसका डंक एनाफिलेक्सिस जैसी गंभीर और जानलेवा प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है। इसकी सूई जैसी डंक कपड़ों को भी भेद सकती है। हांगकांग विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक बेनोइट गुएनार्ड ने कहा कि इसका डंक ऐसा लगता है जैसे किसी ने सीधे शरीर में सुई चुभा दी हो। आक्रामक नहीं, फिर भी सावधानी जरूरी विशेषज्ञों का कहना है कि यह चींटी स्वभाव से आक्रामक नहीं होती और तभी काटती है जब उसे खतरा महसूस होता है। यह फायर एंट्स की तरह बड़े स्तर पर खतरा नहीं है, लेकिन फिर भी सावधानी जरूरी है। अमेरिकी कृषि विभाग ने सलाह दी है कि बाहर काम करने वाले लोग दस्ताने पहनें और अगर ऐसी चींटी दिखे तो सावधानी से दूरी बना लें। विभाग का कहना है कि अन्य विदेशी प्रजातियों की तरह यह चींटी अब अमेरिका में स्थायी रूप से बस चुकी है।

देश पर मंडरा रहा हीट वेव का खतरा, समय रहते ठोस कदम उठाए सरकार : गोपाल राय

नयी दिल्ली, (वार्ता)

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने देश के ऊपर मंडरा रहे हीट वेव के खतरे को लेकर केंद्र सरकार को आगाह किया है। श्री राय ने आज कहा कि 1877 के बाद भारत पर एक बार फिर हीट वेव का खतरा बढ़ गया है , लिहाजा केंद्र सरकार को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए। देश और पूरी दुनिया में इस वक्त जो गर्मी बढ़ रही है, वो आने वाले खतरनाक %हीट वेव% की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं कि 140 साल बाद प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक गर्म होने की संभावना से सुपर अल नीनो का खतरा बढ़ गया है। इससे बारिश और तापमान का पैटर्न बदलता रहेगा, जो एक खतरे की घंटी है। उन्होंने देश के लोगों से हीट वेव और अकाल की संभावना से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने की अपील की है।पूरे देश में तेजी से बढ़ती गर्मी सबके लिए चिंता का विषय बनी हुई है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में भीषण लू सभी वैज्ञानिकों की चिंता का केंद्र बिंदु बनी हुई है। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। भारत के इतिहास में 1877 में अचानक लाखों लोग मौत के शिकार हो गए थे और भारत की जमीनें बंजर हो गई थीं। केवल भारत ही नहीं, बल्कि चीन, ब्राजील और अफ्रीका के कई देशों में करोड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। आखिर 1877 में ऐसा क्या हुआ था? न कोई युद्ध हुआ था और न ही कोई भूकंप आया था, लेकिन इतने लोगों की मौत क्यों हुई और भारत में इतना बड़ा अकाल क्यों पड़ा?

इसका वैज्ञानिक, भौगोलिक और प्राकृतिक कारण था। भारत से हजारों किमी दूर समुद्र के पानी में होने वाली एक हलचल, जिसे पूरी दुनिया अल नीनो के नाम से जानती है और1877 में पूरी दुनिया ने उसी सुपर अल नीनो का प्रकोप झेला था। आज पुन: 140 साल बाद 2026 में वह भौगोलिक घटना और प्रकृति में परिवर्तन दोबारा देखने को मिलने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों का तो कहना है कि 2026 में मानव इतिहास की सबसे खतरनाक गर्मी अपना रिकॉर्ड तोड़ सकती है। दिल्ली में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है।

राष्ट्र की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में युवा चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : राज्यपाल

पटना, (वार्ता)। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन ने बुधवार को को कहा कि राष्ट्र की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में युवा चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल श्री हसनैन ने मुख्य अतिथि के रूप में आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि राष्ट्र की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में युवा चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे सेवा, समर्पण और सत्यनिष्ठा के साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करें।उन्होंने स्नातक विद्यार्थियों को चिकित्सा नैतिकता, करुणा और पेशेवर उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का पालन करने के लिये प्रेरित किया।

एक क्रूज जहाज पर हंता वायरस के कारण तीन की मौत, कुल सात संक्रमित: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, (वार्ता)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक क्रूज जहाज पर हंता वायरस के संक्रमण से तीन मौतों और गंभीर श्वसन बीमारी के प्रकोप की पुष्टि की है।

नीदरलैंड के झंडे वाले इस जहाज पर कुल 147 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार हैं, जिनमें से अब तक सात मामले (दो पुष्ट और पांच संदिग्ध) सामने आ चुके हैं।डब्ल्यूएचओ को इस घटना की जानकारी दो मई को ब्रिटेन के माध्यम से मिली थी। दक्षिण अफ्रीका में की गई प्रयोगशाला जांच में एक गंभीर रूप से बीमार मरीज में हंता वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। प्रभावित यात्रियों में बुखार, पेट दर्द और तेजी से निमोनिया जैसे लक्षण देखे गए हैं। जहाज ने एक अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के उशुआइया से अपनी यात्रा शुरू की थी और वर्तमान में यह केप वर्डे के तट पर खड़ा है। संक्रमण के मामलों का विवरण देते हुए डब्ल्यूएचओ ने बताया कि पहला मामला छह अप्रैल को सामने आया था, जिसमें एक पुरुष यात्री की मौत हो गई। इसके बाद, उसके संपर्क में आई एक महिला की भी दक्षिण अफ्रीका में मृत्यु हो गई, जिसकी पीसीआर जांच में हंता वायरस की पुष्टि हुई है। तीसरा पुष्ट मामला एक वयस्क पुरुष का है जो वर्तमान में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है। एक अन्य महिला की भी दो मई को निमोनिया के कारण मौत हो गई।प्रारंभिक जांच के अनुसार, हंता वायरस मुख्य रूप से संक्रमित रोडेंट्स के मूत्र, मल या लार के संपर्क में आने से फैलता है। यह एक दुर्लभ बीमारी है, लेकिन एंडीज वायरस जैसे विशिष्ट हंता वायरस के मामलों में सीमित रूप से इंसानों से इंसानों में संक्रमण की रिपोर्टें भी पहले रही हैं। डब्ल्यूएचओ ने फिलहाल वैश्विक स्तर पर इसके जोखिम को कम बताया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के तहत केप वर्डे, नीदरलैंड, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन के अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं। यात्रियों को अपने केबिन में रहने और शारीरिक दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि इस घटना के आधार पर किसी भी देश पर यात्रा या व्यापार प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता नहीं है।

साय ने अखबार में प्रकाशित पेयजल समस्या की खबर पर लिया त्वरित संज्ञान

रायपुर, (वार्ता)। छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र की चेराजोबला बस्ती में पेयजल समस्या से संबंधित समाचार पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने समाचार पत्रों का अवलोकन करते समय नाला और ढोढ़ी के दूषित जल पर आज भी निर्भर हैं वनवासी शीर्षक से प्रकाशित खबर को गंभीरता से लिया और सरगुजा कलेक्टर को फोन कर प्रभावित बस्ती में शीघ्र पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों को निर्देशित किया चेराजोबला बस्ती में पेयजल संकट स्थिति का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार हैंडपंप खनन, वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

एकता आर कपूर ने अक्षय कुमार और जीतेंद्र को बताया मिसाल

बॉलीवुड फिल्मकार एकता आर कपूर ने अक्षय कुमार और जीतेंद्र को मिसाल बताया है। एकता आर कपूर के बैनर बालाजी मोशन पिक्चर्स की फिल्म भूत बंगला, जिसमें अक्षय कुमार नजर आए, हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी भी फिर से साथ आई। इसी बीच एकता ने अपने इंस्टाग्राम पर पिता जीतेंद्र और अक्षय कुमार के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा। अपने नोट में एकता ने दोनों सितारों के बीच गजब की समानता बताई, खासकर उनका अनुशासन और निर्माता के विजन पर मजबूत भरोसा। उन्होंने कहा कि ऐसे कलाकार ही फिल्म इंडस्ट्री की कमर्शियल रीढ़ को मजबूत बनाए रखते हैं, क्योंकि एक्टर्स का लगातार काम करना हर स्तर के प्रोड्यूसर्स के लिए मौके पैदा करता है। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह की मेहनत और समर्पण ने इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने, रोजगार देने और इसकी रफ्तार बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।पोस्ट शेयर करते हुए एकता ने लिखा, अब समय आ गया है कि मैं अपना धन्यवाद कहूं।पापा और अक्षय सर की यह तस्वीर मुझे बिल्कुल याद दिलाती है कि अनुशासन क्या कर सकता है। दोनों इतने एक जैसे हैं कि जब भी मैं अक्षय सर से बात करती हूं, मुझे लगता है जैसे मैं अपने पापा से बात कर रही हूंउनका अनुशासन, निर्माता के विश्वास पर उनका भरोसा, और गहरा सम्मान व विश्वास सच में कमाल है।काम की मात्रा में ही रोजगार पैदा होता है, और यही चीज़ वो साथ लेकर आते हैं। धन्यवाद अक्षय सर, आपने हर निर्माता को, बड़े से लेकर मिड-साइज़ तक, अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका दिया।लव यू, गुरुजी!

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को होगी रिलीज़

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता 12 जून को रिलीज़ होगी। भारत भाग्य विधाता के निर्माताओं ने फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज़ डेट 12 जून 2026 तय कर दी है। इसके साथ ही एक प्रभावशाली पोस्टर भी जारी किया गया है, जो उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने शहर पर हमले के दौरान डर के बजाय अपने कर्तव्य को चुना।सच्ची घटनाओं पर आधारित यह थ्रिलर फिल्म हथियारों और हिंसा से ध्यान हटाकर इंसानियत और दृढ़ संकल्प पर केंद्रित है, खासकर सरकारी अस्पतालों के भीतर, जहां आम लोगों ने असाधारण साहस दिखाया।यह फिल्म अस्पताल के कर्मचारियों नर्स, वार्ड बॉय, सफाई कर्मचारी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक स्टाफ की असाधारण सच्ची कहानी को दर्शाती है, जिन्होंने हथियारबंद खतरे के सामने भी डटकर अपने कर्तव्य का पालन किया।जब पूरा शहर आतंक की चपेट में था, तब इन लोगों ने न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाई बल्कि यह सुनिश्चित किया कि इंसानियत और भारत की भावना विजयी हो। कंगना रनौत ने कहा,हम अक्सर दिखावटी वीरता का जश्न मनाते हैं, लेकिन असली साहस शांत होता है।वह सामने आता है, ठहरता है और जिम्मेदारी निभाता है। भारत भाग्य विधाता एक अनकही कहानी है साहस, त्याग, इंसानियत और एकता की।उन आम लोगों की, जो आतंक और जीवन के बीच खड़े हो गए। यह देशभक्ति का सबसे शुद्ध रूप है। मैं इस कहानी का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करती हूं और 12 जून को इसे बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्साहित हूं। डॉ. जयंतीलाल गडा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत, भारत भाग्य विधाता का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परमांश क्रिएशंस ने किया है, तथा यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से बनाई गई है।फिल्म का लेखन और निर्देशन मनोज तापड़िया ने किया है, जबकि वितरण पेन मरुधर द्वारा किया जाएगा। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। कंगना रनौत के साथ इस फिल्म में गिरीजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता ठट्टे, रसीका आगाशे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी नजर आएंगे।

अपना पहला गीत संग्रह रिकॉर्ड कर रहे हैं आदर्श गौरव

अभिनेता और संगीतकार आदर्श गौरव अब अपने संगीत के सफर में एक नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं। आदर्श गौरव अपने पहले छोटे संगीत संग्रह के लिए चार मौलिक गीत रिकॉर्ड करने वाले हैं, जो इस साल के अंत तक जारी होंगे। इस नए चरण के तहत आदर्श पूरी तरह से रिकॉर्डिंग प्रक्रिया में खुद को समर्पित करेंगे।

शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षित आदर्श का संगीत से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है, साथ ही उनका अभिनय करियर भी चलता रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी फिल्म 'तू या मैं' में अपनी गायकी का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने कई मंचीय कार्यक्रमों और संगीत प्रस्तुतियों में भी गाया है, जिनमें एक बड़े अंतरराष्ट्रीय संगीत महोत्सव में उनकी प्रस्तुति भी शामिल रही है, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और मज़बूत हुई है।इस आने वाले संग्रह में चार स्वतंत्र गीत होंगे, जिनके ज़रिए आदर्श अपने संगीत की पहचान को खुलकर तलाशेंगे और अलग-अलग धुनों और शैलियों के साथ प्रयोग करेंगे। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक स्वाभाविक अगला कदम है, क्योंकि वे धीरे-धीरे अपने संगीत के काम को आगे बढ़ाते रहे हैं।

आदर्श गौरव ने कहा, संगीत हमेशा से मेरे जीवन का बहुत निजी और अहम हिस्सा रहा है। पेशेवर तौर पर अभिनय पहले शुरू हुआ, लेकिन गायन से मेरा जुड़ाव बहुत पुराना है। 'तू या मैं' में मेरे संगीत को जो प्यार मिला और मंच पर गाने के अनुभव के बाद मुझे लगा कि अब आगे बढ़ने का सही समय है। यह संग्रह मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि इसमें मैं एक कलाकार के रूप में पूरी तरह से खुद को व्यक्त कर रहा हूं। मैं इन गीतों की रिकॉर्डिंग के लिए गोवा जा रहा हूं, जहां का माहौल मुझे शांति से संगीत पर ध्यान देने का अवसर देगा। हर गीत दिल से निकला है, और मैं नए सुरों को आजमाने, अलग-अलग लोगों के साथ काम करने और धीरे-धीरे अपनी आवाज़ की पहचान समझने को लेकर उत्साहित हूं। यह अनुभव रोमांचक भी है और थोड़ा संवेदनशील भी, लेकिन यही इसे खास बनाता है।

इस उपलब्धि के साथ आदर्श गौरव एक बहुमुखी कलाकार के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जहां वे अपने अभिनय और संगीत के जुनून को साथ लेकर दर्शकों के सामने अपनी रचनात्मकता का एक और निजी रूप पेश करने की तैयारी कर रहे हैं।

शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित कर लक्ष्य की करें पूर्ति

कलेक्टर रजनी सिंह की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों की बैठक सम्पन्न

किसानों को समझाईश दें कि नरवाई न जलाए इससे मृदा और पर्यावरण को नुकसान होता है

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से करें। हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित कर लक्ष्य की पूर्ति करें। उन्होंने कहा कि शासन के योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेड सभाकक्ष में कृषि, आत्मा, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग एवं मंडी की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में कृषि व उससे संबंधित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि किसानों को समझाईश दे कि वह फसल के अवशेषों (नरवाई) को न जलाए। इससे मृदा एवं पर्यावरण को नुकसान होता है। उन्होंने नरवाई जलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि किसानों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार उर्वरक, बीज, कीटनाशक एवं खाद का वितरण करें। उक्त कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में जलसंचय भागीदारी के तहत सोकपिट, नलकूप रिचार्ज और मेढ़बंधान इत्यादि जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य की पूर्ति करें। चौपाल, संगोष्ठिया एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जलसंचय संरचनाओं के निर्माण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने जिले में उड़द फसल के रकबे को बढ़ाने के लिए विस्तृत चर्चा की।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के लिए संगोष्ठियों का आयोजन कर जागरुक करें। उन्होंने आयोजित संगोष्ठियों में कृषि, आत्मा एवं संबंधित विभागों के अधिकारी, वैज्ञानिकों प्रगतिशील/सफल किसानों को सम्मिलित कर अन्य किसानों को प्रेरित करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उद्यानिकी विभाग द्वारा फल, मसाला, सब्जी की खेती का क्षेत्र विस्तार और जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। जिससे जिले के किसान उद्यानिकी में फल, मसाला एवं सब्जी की खेती को अपना सकें। आयोजित बैठक में मत्स्य विभाग अंतर्गत तालाबों का उपयोग, बायोफ्लॉक, स्मार्टफिश पार्लर की प्रगति और मत्स्य समितियों के बैंक खाते खुलवाने के संबंध में चर्चा की गई। पशुपालन विभाग की समीक्षा में क्षीरधारा योजना, हिरण्यगर्भा योजना, नेशनल लाइवस्टाक मिशन जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन और गौशालाओं में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा वैक्शीनेशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मंडियों में किसानों की सुविधाओं का विस्तार करते हुए आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में ई-नाम योजना के तहत मंडियों को डिजिटल रुप से जोड़ना है जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिल सकें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कृषि, आत्मा, पशुपालन और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कृषक हितैषी कार्यो, नवाचारों और योजनाओं का क्रियान्वयन मैदानी स्तर पर करें। जिले के प्रगतिशील किसानों के माध्यम से नावाचारों का प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर के निर्देशन पर ग्राम पाजंरा में अधिकारियों के संयुक्त दल ने किया भ्रमण

किसानों को दी गई आधुनिक तकनीकों की जानकारी

नरवाई प्रबंधन, जल संरक्षण व प्राकृतिक खेती को लेकर किया जागरूक

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में मंगलवार को विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम पांजरा में उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ, परियोजना संचालक आत्मा नरसिंहपुर श्री आरपी झारिया एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के यू.बी. सिंह ने संयुक्त रूप से भ्रमण किया। संयुक्त टीम द्वारा किसानों से संवाद कर ई-टोकन व्यवस्था, नरवाई प्रबंधन, जल संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किसानों को फसल के अवशेषों को जलाने के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए वैकल्पिक प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम पाजंरा के प्रगतिशील किसान श्री राहुल कुर्मी ने लगभग 25 लाख रुपये की लागत से कस्टम हायरिंग केंद्र स्थापित किया गया है, जो क्षेत्र के किसानों के लिए एक आदर्श उदाहरण बनकर उभरा है। स्ट्रा-रीपर मशीन के माध्यम से 1400 क्विंटल गेहूं नरवाई से भूसा तैयार किया गया। स्मार्ट रीपर के माध्यम से उड़द एवं मूंग की बोनी सफलतापूर्वक की गई। इससे प्रेरित होकर ग्राम पाजंरा में किसानों ने नरवाई में आग नहीं लगाई, बल्कि उसका बेहतर उपयोग करते हुए भूसा निर्माण किया। साथ ही गांव के किसान अन्य ग्रामीणों को भी नरवाई प्रबंधन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे नवाचार और तकनीकी उपाय न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि किसानों की आय वृद्धि और मृदा स्वास्थ्य सुधार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जीडीएक्स ग्रुप में 120 पदों पर भर्ती के लिए जिले में आयोजित होंगे पंजीयन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जीडीएक्स सिक्योरिटी सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट (जीडीएक्स ग्रुप नोएडा) द्वारा सुरक्षा जवान के 120 पदों पर भर्ती के लिए जिले के विकासखंड स्तरीय पंजीयन शिविर/ प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक, शारीरिक मापदंड, आयु 18 से 45 वर्ष, 168 सेमी ऊंचाई होना आवश्यक है। शेष शर्ते भर्ती अधिकारी एवं कम्पनी के मापदण्ड अनुसार लागू होंगे। जिले के विकासखंड स्तरीय पंजीयन/ प्लेसमेंट का आयोजन मुख्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बावई चीचली में 6 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोटेगांव में 7 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सांईखेड़ा में 8 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेली में 11 मई, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांवरपाठा में 12 मई और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर में 13 मई को आयोजित किये जायेंगे।

जिला दंडाधिकारी ने जिले में नावों एवं जलयानों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए आदेश जारी किए

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में प्रवाहित नदियों में नौका संचालन के दौरान जनसामान्य की सुरक्षा की दृष्टि से नरसिंहपुर जिले की सीमा के अंतर्गत नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर संचालित होने वाली नावों एवं जलयानों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने राज्य शासन के गृह विभाग एवं आपदा प्रबंधन नियमों के तहत जन सामान्य की सुरक्षा हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के मुताबिक जिले के समस्त घाटों पर संचालित होने वाली प्रत्येक नाव में यात्रियों की निर्धारित संख्या के अनुसार लाईफ जैकेट रखना अनिवार्य होगा। कोई भी नाविक किसी भी यात्री को बिना लाईफ जैकेट पहनाए नौका विहार या नदी पार नहीं कराएगा। यात्रियों द्वारा इसका उपयोग सुनिश्चित करना नाविक/ संचालक की जिम्मेदारी होगी। किसी भी नाव में उसकी निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को नहीं बिठाया जाएगा और माल (सामाग्री) नहीं रखा जाएगा। केवल वहीं नावें संचालित की जा सकेंगी, जिनका संबंधित निकाय/ पंचायत में विधिवत पंजीकरण है और जो तकनीकी रूप से सुरखित (फिट) है। इसके लिए जिला कमांडेंट, होमगार्ड समस्त नौकाओं का परीक्षण करेंगे। सूर्यास्त के पश्चात और सूर्योदय से पूर्व किसी भी प्रकार का नौका संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले नाविकों/ संचालकों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी, जिसमें नाव की जब्ती और लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी शामिल है। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक 8 मई को

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक 8 मई को दोपहर 2:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने सभी संबंधितों से बैठक में उपस्थिति के लिए कहा है। बैठक में विगत बैठक का पालन प्रतिवेदन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, समस्त निर्माण विभाग जैसे लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नरसिंहपुर व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, स्कूल शिक्षा विभाग और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों से संबंधित समीक्षा एवं चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

उपार्जन केंद्र ग्राम पाठापिपरिया में कमियां मिलने पर नोडल अधिकारी को नोटिस देने के निर्देश दिए

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम पाठापिपरिया गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पाया गया कि उपार्जन केंद्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता और किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उपार्जन केंद्र की नोडल अधिकारी अकांक्षा राजपूत को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान खरीदी समिति के सदस्य भी अनुपस्थित पाए गए। एफएक्यू एवं नॉन-एफएक्यू की जांच के लिए उपयोग में आने वाले उपकरण भी सर्वेयर के पास उपलब्ध नहीं थे, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इसके बाद ग्राम तिंदनी में अंश वेयर हाउस में बनाए गए गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई। उन्होंने हम्मालों की उपलब्धता, तौल-कांटे की व्यवस्था, टोकन प्रणाली, गोदामों में उपलब्ध खाली स्थान के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने बारदाने की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं उपार्जन केंद्रों में समुचित व्यवस्था रखी जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

7 लीटर कच्ची अवैध मदिरा और 665 किग्रा महुआ लाहन बरामद

आबकारी बल द्वारा वृत्त करेली में की गई कार्यवाही

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में और जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में आबकारी बल द्वारा वृत्त करेली में सोमवार को दबिश की कार्यवाही की गई। आबकारी बल द्वारा वृत्त करेली के अंतर्गत कुचबंदिया मोहल्ला करेली में दबिश के दौरान 7 लीटर कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा एवं 665 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की धारा 34 (1) (क) (च) के तहत 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी दौरान वृत्त करेली के अंतर्गत 2 मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में दुकानों पर पाई गई अनियमिताओं के लिए संबंधित लायसेंसियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी श्री रवींद्र जैन, आबकारी उपनिरीक्षक श्री सतीश कुमार, आकांक्षा धनोतिया, आब. मुख्य आर. सदर सिंह बरकड़े, आब.आर. नवल सिंह ठाकुर, ब्रिज किशोर सोनी, दीपांश चौकसे मौजूद थे।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 8 मई को

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 8 मई को दोपहर 12:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने सभी संबंधितों से बैठक में उपस्थिति के लिए कहा है। बैठक में विगत बैठक का पालन प्रतिवेदन, जिला पंचायत के आय-व्यय की जानकारी, जिला पंचायत अंतर्गत आने वाली दुकानों, जिला पंचायत नरसिंहपुर में लम्बी अवधि से पदस्थ कर्मचारियों को जनपद पंचायतों में पदस्थ करने, जिला पंचायत की आश्रय निधि के उपयोग और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों से संबंधित समीक्षा एवं चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

जनसुनवाई में आये 80 आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 80 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना वृद्धावस्था में श्रमिकों को प्रदान करता है आर्थिक संबल

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। श्रम पदाधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवायएम) संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य वृद्धावस्था में श्रमिकों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु के असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये, आयकरदाता, ईपीएफओ (पीएफ), ईएसआईसी या एनपीएस का सदस्य नहीं होना चाहिए, पंजीयन करा सकते हैं। लाभार्थी के द्वारा आयु के अनुसार 55 से 200 रुपये तक मासिक अंशदान किया जाता है, जिसकी समान राशि केन्द्र सरकार के द्वारा भी योगदान के रूप में जमा की जाती है। योजना के अंतर्गत 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर लाभार्थी को 3 हजार रुपये प्रतिमाह न्यूनतम पेंशन प्रदान की जाती है।

लाभार्थी की मृत्यु की स्थिति में उनके जीवनसाथी को पेंशन का 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन के रूप में देय होता है। पंजीयन की सुविधा जिले के कॉमन सर्विस सेंटर- सीएससी एवं ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध है। श्रमिकों से अपील की गई है कि वे जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें।

महाविद्यालय में कॉलेज चलो अभियान का शुभारंभ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय शासकीय पीजी कॉलेज गाडरवारा में कॉलेज चलो अभियान का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आर.के. राजपूत के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ कॉलेज चलो अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ,उपलब्ध पाठ्यक्रम ई प्रवेश प्रक्रिया विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन एवं जानकारी दी इस अवसर पर ऑनलाइन प्रवेश प्रभारी प्रो. एस.के. नायक महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों विषय चयन से संबंधित मार्गदर्शन कर जागरूक कर कॉलेज चलो अभियान के महत्व पर बल दिया इस कार्यक्रम में डॉ. जवाहर शुक्ल प्रो. एन.पी. वर्मा, डॉ. सुनील शर्मा, प्रो विवेक कुर्मी एवं सहायक प्रवेश प्रभारी डॉ. प्रदीप सिंह का योगदान रहा।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 100 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 22/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
11	कंदेली	43	1038 वर्गफुट	राकेश, राजेश नेमा आ. केदारनाथ नेमा सा. कंदेली	राकेश, राजेश नेमा आ. केदारनाथ नेमा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 101 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 22/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
18	कंदेली	5/2 6 7 8/2	22888 वर्गफुट	श्रीमति शोभा मुशरान पत्नि स्व. अजयनारायण मुशरान निवासी वर्तमान निवासी 37 पश्चिमी मार्ग वसंत विहार नई दिल्ली	श्रीमति शोभा मुशरान पत्नि स्व. अजयनारायण मुशरान निवासी वर्तमान निवासी 37 पश्चिमी मार्ग वसंत विहार नई दिल्ली

इश्तहार आज दिनांक 04/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

अतिक्रमण पर सख्ती दुकानदारों को चेतावनी

नगर निगम आयुक्त ने संभाला मोर्चा: देर शाम को गोल बाजार का लिया जायजा

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने शहर के व्यस्ततम व्यावसायिक क्षेत्र गोल बाजार का औचक निरीक्षण किया। पैदल भ्रमण के दौरान आयुक्त ने सफाई व्यवस्था और सुगम यातायात को लेकर कड़े तेवर दिखाए। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रमुख निर्देश और कार्यवाही- आयुक्त ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि प्रत्येक दुकान में डस्टबिन होना अनिवार्य है। गंदगी पाए जाने पर 'यह नहीं चलेगा' कहते हुए उन्होंने साफ-सफाई के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात कही। सुभाष चौक चौराहे पर सड़क घेरे हुए सामान को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए गए। कुछ स्थानों पर सार्वजनिक मार्ग बाधित करने वालों पर सामग्री जब्ती और जुर्माने की कार्यवाही भी की गई। नालियों के ऊपर रखी पट्टियों को तुड़वाकर उन्हें गहरा करने और व्यवस्थित तरीके से ढंकने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जलभराव की समस्या न हो। व्यापारियों की सुविधा के लिए अब रोजाना शाम को गोल बाजार क्षेत्र में विशेष कचरा संग्रहण वाहन भेजा जाएगा, जो दुकानों का कचरा एकत्रित करेगा।

व्यवसायियों से संवाद

भ्रमण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय दुकानदारों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने व्यापारियों को निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यवसाय करने की हिदायत दी ताकि ग्राहकों और राहगीरों को आवागमन में असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान निगम के अन्य अधिकारी और स्वच्छता अमला भी मौजूद रहा। आयुक्त की इस सक्रियता से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

वृद्ध आश्रम में सेवा एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कटनी द्वारा 02 मई को बच्चन नायक वृद्ध आश्रम में सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कटनी के सभापति सुशील कुमार शर्मा, रेड क्रोस सचिव अभिनंदन शर्मा मोनू, सदस्य गोविंद सचदेवा, जे.एस. लांबा, प्रशांत कुमठाकर, विजय सिंह ठाकुर, प्रीयता सिंह ठाकुर, रामानुज सोनी, सोनू नागवानी, रुक्मणी, सीमांत दुबे, नीतू कनकने, संगीता संगतानी, पूजा अग्रवाल, श्रेया, अंशु, जितेंद्र सिंघानिया, शैलेंद्र शुक्ला, संचित जैन, लक्ष्मीकांत, अंकुर अग्रवाल एवं ऋषभ त्रिपाठी सहित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कटनी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे एवं वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनका हालचाल जाना। कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कटनी के सचिव अभिनंदन शर्मा (मोनू) ने उपस्थितजनों को रेड क्रॉस की स्थापना, उद्देश्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस सदैव मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा राहत एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि संस्था आगे भी इसी प्रकार सामाजिक सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहेगी।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में सुन रहे लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 58 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार मिश्रा, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

कैरियर मार्गदर्शन एवं शौर्य प्रदर्शन 2026 सम्पन्न

विशेषज्ञों ने छात्राओं को दिया सफलता का मार्ग

कटनी (स्वतंत्रमत)

नव परिवर्तन प्रकाश फाउंडेशन द्वारा कैरियर मार्गदर्शन एवं शौर्य प्रदर्शन 2026 के अंतर्गत प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन केडीसी कॉलेज, नई बस्ती, कटनी में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने क्रमश: अपने उद्बोधन के माध्यम से छात्राओं का मार्गदर्शन किया। वन मंडल अधिकारी कार्तिकेय भट्ट ने कहा कि अनुशासन, निरंतर अध्ययन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने छात्राओं को प्रकृति संरक्षण के

साथ-साथ उच्च सेवाओं में जाने हेतु प्रेरित किया। पूर्व जिला न्यायाधीश रवि नायक ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सत्यनिष्ठा, धैर्य एवं सही निर्णय लेने की क्षमता व्यक्ति को उच्च मुकाम तक पहुंचाती है। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा न्यायप्रिय सोच अपनाने का संदेश दिया। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कटनी, ज्योति सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में स्वरोजगार एवं उद्यमिता युवाओं के लिए एक सशक्त विकल्प है। उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने हेतु छात्राओं को प्रेरित किया। प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी संदेश जैन ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेहनत, लगन एवं सकारात्मक सोच से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान शौर्य प्रदर्शन 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं में उत्साह एवं आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सही दिशा में कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करना एवं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रेरित करना रहा।

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह अध्यक्षता एवं बहोरीबंद विधानसभा प्रभारी दुर्गेश पटेल की उपस्थिति में स्लीमानाबाद में मंगलवार को ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों की एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने को कहा गया है। वहीं ब्लाक कार्यकारणी की सूची को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने पर जोर दिया गया। साथ ही ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों को जिला पदाधिकारियों से बेहतर समन्वय स्थापित कर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जन आंदोलनों और पार्टी के कार्यकर्ताओं को गांव गांव तक पहुंचने की रुपरेखा तैयार की गई। बैठक में स्लीमनबाद अध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, बहोरीबंद अध्यक्ष नरेंद्र सैनी, बिलहरी अध्यक्ष चिंतामणि तिवारी, बाकल अध्यक्ष संतोष पटेल, रीठी ब्लाक अध्यक्ष नदीम खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए प्रदेश में 9 मई को नेशनल लोक अदालत

संपत्ति एवं जल कर के सरचार्ज अधिभार में मिलेगी 100 प्रतिशत तक की छूट

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 9 मई शनिवार को प्रदेश के समस्त जिला न्यायालय एवं तहसील के व्यवहार न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। नागरिकों के कल्याण और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। नेशनल लोक अदालत में नागरिकों को विशेष सुविधा प्रदान करते हुए संपत्ति कर, जल कर एवं अन्य उपभोक्ता कर के लंबित प्रकरणों में देय अधिभार सरचार्ज पर 100 प्रतिशत तक की अभूतपूर्व छूट प्रदान की जा रही है। योजना के प्रावधानों के अंतर्गत 50 हजार रुपये तक के संपत्ति कर और 10 हजार रुपये तक के जल कर की बकाया राशि वाले प्रकरणों में सरचार्ज पूर्णत: माफ किया जाएगा। इससे अधिक की बकाया राशि होने पर निर्धारित स्लैब के अनुरूप सरचार्ज में 25 से 75 प्रतिशत तक की रियायत का प्रावधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक की बकाया राशि पर यह विशेष छूट वन टाइम सेटलमेंट के रूप में देय होगी। इस योजना का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों को छूट के उपरांत शेष राशि अधिकतम दो आसान किश्तों में जमा करने की सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन ही जमा करना अनिवार्य होगा। राज्य शासन ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस नेशनल लोक अदालत में सहभागिता कर अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाएं और शासन द्वारा प्रदाय की जा रही इस विशेष छूट का अधिकतम लाभ उठाएं। लोक अदालत के माध्यम से नगरीय निकायों के लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं सुलभ निराकरण किया जाएगा, जिससे आमजनों को व्यापक राहत मिलेगी। शासन की इस जन-कल्याणकारी पहल से नागरिकों को न केवल करों के भारी बोझ से मुक्ति प्राप्त होगी, बल्कि इसके फलस्वरूप नगरीय निकायों को भी एकमुश्त राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

मुख्यमंत्री सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, 7 मई को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 से सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के प्रथम जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह गौरवशाली यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत निकाली जा रही है। भारत की सांस्कृतिक चेतना, आस्था और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व- 2026 (8 से 11 जनवरी 2026) का शुभारंभ ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर से किया गया है। मध्यप्रदेश से पहली बार निकलने वाली इस विशेष यात्रा में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से 1100 श्रद्धालुओं का दल सम्मिलित होगा। यह रेलगाड़ी भोपाल और उज्जैन रेलवे स्टेशनों से भी तीर्थयात्रियों को अपने साथ लेकर सोमनाथ की ओर प्रस्थान करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु सोमनाथ की पावन धरा पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करेंगे। भोपाल में पदस्थ राज्य के संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का उद्देश्य देशभर के राज्यों के माध्यम से भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान, हजार वर्षों के संघर्ष और आस्था का स्मरण करना है। यह उत्सव राष्ट्र की गौरवमयी विरासत के उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। यह पर्व केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनरुत्थान और राष्ट्रीय अस्मिता का महाकुंभ है। इसका उद्देश्य देशवासियों को उन हजार वर्षों के लंबे संघर्ष और आस्था की याद दिलाना है, जिसने विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय सांस्कृतिक ज्योति को बुझने नहीं दिया। सोमनाथ मंदिर, जो हमारे राष्ट्रीय गौरव और अडिग श्रद्धा का प्रतीक है, वहीं से इस पावन पर्व की प्रेरणा ली गई है जिससे भावी पीढ़ी अपनी विरासत पर गर्व कर सके। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकाली जा रही यह यात्रा प्रदेश की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय भावना को और अधिक सशक्त करेगी। श्रद्धा और भक्ति के इस अनूठे संगम का समापन 11 मई को होगा, जब यह दल सोमनाथ महादेव का आशीर्वाद और सांस्कृतिक गौरव की स्मृतियां लेकर वापस लौटेगा।

डाकघर बना आधार एनरोलमेंट और अपडेशन सेवा केन्द्र

कटनी (स्वतंत्रमत)

जबलपुर संभाग के अंतर्गत कटनी के डाकघरों के आधार केन्द्रों में नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन, आधार डेटा में मोबाइल एवं ईमेल लिंक अपडेट कराने हेतु 08 मई एवं 09 मई को विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए 06 मई एवं 07 मई को टोकन वितरण किया जाएगा। 08 मई एवं 09 मई को विशेष अभियान के तहत सभी आधार सेंटर प्रात: 08 बजे से सायं 06 बजे तक कार्य करेंगे, जबकि प्रधान डाकघरों में संचालित आधार सेंटर प्रात: 08 बजे से सायं 08 बजे तक कार्य करेंगे। अत: आप अपने निकटतम डाकघर आधार केन्द्र में जाकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। जबलपुर संभाग के अंतर्गत 2 प्रधान डाकघर एवं 36 उपडाकघरों में आधार पंजीयन एवं अपडेशन अभियान का संचालन किया जा रहा है। कटनी जिले में अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें- दूरभाष 0761-2678121।

कटनी जिले के आधार केन्द्र

कटनी जिले में स्थित आधार सेवा केन्द्रों में बाकल डाकघर, बरही डाकघर, कटनी सीमेंट फैक्ट्री डाकघर कटनी प्रधान डाकघर, कटनी ॥ह्र२, कटनी माधव नगर डाकघर, कैमोर डाकघर, निवार डाकघर, रीठी डाकघर सरोली मझगवां डाकघर, सिहोरा एमडीजी (स्ह्ल॥ह्न्क्र स्ह्रड्डह्लद्ग),स्लीमनाबाद डाकघर, उमरियापान डाकघर तथा विजयराघवगढ़ डाकघर शामिल हैं।

गायत्री परिवार के चौथे शीतल आर ओ जल केंद्र का उद्घाटन

कटनी (स्वतंत्रमत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शीतल आर ओ जल वितरण केंद्र की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। पूर्व स्थापित तीन केंद्र पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। अब कटनी की विभिन्न संस्थाएं भी मिलकर काम कर रही हैं। इसी क्रम में मनोनीत जिला समन्वयक कमल राज अग्रवाल के नेतृत्व में, सुदर्शना लेडीज क्लब के साथ मिलकर नई बस्ती क्षेत्र में गायत्री परिवार के सहयोग से नया जल वितरण केंद्र खोला गया है। इस केंद्र का उद्घाटन जल जागरुकता गायत्री यज्ञ के द्वारा प्रकाश भोमिया के निवास स्थान पर किया गया कार्यक्रम प्रभारी कांता भोमिया थी। इसमें मुख्य रूप से जिला समन्वयक समिति के सदस्य डॉ विद्या भूषण खरे, शरद जायसवाल, गायत्री शक्तिपीठ कटनी की ट्रस्टी ज्योति श्रीवास्तव दीदी, लव चौहान, शुभि चौहान, डॉ देवेंद्र दुबे, धीरज नामदेव, आलोक त्रिपाठी, योगाचार्य मुकेश अग्रवाल, साकेत चतुर्वेदी और सबसे छोटा कार्यकर्ता ओजस खरे ने अपना सहयोग दिया। जल केंद की जिम्मेदारी हरीश एवं मुस्कान ने ली, कार्यक्रम के सहयोगी मीरा भार्गव, राज कुमार गोयल मेरठ, आदि उपस्थित रहे।

जिले में एचपीवी टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा

अब तक 12 हजार 614 किशोरियों को लगा टीका

कटनी (स्वतंत्रमत)। किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एचपीवी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान में कटनी जिले ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अभियान के तहत जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध समय से पहले ही शत-प्रतिशत टीकाकरण कर लक्ष्य पूरा कर लिया है। कलेक्टर आशीष तिवारी के सतत पर्यवेक्षण और स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता के चलते जिले को दिए गए 12 हजार 613 के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 12 हजार 614 किशोरी बालिकाओं को टीका लगाया जा चुका है। टीकाकरण के मामले में कटनी नगर ने लक्ष्य के विरूद्ध 100.53 प्रतिशत, ढीमरखेड़ा ने 100.40 प्रतिशत, रीठी ने 100.16 प्रतिशत, मुरवारा कटनी ने 100.07 प्रतिशत, बड़वारा एवं बरही ने 100 प्रतिशत टीकाकरण किया है। जबकि विजयराघवगढ़ 99.64 प्रतिशत और बहोरीबंद 99.38 प्रतिशत टीकाकरण के साथ लक्ष्य पूर्ति के बिल्कुल करीब है। कलेक्टर ने इस सफलता पर स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग की सराहना की है। उन्होंने पुन: अभिभावकों से अपील की है कि जिन बालिकाओं का टीकाकरण शेष है, वे तुरंत शासकीय अस्पतालों में जाकर इस नि:शुल्क सुविधा का लाभ उठाएं। बाजार में लगभग 4 हजार रुपये की कीमत वाला यह टीका शासन द्वारा बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए पूरी तरह मुफ्त लगाया जा रहा है। यह वैक्सीन वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और भविष्य में बेटियों को जीवनभर की सुरक्षा देने वाली सुरक्षा की गारंटी है। अभिभावक अभी भी यू-विन सेल्फ रजिस्ट्रेशन पोर्टल के माध्यम से अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों का पंजीकरण करा सकते हैं।

राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति का पुनर्गठन

कटनी (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण मुख्य बेंच, नई दिल्ली द्वारा म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय क्रियान्वयन समिति का पुनर्गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण, परिवहन, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, प्रमुख सचिव राजस्व, वन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, खनिज संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी, सूक्ष्म, लघू और मध्यम उद्यम, प्रमुख सचिव/सचिव स्कूल शिक्षा, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र. भोपाल, आयुक्त, आर.बी.आई सदस्य होंगे।

ग्राम इमलिया स्थित शिव पल्सेज दाल मिल पर प्रशासन का छापा

कटनी (स्वतंत्रमत)। मिलावट के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम इमलिया स्थित शिव पल्सेज दाल मिल का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान टीम ने पाया कि मिल में बड़े पैमाने पर अरहर दाल का निर्माण किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा जब फैक्ट्री के प्रभारी से अनिवार्य दस्तावेज मांगे गए, तो वह इन्हें प्रस्तुत नहीं कर सके। मिल के पास न तो कर्मचारियों के चिकित्सा प्रमाण पत्र थे और न ही पेस्ट कंट्रोल, वाटर टेस्टिंग रिपोर्ट या ट्रेनिंग सर्टिफिकेट उपलब्ध पाए गए। ये सभी दस्तावेज खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार अनिवार्य हैं। खाद्य सुरक्षा की टीम ने मौके पर निर्मित और पैकिंग की जा रही अरहर दाल के दो नमूने जब्त किए हैं। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। अनियमितताएं पाए जाने और दस्तावेज पेश न करने पर संबंधित खाद्य कारोबारी को खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया। भोपाल से लैब रिपोर्ट आने के बाद यदि दाल की गुणवत्ता मानकों से कम पाई जाती है, तो अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बहुस्तरीय टूर्नामेंट को छोड़कर पाकिस्तान के साथ खेलने पर प्रतिबंध रहेगा जारी

खेल मंत्रालय ने लिया फैसला, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय टूर्नामेंट पूरी तरह प्रतिबंधित

नयी दिल्ली

खेल मंत्रालय बहुस्तरीय टूर्नामेंट को छोड़कर ने पाकिस्तान के साथ खेलने पर प्रतिबंध जारी रखने का फैसला किया है। खेल मंत्रालय ने खेल संबंधों पर अपनी मौजूदा योजना जारी रखने का फैसला किया है, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय टूर्नामेंट पूरी तरह प्रतिबंध लगा रहेगा। हालांकि, आईसीसी टूर्नामेंट , ओलंपिक्स और एशियन गेम्स जैसे बहु राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए छूट जारी रहेगी। नेशनल स्पोर्ट्स फ़ेडरेशन, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया, साथ ही होम अफेयर्स और एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री को भेजे गए एक आधिकारिक सर्कुलर में, सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, जहां तक एक-दूसरे के देश में द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं की बात है, भारतीय टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगी।न ही हम पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की इजाजत देंगे।उन्होंने कहा, भारत या विदेश में अंतरराष्ट्रीय और बहु स्तरीय स्पर्धाओं के मामले में, हम अंतरराष्ट्रीय खेल निकाय के तरीकों और अपने खिलाड़ियों के हितों से गाइड होते हैं। अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं की मेजबानी करने के लिए एक भरोसेमंद जगह के तौर पर भारत के उभरने को भी ध्यान में रखना ज़रूरी है।यह फ़ैसला ऐसे समय में आया है जब भारत कई बड़े वैश्विक टूर्नामेंट मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है और भविष्य में और भी टूर्नामेंट पर उसकी नज़र है।देश 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट करेगा और उसने 2036 ओलंपिक्स के लिए भी बोली लगाई है। क्रिकेट में, भारत 2029 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2031 में पुरुषों का एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करने वाला है। भारत 1982 के बाद पहली बार एशियन गेम्स को देश में वापस लाने का भी लक्ष्य बना रहा है, उसने 2038 संस्करण की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाई है।इस प्रस्ताव पर पिछले महीने ओलंपिक काउंसिल ऑफ़ एशिया (आईसीए) बोर्ड की कार्यकारणी बैठक में चर्चा हुई थी।साथ ही, मंत्रालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह हिस्सा लेने वालों और अधिकारियों के लिए वीज़ा नियमों को आसान बनाकर भारत को इंटरनेशनल स्पोर्टिंग इवेंट्स के लिए ज़्यादा आसान और आकर्षक बनाना चाहता है।

वैभव के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा: मांजरेकर

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कहा है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में धूम मचा रखी है पर उनके लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। मांजरेकर ने माना कि जिस प्रकार से वैभव 15 साल की उम्र में खेल रहे हैं उससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने लिए सभी योग्यताएं हासिल कर चुके हैं। उनका मानना है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आते हैं हालांकि ये उनक लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल और यशस्वी जयसवानल जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। वैभव ने अपने पिछले साल के पहले आईपीएल सत्र में ऐतिहासिक शतक लगाकर क्रिकेट जगत को हैरान किया दिया था। इसके बाद, उन्होंने घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इस साल के अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भी उनकी 175 रनों की रिकार्ड पारी भी शामिल रही। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आईपीएल के तुरंत बाद उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग बढ़ गयी थी। मांजरेकर भी मानते हैं कि वह टी20 टीम के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए। जहां उन्होंने महाराष्ट्र के खिलाफ़ एक शतक भी बनाया है। मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर कोई खिलाड़ी इस तरह से इस बड़े मंच पर खेल रहा है, तो इसका मतलब है कि वह पूरी तरह से तैयार है। मांजरेकर ने साथ ही ये भी कहा कि टीम में पहले से ही शुभमन और यशस्वी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, ऐसे में सूर्यवंशी को टीम में शामिल करना उतना आसान नहीं होगा।

2026 क्वीन सिरिकिट कप के लिए तीन सदस्यीय दल भेजेगा भारतीय गोल्फ संघ

नयी दिल्ली

भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू), जो युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) और अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से मान्यता प्राप्त है, प्रतिष्ठित क्वीन सिरिकिट कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने तीन सदस्यीय भारतीय दल को इंडोनेशिया भेजेगा। यह टूर्नामेंट इंडोनेशिया के बोगोर स्थित सेंटुल हाइलैंड्स गोल्फ क्लब में 12 से 15 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा।यह टूर्नामेंट एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन (एपीजीसी) और द रॉयल एंड एंशिएंट (जो गोल्फ के नियमों के लिए वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी है) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया सहित कुल 15 देश अपनी चुनौती पेश करेंगे।इनमें ऑस्ट्रेलिया, चीन, चीनी ताइपे, हांगकांग, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, म्यांमार, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम भी शामिल है।2025 लेडीज ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन गुंतास कौर संधू इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय दल की नेतृत्व करेंगी।उन्होंने हाल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।चंडीगढ़ की इस गोल्फर ने 2025-26 आईजीयू सीजन में 20 मुकाबलों में से छह में शानदार जीत हासिल की है और 17 बार शीर्ष-10 में स्थान प्राप्त किया है। संधू ने हाल में अप्रैल में आयोजित आईजीयू पश्चिम बंगाल लेडीज एंड जूनियर गर्ल्स चैंपियनशिप में लेडीज और संयुक्त ए और बी कैटेगरी का खिताब जीता है।संधू के अलावा भारतीय दल की अन्य सदस्यों में हरियाणा की सीरत कांग और दिल्ली की कीया बडुगु शामिल हैं। वंदना अग्रवाल को इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय दल की मैनेजर नियुक्त किया गया है। गुंतास संधू इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर बेहद उत्साहित नजर आ रही हैं।उन्होंने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, इस टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। क्वीन सिरिकिट कप एमेच्योर गोल्फ में एक प्रतिष्ठित टीम इवेंट है।यह मेरे करियर का एक अहम पड़ाव है क्योंकि इससे मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने, कड़ी मेहनत करने, ध्यान केंद्रित रखने और अपने खेल में सुधार करने का मौका मिलेगा।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था: कोच जयवर्धने

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें। रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड

स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। । ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी । खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है। उनकी अनुपस्थिति से टीम की रचनात्मकता और गतिशीलता पर असर पड़ सकता है। इसी तरह, तेज़-तर्रार विंगर निको विलियम्स भी अभी पूरी फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि मध्य मैदान के महत्वपूर्ण खिलाड़ी माइक मैरिनों की वापसी पर भी सवाल बना हुआ है, क्योंकि हाल ही में उनकी सर्जरी हुई है। इन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या आधी-अधूरी फिटनेस स्पेन की विश्व कप रणनीति को प्रभावित कर सकती है।

भारतीय कंपनियों की अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर निवेश की योजना

नयी दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि भारतीय कंपनियों ने उनके देश में 20.5 अरब डॉलर से अधिक की योजना बनायी है जिससे अमेरिका में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।श्री गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में जो निवेश किया उसका फल मिल रहा है।भारतीय कंपनियों की टेक, विनिर्माण और फार्मास्युटिकल समेत विभिन्न क्षेत्रों में 20.5 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की योजना है।इसमें 12 भारतीय कंपनियों द्वारा आज (मंगलवार को) घोषित 1.1 अरब डॉलर के निवेश की योजना भी शामिल है।उल्लेखनीय है कि सेलेक्ट यूएसए इनवेस्टमेंट समिट में 12 भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में कुल 1.1 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है।अमेरिका राजदूत ने लिखा कि इन सहयोगों से अमेरिका में वास्तव में रोजगार पैदा हो रहे हैं और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला तैयार हो रही है।यह इस बात का प्रमाण है कि जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश मिलकर कारोबार करते हैं तो दोनों का फायदा होता है।

दालों और खाद्य तेलों के दामों में ऊतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी देखी गयी।चीनी का भाव पिछले कारोबारी दिवस पर ही स्थिर रहा।दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़ रही।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये बढ़कर 3,870 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 17 रुपये महंगा हुआ और 2,791 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी छह रुपये बढ़ गयी।दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा।तुअर दाल की औसत कीमत 45 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 13 रुपये और उड़द दाल 10 रुपये महंगी हुई।वहीं, मसूर दाल की कीमत 30 रुपये और मूंग दाल की आठ रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 133 रिंगिट गिरकर 4,577 रिंगिट प्रति टन रह गया।जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 2.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.93 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 44 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी।सोया तेल 30 रुपये और पाम ऑयल 25 रुपये सस्ता हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 101 रुपये और सरसों तेल की 63 रुपये बढ़ गयी।वनस्पति भी 28 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 20 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया।चीनी पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़ी रही।

बढ़ती लागत के बीच सकारात्मक बनी हुई है विनिर्माण की वृद्धि: फिक्की सर्वे

नयी दिल्ली। इस साल मार्च में पश्चिम एशिया संकट के बावजूद जनवरी-मार्च तिमाही में देश के विनिर्माण क्षेत्र में आशावाद बढ़ा है और पहले की तुलना में अधिक विनिर्माताओं ने उत्पादन में स्थिरता या वृद्धि की सूचना दी है।उद्योग मंडल फिक्की ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए जारी हालिया विनिर्माण सर्वेक्षण में यह बात कही है।सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया गया है कि गत 31 मार्च को समाप्त तिमाही में 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उच्च या समान उत्पादन स्तर की जानकारी दी है।तीसरी तिमाही में यह संख्या 91 प्रतिशत थी।यह आशावाद घरेलू मांग में भी दिखा, जहां 89 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिछली तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में अधिक या समान ऑर्डर की उम्मीद जतायी।यह सर्वेक्षण वाहन एवं वाहनों के कलपुर्जे, पूंजीगत वस्तुओं, रसायन, उर्वरक एवं फार्मास्युटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स, मशीन टूल्स, धातु एवं धातु उत्पाद, तथा वस्त्र, परिधान एवं तकनीकी वस्त्र जैसे उद्योगों के बड़े और मझौले तथा छोटे उद्यमों की विनिर्माण इकाइयों की प्रतिक्रिया पर आधारित हैं, जिनका संयुक्त वार्षिक टर्नओवर आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक है।रिपोर्ट में कहा गया है कि एक तरफा कंपनियों के क्षमता उपयोग में हल्की गिरावट आयी है और दूसरी तरफ इनवेंट्री कम हुई है।फिक्की के अनुसार, वर्तमान औसत क्षमता उपयोग लगभग 72 प्रतिशत है, जो पिछले सर्वे की तुलना में थोड़ा कम है।वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति (आयात शुल्क, व्यापार प्रतिबंध और आर्थिक अनिश्चितता) और संचालन संबंधी मुद्दे (श्रम की उपलब्धता, कच्चे माल की कमी, नियामकीय चुनौतियां) इसके मुख्य कारण हैं।तीसरी तिमाही में लगभग 89 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उच्च या समान इन्वेंट्री स्तर की सूचना दी थी।यह आंकड़ा चौथी तिमाही में लगभग 86 प्रतिशत रहा।

अप्रैल में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 75 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली

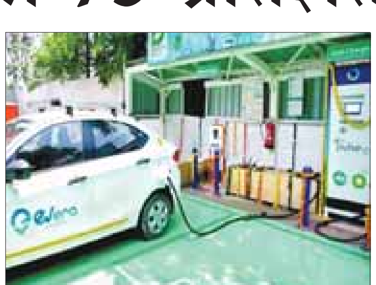

देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री का आंकड़ा इस साल अप्रैल में 75 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगाते हुए 23,506 इकाई पर पहुंच गया।वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अप्रैल में कुल 23,506 इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 75.14 प्रतिशत अधिक है।इस श्रेणी में 8,543 इकाई के साथ टाटा मोटर्स पहले स्थान पर रही।उसकी बिक्री 77.17 प्रतिशत बढ़ी है।महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 63.98 प्रतिशत बढ़कर 5,413 इकाई पर और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की 32.54 प्रतिशत बढ़कर 5,006 इकाई पर पहुंच गयी।इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों की बिक्री में 60.73 फीसदी की सालाना वृद्धि हुई और यह 1,48,740 इकाई रही।हालांकि माह-दर-माह इसकी बिक्री 22 प्रतिशत घट गयी।इस श्रेणी में टीवीएम मोटर कंपनी की बिक्री 88.64 फीसदी बढ़कर 37,683 इकाई रही।बजाज ऑटो ने 32,898 और एथर एनर्जी ने 27,034 दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बेचे।इनमें क्रमश: 71.68 प्रतिशत और 102.78 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज की गयी।वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 148.9 फीसदी बढ़कर 2,245 इकाई पर रही।इसमें 799 इकाई के साथ टाटा मोटर्स पहले स्थान पर रही।पिछले साल अप्रैल में उसके 265 वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहन बिके थे।दूसरे स्थान पर यूलर मोटर्स और तीसरे स्थान पर महिंद्रा समूह रहा।यूलर मोटर्स की बिक्री 12 गुणा से अधिक होकर 518 इकाई और महिंद्रा समूह की करीब 70 प्रतिशत बढ़कर 285 इकाई हो गयी।तिपहिया श्रेणी में बिक्री 3.30 प्रतिशत की सुस्त दर से बढ़ी और 64,549 इकाई पर रही।इस श्रेणी में 10,292 इकाई के साथ महिंद्रा समूह पहले, 9,725 इकाई के साथ बजाज ऑटो दूसरे और 3,046 इकाई के साथ टीवीएस मोटर कंपनी तीसरे स्थान पर रही।इनकी बिक्री क्रमश: 82.71 प्रतिशत, 76.53 प्रतिशत और 152.36 प्रतिशत बढ़ी है।

रिलायंस फाउंडेशन ने महिलाओं की डिजिटल पहुंच बढ़ाने को शुरू की 200 करोड़ की मुहिम

नयी दिल्ली

रिलायंस फाउंडेशन और गेट्स फाउंडेशन ने महिलाओं की डिजिटल भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शीकनेक्ट्स डिजिटल एक्सेलेरेटर अभियान शुरू करने की बुधवार को घोषणा की।रिलायंस फाउंडेशन ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 200 करोड़ रुपये की इस पहल का उद्देश्य भारत और सब-सहारा अफ्रीका में महिलाओं और लड़कियों तक डिजिटल तकनीक की पहुंच और उसके उपयोग को बढ़ावा देना है।अगले तीन साल में यह कार्यक्रम ऐसे स्थानीय और प्रभावी डिजिटल समाधानों की पहचान करने और उन्हें बड़े स्तर तक पहुंचाने की दिशा में काम करेगा, जो महिलाओं की जिंदगी और आजीविका को बेहतर बनाने में मदद कर सकें।रिलायंस फाउंडेशन भारत में इस कार्यक्रम के तहत ऐसे डिजिटल समाधानों को आगे बढ़ायेगा, जो पहले से असरदार साबित हुये हैं।वहीं गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर भारत और सब-सहारा अफ्रीका के बीच अनुभव और सीख साझा करने पर भी जोर दिया जायेगा।रिलायंस फाउंडेशन में महिला सशक्तिकरण की प्रमुख एन. दीप्ति रेड्डी ने कहा कि महिलाओं को डिजिटल दुनिया में पूरी भागीदारी के लिए जरूरी साधन और आत्मविश्वास देना बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है।यह पहल महिलाओं की डिजिटल पहुंच बढ़ाने और उन्हें ज्यादा सक्षम बनाने की दिशा में काम करेगी।गेट्स फाउंडेशन में लैंगिक समानता की उपनिदेशक साची भल्ला ने कहा कि ग्लोबल साउथ के कई देशों में महिलाएं अब भी डिजिटल तकनीक तक पहुंच में कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। जरूरतों के मुताबिक तैयार समाधानों को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगी।रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार, पिछले तीन साल में उसने देश में छह लाख से अधिक महिलाओं तक डिजिटल तकनीक से जुड़ी पहलें पहुंचाई हैं।यह पहल 2030 तक डिजिटल लैंगिक असमानता को आधा करने के वैश्विक लक्ष्य की दिशा में योगदान देने का प्रयास करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर व्यक्ति का हक सीधे उसके खाते में पहुंचाया: मुख्यमंत्री

वैश्विक आपूर्ति के लक्ष्य के साथ प्रदेश में औद्योगिक अधोसंरचना का किया जा रहा है विकास

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए नई भूमि और उसका केनवास तैयार हो चुका है, अब हम उद्योगपतियों के साथ मिलकर योजनाओं और नीतियों के सहारे रंग भरने का काम कर रहे है। इसमें नवउद्यमिता के लिए पर्याप्त नए अवसर सृजित किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। दक्षिण के द्वार के नाम से प्रसिद्ध बुरहानपुर, प्रदेश के विकास का द्वार है।बुरहानपुर में उद्यम और परिश्रम के संस्कार हैं, जिले के लोगों के हुनर बहुमुखी हैं। कृषि से लेकर उद्योगों तक सभी क्षेत्रों में बुरहानपुर में गतिशीलता का वातावरण है। बुरहानपुर के विकास को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार बुरहानपुर की क्षमता और योग्यता को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए स्थानीय उद्योग जगत के साथ परस्पर विश्वास, सहयोग और साझेदारी के साथआगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर के सुखपुरी को इंडस्ट्रियल बेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा, साथ ही औद्योगिक क्षेत्र रेहटा में नवीन मार्ग भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुरहानपुर के श्री परमानंद गोविंदजी वाला

ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित उद्यमी संवाद को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने ऑडिटोरियम परिसर में उद्यमियों के उत्पादों का अवलोकन किया तथा उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट तथा बुरहानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस विशेष रूप से उपस्थित थीं।

व्यापारिक कल्याण बोर्ड के गठन से संभावनाओं को मिलेगा नया आयाम– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 24×7 सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। हमारा मुख्य लक्ष्य तेजी से उद्योगों की स्थापना कर स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2025 उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया था। शासन द्वारा प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मंत्रि-परिषद द्वारा मंगलवार 05 मई, 2026 को ही प्रदेश में राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड और जिला स्तरीय समितियों के गठन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जिला स्तर पर संचालित विकास गतिविधियों में जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारियों के साथ ही जन सामान्य की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए विकास समितियां गठित की गई हैं। हम चाहते है कि विश्व में सामग्री सप्लाई करने वाले उद्योगपति हमारे देश और प्रदेश के हों, इसी लक्ष्य के साथ प्रदेश में औद्योगिक अधोसंरचना का केनवास तैयार किया जा रहा है।

पुराने कानून खत्म कर औद्योगिक विकास के नए नियम बनाये– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन ने उद्योगों के विकास के लिए उद्योग मित्र नीतियां बनाई हैं। निरर्थक हो चुके कानून खत्म कर नए नियम बनाकर उद्योगों के लिए नए रास्ते और अवसर तलाशे गए हैं। तुअर दाल पर लगने वाले टैक्स को समाप्त किया गया, अब आगे कपास को लेकर भी विचार किया जा रहा है। यह सब उद्यमियों से संवाद के बाद किया गया। इस तरह से उद्योगों के हित में लगातार काम किया जाएगा। प्रदेश में पिछले वर्ष को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया। वर्तमान में कृषक कल्याण वर्ष के रूप में गतिविधियां जारी हैं। बुरहानपुर क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियों भी का पर्याप्त विस्तार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केले और कपास के बिना बुरहानपुर की बात अधूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय समस्याओं पर सकारात्मक विचार रूप से विचार करते हुए उनका समाधान निकाला जाएगा। ताप्ती मैया की कृपा से बुरहानपुर उद्योग और कृषि के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करेगा।

भारत आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व में बना रहा है अपना स्थान– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कम समय और संसाधनों में जो श्रेष्ठ परिणाम दे वही सफल उद्यमी है। भारत का हर नगर, हर प्रांत उद्यमिता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था और देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद इंडिया से भारत की ऊंची उड़ान भरने का समय आया है। भारत पुनः आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व में अपना स्थान बना रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2014 में सरकार बनने के साथ ही जनधन खातों के माध्यम से हर व्यक्ति का हक सीधे उसके खाते में पहुंचाने का संकल्प लिया और उसे साकार भी किया। इसके परिणामस्वरुप देश की अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया।

विभागों की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को लेकर गंभीर नहीं राज्य सरकार : जीतू पटवारी

भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार विभागों में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले दिनों एक-एक घंटे में कई बड़े और महत्वपूर्ण विभागों की समीक्षा करना यह दर्शाता है कि सरकार के लिए जनता का हित प्राथमिकता में नहीं है। श्री पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश की आम जनता और आपकी पार्टी के बीजेपी कार्यकर्ता, दोनों ही मंत्रियों से मिलने में असफल हो रहे हैं। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनता और जनहित कहीं पीछे छूट चुका है। श्री पटवारी ने कहा कि

यह देखना दिलचस्प होगा कि अगली समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री इंदौर के भागीरथपुरा की घटना, भोपाल स्लाटर हाउस में गोमांस मिलना, छिंदवाड़ा कफ सिरप प्रकरण और बरगी में हुए क्रूज़ हादसे के दौरान सरकारी लापरवाही पर क्या स्टैंड लेते हैं। इन घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि सरकार जिम्मेदारी निभाने में असफल रही है और आम जनता की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर नहीं है।

विभागों पर गंभीर आरोप आए सामने – उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि शिक्षा, जल संसाधन, कृषि, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। साथ ही हालिया घटनाओं में हुई लापरवाही की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जाए। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश की जनता पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है, लेकिन वर्तमान सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। सरकार को चाहिए कि वह जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करे और जनता का विश्वास पुनः स्थापित करे।

जल समस्याओं के समाधान के लिए लगेगा विशेष कैंप

हटा। कलेक्टर की प्रथम हटा विजिट का सकारात्मक असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। नगर पालिका हटा ने वर्षों पहले खरीदे गए ई रिक्शाओं का संचालन आखिरकार शुरू कर दिया है जिससे नगरवासियों को अब सस्ती और सुगम यातायात सुविधा मिल सकेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेन्द्र खरे ने बताया कि 4 मई को नगर पालिका के मीटिंग हॉल में आयोजित बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में त्वरित कार्रवाई की गई। इसके तहत 5 मई को एमपी यूडीसी के प्रोजेक्ट मैनेजर पीडी तिवारी, सहायक परियोजना प्रबंधक हिमांशु अग्रवाल, सब इंजीनियर पुष्पेंद्र पटेल सहित प्रोजेक्ट उदय के कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित हुए। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र खटीक, उपाध्यक्ष प्रशांत पाठक, सीएमओ एवं उपयंत्री की मौजूदगी में शहर की जल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रोजेक्ट मैनेजर ने आश्वासन दिया कि 7 मई से नगर में विशेष कैंप लगाकर नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

समाधान योजना की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ी

दमोह

विद्युत बकायादारों की बकाया राशि जमा करने में सुविधा और रियायत देने हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा समाधान योजना 2025-26 पिछले वर्ष नवंबर 2025 से लागू की गई है। जिसके अंतिम चरण की अवधि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। उल्लेखनीय है कि दमोह जिले में समाधान योजना हेतु पात्र कुल 184870 नं. उपभोक्ताओं पर कुल राशि 11033.03 लाख बकाया थी। जिसमें से माह अप्रैल 2026 के अंत तक कुल 60103 नं. पात्र उपभोक्ताओं द्वारा कुल राशि 1902.03 लाख जमा की जा चुकी है। अभी भी दमोह जिले में 124767 नं. पात्र उपभोक्ताओं पर राशि 9131.00 लाख बकाया है। बकायादार उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु शासन द्वारा समाधान योजना को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। जिसमें पात्र बकायादार उपभोक्ता अपनी बकाया राशि जमा करते हुए सरचार्ज में रियायत का फायदा ले सकते हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है।

फिल्म समारोह में धमाल मचा रही है फिल्म द दमोह फाइल्स

दमोह

दमोह जिले की एक सत्य घटना पर आधारित फिल्म द दमोह फाइल्स अभी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज भी नहीं हुई की विभिन्न फिल्म समारोह में फिल्म धमाल मचा रही है फिल्म को अब तक चार नॉमिनेशन और तीन अवार्ड मिल चुके हैं फिल्म निर्माता श्रीमती रश्मि जेता और निर्देशक डॉ. रश्मि जेता साथ ही सहायक निदेशक नरेंद्र अठ्या ने बताया की फिल्म अब तक चार अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में नामित हो चुकी है वही तीन महत्वपूर्ण फिल्म समारोह में इसे विभिन्न अवॉर्डों से नवाजा गया है। पुम्बुकार इडिपेंडेंट फिल्म फेस्टिवल तमिलनाडु 2026 बेस्ट डोकुमेंट्री शार्ट फिल्म, गोल्डन लाईन फिल्म फेस्टिव कोलकत्ता और थिलश्री इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तमिलनाडू में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट

फिल्म के अवार्ड से नवाजा जा चुका है, वही दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म अवार्ड दिल्ली में इस फिल्म को नामित किया गया है। बहुत जल्द ये फिल्म विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नजर आएगी जिसे दर्शक देख पाएंगे। दरअसल द दमोह फाइल्स एक ऐसी भयावह घटना की पड़ताल है जिसने मानवीय क्रूरता की सारी सीमाएं तोड़ दीं। ये एक मासूम और असहाय व्यक्ति के विरुद्ध किया गया जघन्य अपराध था, जहां न कोई पुरानी दुश्मनी थी, न प्रतिशोध की कोई आग और न ही कोई स्पष्ट कारण। फिल्म भी यह घटना समाज के सामने एक डरावना प्रश्न खड़ा कर देती है। क्या यह केवल एक निर्मम अपराध थी या फिर एक गहराई तक बीमार और विकृत मानसिकता का परिणाम? ये डॉक्यूमेंट्री उस भयावह सच्चाई की तह तक जाती है, जिसमें जिसमें एक घिनौना कृत सामने आया है। संवेदनशील और खोजपूर्ण नैरेशन के माध्यम से फिल्म इस अपराध के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी पहलुओं की पड़ताल करती है। यह मानव स्वभाव, मानसिक विकार और सभ्यता तथा बर्बरता के बीच की नाजुक सीमाओं पर गंभीर प्रश्न उठाती है। लेकिन द दमोह फाइल्स केवल एक अपराध की कहानी नहीं है। यह उस व्यवस्था को भी समझने की कोशिश है जो अपराधी और समाज के बीच खड़ी होती है। मुख्य किरदार में मनीष सोनी, जूही सोनी, संजय रजक, शिवम सोनी ने निभाई है वही फिल्म निर्माण में एडिटर और सिनेमैटोग्राफर के रूप में राहुल तिवारी की विशेष भूमिका रही है। फिल्म में सहयोगी के रूप में शनि परोचे, मधुरकांत गार्डिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। वही देवेंद्र और नन्नू का विशेष सहयोग रहा है, इस फिल्म में विशेष अभिमत डॉ विनय सिंह यदु पूर्व सिविल सर्जन एवं अधिवक्ता मप्र उच्च न्यायालय एवं सीएल प्रजापति पूर्व जेल उप अधीक्षक ने दिया है। आगामी समय में ये फिल्म विभिन्न ओटीटी प्लेटफार्म पर दर्शकों के बीच नजर आएगी।

मैरिज गार्डन में महिला के साथ दुष्कर्म

हटा। हटा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म की गंभीर घटना सामने आई है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बलात्कार सहित अन्य धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम मड़ियादौ निवासी 25 वर्षीय महिला जो ऑर्डर पर खाना बनाने का कार्य करती है। 4 मई को अपने पति के साथ एक ठेकेदार के कहने पर एक मैरिज गार्डन हटा में खाना बनाने गई थी। देर रात तक काम चलने के कारण दंपति गार्डन के एक कमरे में रुक गए। पीड़िता के अनुसार 5 मई की सुबह करीब 6 बजे वह कमरे से बाहर निकली तो वहां मौजूद सहकर्मी किस्सू पटेल ने उसे रोक लिया। आरोप है कि उसने महिला को जबरन पकड़कर पास के कमरे में ले जाकर मुंह बंद कर दिया और उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। शोर सुनकर पति के आने की आहट मिलते ही आरोपी मौके से भाग गया।

सुभाष कॉलोनी में जलभराव समस्या से मिलेगी निजात

दमोह

विगत दिनों दमोह विधायक जयंत मलैया ने स्थल निरीक्षण कर सुभाष कॉलोनी क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से बनी जलभराव की गंभीर समस्या के स्थायी निराकरण के लिए पहल की है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह द्वारा नाले के चौड़ीकरण हेतु तैयार 5 करोड़ 43 लाख रुपये के प्राक्कलन की स्वीकृति के लिए दमोह विधायक ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से दूरभाष पर चर्चा कर राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया तथा पत्राचार भी किया। मंत्री द्वारा राशि शीघ्र स्वीकृत करने का आश्वासन दिए जाने से क्षेत्रवासियों में राहत की उम्मीद जगी है। नाले के चौड़ीकरण से सुभाष कॉलोनी क्षेत्र में बरसात के समय होने वाली जलभराव की समस्या से जल्द ही निजात मिलेंगी

विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई आयोजित

दमोह

ऊर्जा विभाग दमोह के अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित सभी वितरण केन्द्र कार्यालयों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता अमित चौहान के निर्देशो के तहत 5 मई को वृत्त कार्यालय दमोह के साथ-साथ सभी वितरण केन्द्रों पर जन सुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल 187 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 152 आवेदनों का मौके पर ही समाधान कर दिया गयाए जबकि शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया इस पहल का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र एवं पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है।

सुभाष कॉलोनी में जलभराव से राहत के लिए 5.43 करोड़ की योजना

दमोह

दमोह शहर के सिविल वार्ड क्रमांक 6 स्थित सुभाष कॉलोनी में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके लिए विधायक जयंत मलैया द्वारा नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को एक पत्र लिखा जिसमें सुभाष कॉलोनी में जलभराव से राहत हेतु राशि की मांग की। ज्ञातव्य है कि सुभाष कॉलोनी में पक्के मकानों के साथ बड़ी संख्या में कच्चे मकान भी मौजूद हैं और बस्ती के किनारे से गुजरने वाला मुख्य बरसाती नाला हर वर्ष बारिश के दौरान खतरा बन जाता है। विधायक श्री मलैया ने बताया, वर्ष 2004 और 2005 में भारी वर्षा के दौरान कॉलोनी के निचले हिस्सों में स्थित मकान जलमग्न हो गए थे। उस समय आपदा राहत टीम को नाव के माध्यम से बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना पड़ा था, साथ ही राहत शिविरों में ठहरने की व्यवस्था भी की गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राजस्व, पुलिस और नगर पालिका प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा नाले का सीमांकन कराया गया। अतिक्रमण चिन्हित कर हटाए गए और नाले की आवश्यक चौड़ाई में खुदाई भी कराई गई है ताकि जल निकासी बेहतर हो सके। अब भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर नगरीय प्रशासन विकास संचालनालय भोपाल को स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। इस योजना के अंतर्गत सुभाष कॉलोनी के मुख्य नाले का चौड़ीकरण तथा एलआईसी ऑफिस के सामने से होते हुए सेंट्रल स्कूल तक नए नाले का निर्माण प्रस्तावित है। इन दोनों कार्यों के लिए कुल 543.65 लाख रुपये लगभग 5.43 करोड़ रुपये की राशि का प्राक्कलन किया गया है।

नाम सुधार सूचना

मैं राकेश कुमार अग्रवाल पिता श्री गिरिराज किशोर अग्रवाल निवासी-255, सराफा बाजार, दरहाई, कोतवाली थाने के पीछे, जबलपुर यह कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट संख्या N9338406 जो भोपाल मध्य प्रदेश से जारी हुआ था, मैं मेरे पिताजी का नाम गिरराज किशोर अग्रवाल (GIRRAJ KISHORE AGRAWAL) लिखा है तथा मेरे सभी अन्य शासकीय दस्तावेजों जैसे- पेन कार्ड, आधार कार्ड, आदि में मेरे पिताजी का नाम गिरिराज किशोर अग्रवाल (GIRIRAJ KISHORE AGRAWAL) दर्ज है जो सही है। अतः अब से मेरे पिताजी को इसी नाम से जाना एवं पहचाना जायें।

पिताजी का गलत नाम
(GIRRAJ KISHORE AGRAWAL)

पिताजी का सही नाम
(GIRIRAJ KISHORE AGRAWAL)

सुनियोजित भीड़ प्रबंधन, कड़ी सुरक्षा और आधारभूत ढांचे के साथ होगा सिंहस्थ 2028 का सफल आयोजन

भोपाल

सिंहस्थ 2028 के सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत आज कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल में पुलिस, रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सिंहस्थ के दौरान संभावित अत्यधिक भीड़, यातायात प्रबंधन, रेल संचालन, सुरक्षा व्यवस्था तथा आधारभूत संरचना के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। विशेष रूप से पूर्व में आयोजित महाकुंभ-2025, प्रयागराज के

अनुभवों से सीख लेते हुए आधुनिक तकनीकों, बेहतर समन्वय एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत रेलवे, जीआरपी, आरपीएफ एवं जिला प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक रहने की संभावना है, जिसके लिए पूर्व से ही व्यवस्थित एवं चरणबद्ध योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा शाही स्नान एवं अन्य प्रमुख अवसरों पर विशेष ट्रैफिक एवं भीड़ नियंत्रण योजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्राउड मैनेजमेंट के तहत एंट्री एवं एग्जिट मार्ग पृथक-पृथक रखे जाएं तथा अंतिम समय में प्लेटफॉर्म परिवर्तन से बचा जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। पुलिस महानिदेशक ने उज्जैन, इंदौर, रतलाम, भोपाल के साथ-साथ ओंकारेश्वर रोड एवं सीहोर क्षेत्र के स्टेशनों को भी ध्यान में रखते हुए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित कटंगा कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एमआईजी-58 श्री राम बाबू अग्रवाल पिता श्री आर.एम. अग्रवाल को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.08.1986 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री राम बाबू अग्रवाल पिता श्री आर.एम. अग्रवाल का निधन दिनांक 08.01.2026 को हो गया है। उनकी पत्नी श्रीमती सरोज अग्रवाल पति स्व. श्री रामबाबू अग्रवाल के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 6/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री श्रीमति मीना बनर्जी पति प्रद्योत कुमार बनर्जी ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाषचंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 371/1 लवली होटल के पीछे सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000398982 पर दर्ज भूमि जिस पर निर्मित भूतल 600 व.फु. प्रथम तल 600 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती ....पिता/पति..............

का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 6/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गोरेलाल सेन पिता दद्दीलाल सेन ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामाप्रासद मुखर्जी के भवन क्रमांक 662 हनुमान टोरिया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000448174 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 900 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज शपथ पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती कमला बाई का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 6/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति लक्ष्मी साहू पति स्व. मनीष साहू ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक सोनपुर तलैया के पास सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000362790 पर दर्ज भूमि जिस पर निर्मित भूतल 1089 व.फु. निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री मनीष साहू पिता केदारनाथ साहू का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

राहुविवि में तकनीकी कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

कुलगुरु की खाली कुर्सी के सामने रखा ज्ञापन

जबलपुर। राहुविवि में तकनीकी कर्मचारियों ने वेतन ना मिलने पर बुधवार को कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा से मिले पहुंचे कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, कर्माचारी करीब दो घंटे तक कार्यालय में खड़े रहे। जिसके चलते कुलगुरु के न मिलने पर कर्मचारियों ने प्रतीकात्मक विरोध करते हुए खाली कुर्सी के सामने ही अपना ज्ञापन रख दिया गया।

अधारताल थाना क्षेत्र में लुटेरों की दहशत

झपट्टा मारकर मोबाइल ले उड़े बदमाश

जबलपुर। अधारताल थाने में मोह. अकील सिद्धकी उम्र 89 वर्ष निवासी अहमदनगर अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि रात के समय वह बस से उतर कर कुरैशी मार्बल वाली गली से फोन पर बात करते पैदल घर तरफ जा रहा था। उसी समय एक मोटर साइकिल पर 2 लडके कुरैशी पीछे से आये एवं झपट्टा मारकर उसका मोबाइल वन प्लस कम्पनी झपट लिये और दोनों तेजी से भाग गये।

कर्मचारियों और सफाई मित्रों से किया सीधा संवाद

निगमायुक्त ने किया गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा बुधवार को आगा चौक स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पहुंचकर स्वच्छता व्यवस्थाओं एवं कचरा प्रबंधन की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने वहां तैनात समस्त फील्ड कर्मचारियों और सफाई मित्रों से सीधा संवाद किया।

तुम करते जाओ सितम हम भी नहीं किसी से कम

शहर के लिए नासूर बने सड़कों पर जगह-जगह जमे अतिक्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कुछ ऐसा सोचना है शहर की सड़कों पर जमे अतिक्रमणकारियों का। जिन्हें ना तो अब जिला प्रशासन की कार्यवाही का डर है और ना ही किसी और बात का। जिस भी सड़क से गुजर जाओ, वहां सिर्फ रोड़ किनारे आड़े-तिरछे ठेले-टपरें ही नजर आएंगे। नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा समय-समय पर इन्हें हटाने कार्यवाही तो की जा रही है। परंतु उसके कुछ दिनों बाद ही ये अतिक्रमणकारी अपनी जगहों पर फिर से जम जाते हैं।

जगह-जगह ठेले स्थापित कर किराए पर चलाने का ट्रेंड

एक तरफ नगर निगम और जिला प्रशासन इन ठेले-टपरों को हटाने जूंझ ही रही है कि दूसरी और अतिक्रमणकारियों ने अपनी आवक बढ़ाने के चक्कर में जगह-जगह पर ठेले टपरें जमाकर एक नया ट्रेंड चालू कर दिया है। इससे ना केवल सड़कों पर भारी तादाद में ठेले-टपरें नजर आ रहे है। बल्कि इनकी वजह से आए दिन लंबा जाम और हादसे हो रहे हैं। ऐसे में आने वाले समय इन अतिक्रमणों की वजह से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चौपट होती नजर आ रही है।

जेसीबी देखते ही कुछ देर के लिए हटा लेते हैं ठेले-टपरें

इन अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा समय-समय पर अलग-अलग स्थानों में कार्यवाही की जाती है। मगर ये अतिक्रमणकारी अब इतने शातिर हो चुकें हैं कि ये जैसे ही नगर निगम की टीम को और उनके द्वारा लाई जा रही जेसीबी को देखते, वैसे ही ये अपना ठेला-टपरा एक सुरक्षित स्थान पर लाकर रख देते हैं। फिर इसके कुछ देर बाद ही नगर निगम के टीम के जाने के बाद ये अपना आशियाना फिर से सड़क किनारे जमा लेते हैं।

जनप्रतिनिधि भी देने लगते हैं इनका साथ

विगत कुछ माह पहले शहर के विजय क्षेत्र में बनी अवैध चौपाटी पर नगर निगम द्वारा एक बड़ी कार्यवाही की गई थी। इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बाधित कर रहे सभी ठेले-टपरों को हटाकर यातायात को सुगम बनाया गया था। इस दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस नगर निगम की इस कार्यवाही का भरपूर फायदा उठाया और अतिक्रमणकारियों के बीच जा जाकर नगर निगम की कार्यवाही को पूरी तरह गलत ठहराया। इससे ना केवल अतिक्रमणकारियों को हौसला मिला बल्कि एक बार उन्होंने उसी स्थान पर अपना कब्जा जमाते हुए सड़क को बाधित करना चालू कर दिया।

फोटो: अनिल तिवारी

शाम होते ही सज जाती हैं अवैध चौपाटियां

इन दिनों शहर के कई इलाकों में सज रही अवैध चौपाटी लोगों के लिए असुविधा का कारण बन रही है। यहां खान-पान की आड़ में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग रहा है। शराबखोरी और अन्य असामाजिक गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। इतना ही नहीं मुख्य सड़कों की ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विजयनगर एसबीआई चौक से जगदम्बा कॉलोनी, शिवनगर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के हालात भी कुछ ऐसे ही हैं। नागरिकों का कहना है कि शाम ढलते ही यहां मुख्य सड़क के किनारे अवैध चौपाटी सज जाती है। जहां चाट व चाइनीज के ठेले और अन्य खान-पान के कॉर्नर जम रहे हैं। इन कॉर्नरों के सामने लोग वाहन लेकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग तो गाड़ियों में बैठकर ही शराबखोरी करते देखे जा सकते हैं, जिससे महिलाओं और युवतियों का निकलना दूभर हो रहा है।

एफआइआर ही बचा एक तरीका

ऐसे मामलों में जानकारों का कहना है कि जिला प्रशासन की बार-बार सख्ती के बाद भी जब अतिक्रमणकारी नहीं मान रहे हैं, तो ऐसे में अब एफआइआर ही एकमात्र तरीका बचा है। इससे न केवल अतिक्रमणकारियों में दुकान ना लगाने के लिए ना केवल भय का माहौल रहेगा, बल्कि आने वाले समय में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में भारी सुधार भी देखने को मिलेगा।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा परिणाम 2025, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

अपात्रों को बोनस अंक के मामले में विवादित मेरिट लिस्ट को दी गई थी चुनौती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ी और अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से 5 प्रतिशत बोनस अंक दिए जाने के खिलाफ मप्र हाईकोर्ट में लंबित याचिका में हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ के समक्ष बुधवार को मामले की अंतिम सुनवाई हुई, सुनवाई के बाद एकलपीठ ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा है ।

ये है पूरा मामला

याचिकर्ताओं के वकील विशाल बघेल ने बताया कि नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य दो उम्मीदवारों द्वारा याचिका दाखिल की है । याचिका में कहा गया कि प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 भर्ती विज्ञापन की कंडिका 7.7 के तहत केवल उन उम्मीदवारों को 5 प्रतिशत बोनस अंक मिलने थे, जिनके पास भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा है ।

हालांकि, चयन सूची में लगभग 14,964 उम्मीदवारों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिए हैं । याचिका में भारतीय पुनर्वास परिषद के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि पूरे मध्य प्रदेश में आरसीआई पोर्टल पर केवल 2,194 कार्मिक और 3,077 पेशेवर ही पंजीकृत हैं ।

सीधे दे दिए गए बोनस अंक

ऐसे में लगभग 15,000 उम्मीदवारों का विशेष शिक्षा प्रमाणपत्र धारक होना प्रथम दृष्टया फर्जी प्रतीत होता है । याचिका के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय ने भी जनवरी 2026 में विभाग को आगाह किया था कि लगभग 18,000 उम्मीदवारों ने हाँ का विकल्प चुना है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है । इसके बावजूद, सुधार के लिए पोर्टल खोलने के बाद भी मंडल के द्वारा उम्मीदवारों से आरसीआई पंजीकरण संख्या या प्रमाणपत्र नहीं मांगा गया । परिणाम स्वरूप, बिना किसी भौतिक सत्यापन के सॉफ्टवेयर के माध्यम से उम्मीदवारों के डिक्लेरेशन के आधार सीधे बोनस अंक दे दिए गए, जिससे वास्तविक और योग्य उम्मीदवारों की मेरिट गिर गई और वे चयन से बाहर हो गए।

मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग

हाईकोर्ट में दलील दी गई कि झूंठी जानकारी देकर चयन होने के बाद सैकड़ों अभ्यर्थी जिन्हें मेरिट में 5 प्रतिशत बोनस अंक मिले हैं वे भी हाइकोर्ट की शरण में पहुंचे हैं और मांग की है कि जल्दबाजी में हुई त्रुटि के कारण उनके द्वारा बोनस अंक का लाभ प्राप्त कर लिया जबकि उनके पास उससे संबंधित कोई भी प्रमाण पत्र नहीं है। उनकी याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज की है । याचिका में 27 फरवरी 2026 को जारी दोषपूर्ण मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग की गई है तथा केवल वैध आरसीआई प्रमाणपत्र धारकों को ही बोनस अंक देकर नई मेरिट सूची जारी करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है । बुधवार को मामले की अंतिम सुनवाई के बाद एकलपीठ ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा है । याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आलोक वागरेचा और विशाल बघेल ने पैरवी की।

पमरे ने की 709 कोचों/वैगनों की मरम्मत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग कार्य निरंतर उत्कृष्टता के साथ किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधकों के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो ने पिछले वित्तीय वर्ष में सराहनीय प्रदर्शन किया। इसी क्रम में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम माह अप्रैल में सीआरडब्लूएस/भोपाल एवं डब्लूआरएस/कोटा में कुल 709 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। इसमें सीआरडब्लूएस/भोपाल द्वारा 101 कोचों तथा डब्लूआरएस/कोटा द्वारा 608 वैगनों का अनुरक्षण किया गया। गत वर्ष इसी माह में 96 कोचों एवं 600 वैगनों का अनुरक्षण किया गया था, जिससे इस वर्ष बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है।

करंट की चपेट से झुलसा आउटसोर्स कर्मी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ ने कार्य के दौरान घायल हुए कर्मचारी को सहायता देने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 मई की रात पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मंडला सर्किल के अंतर्गत महाराजपुर डीसी में कार्यरत ठेका कंपनी जीडी नकरानी के माध्यम से नियोजित आउटसोर्स कर्मी जगन्नाथ परस्ते महाराजपुर डीसी के पास लगी डीपी के ऊपर चढ़कर 11 केवी जंपर लगा रहा था, इस दौरान स्पार्क लगने से पूरे शरीर और कपड़े में आग लग गई । जिसके बाद कर्मी लगभग 10 फीट की ऊंचाई से जमीन पर आ गिरा। वहां मौजूद सहयोगियों ने उसे तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया, स्पार्क लगने से आउटसोर्स कर्मी के कई अंग बुरी तरह झुलस गये हैं। संघ के महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने कहा है कि जूनियर इंजीनियर के द्वारा सबस्टेशन से 11 केवी लाइन फाल्ट होने पर परमिट लेकर लाइन बंद करायी थी, तो फिर विद्युत आपूर्ति कैसे चालू हो गई। इस हादसे की जांच कर दोषी पर कार्यवाही किए जाने और घायल कर्मी को 10 हजार रुपये की सहायता राशि देने की मांग की इस दौरान संघ के मोहन दुबे, दशरथ शर्मा, राजकुमार सैनी, मदन पटेल, जानकी प्रसाद तिवारी, विनोद दास, इंद्रपाल सिंह, संदीप दीपांकर उपस्थिह रहे।

नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित, जगमग होगा सिंहस्थ-2028

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र प्रदेश शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओ में शामिल सिंहस्थ -2028 के दौरान निर्बाध, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत पारेषण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उज्जैन स्थित 220 केवी सबस्टेशन शंकरपुर में लगभग 35 वर्ष पुराने 220/132 केवी, 160 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को हटाकर समान क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है।

अमर शहीद स्मृति मेले में बनी नगर की पहली शीश महल की भूलभुलैया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अभी तक आपने दुनिया में पहली बार बनी लखनऊ की नवाब सिराजउदौला की 16वीं शताब्दी में निर्मित गोमती नदी के किनारे बनी भूलभुलैया देखी होगी या सुनी होगी। अब जबलपुर में भी गोलबाजार स्थित अमर शहीद मेले में एक अद्भुत और विस्मयकारी शीशे की भूलभुलैया का लुफ्त भी मेले में उठा सकते हैं। इस भुलभुलैया में प्रवेश करते ही अनेकों प्रतिबिंब देखने को मिलेंगे, साथ ही आगे बढ़ने में अहसास होगा कि आप घूमकर गिरने वाले हैं, जबकि आप अपने स्थान पर ही खड़े रहेंगे। इसके साथ ही मेले में ओरिजनल हेलीकॉप्टर के साथ सेल्फी भी बच्चे, युवक एवं बुजुर्गों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। जहां लोग हेलिकॉपर के साथ सेल्फी लेने लोगों की होड़ लगी हुई है। ज्ञातव्य रहे कि जबलपुरवासियों को पहली बार ओरिजनल हेलीकॉप्टर को निकट से देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आयोजन समिति ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस अवसर का लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

दावा: क्रूज़ में नहीं था 4 स्ट्रोक इंजन इसीलिए सबूत मिटाने उसे किया गया डिसमेंटल

नागरिक उपभोक्ता मंच ने लगाए आरोप, एनजीटी के नियमों का दिया हवाला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज़ हादसे 13 लोगों की जान गई। इनमें चार मासूम बच्चे, 8 महिलाएं और एक पुरूष शामिल है। अब एक बार फिर यह हादसा नए विवादों में घिर गया है। दरअसल नागरिक उपभोक्ता मंच ने इस मामले में गंभीर अनियमित्ताओं का आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। नागरिक उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे ने दावा किया है कि क्रूज़ संचालन में नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों का खुला उल्लंघन किया गया। उन्होंने बताया कि एनजीटी के निर्देशों के तहत जलाशयों में केवल फोर-स्ट्रोक इंजन वाली नावों को ही संचालन की अनुमति है, लेकिन हादसे का शिकार हुआ क्रूज़ इस मानक पर खरा नहीं उतरता था। मंच का आरोप है कि क्रूज़ का एक इंजन पहले से ही बंद था और घटना के दिन भी वह पानी में ठप्प पड़ गया था, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। मंच ने यह भी आरोप लगाया है कि जांच से पहले ही क्रूज़ को नष्ट कर दिया गया, जो साक्ष्यों से छेड़छाड़ की ओर इशारा करता है।

अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की मांग- डॉ. नाजपांडे के अनुसार, अधिकारियों ने यह तर्क दिया कि शवों की तलाश के लिए क्रूज़ को तोड़ा गया, जबकि गोताखोर पहले ही स्पष्ट कर चुके थे कि अंदर कोई शव नहीं है। मंच ने मप्र टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के उस दावे को भी गलत बताया, जिसमें कहा गया था कि नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में क्रूज़ संचालन के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनुमति जरूरी नहीं है। मंच के मुताबिक, एनजीटी के 12 सितंबर 2023 के आदेश में स्पष्ट रूप से पर्यावरणीय नियमों के पालन की बात कही गई है। नागरिक उपभोक्ता मंच ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्यवाही नहीं की गई, तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। मंच ने उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की मांग की है, जिन्होंने मौके पर मौजूद रहते हुए क्रूज़ को डिस्मेंटल कराया गया ।

यह है पूरा मामला

दरअसल विगत 30 अप्रैल को बरगी डैम में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग का क्रूज़ डूब गया था। इसमें सवार 13 टूरिस्ट की मौत हो गई। उसी दिन 30 अप्रैल को 4 शव, एक मई को 5, दो मई को 2 और तीन मई को दो शव तैरते मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। जबकि 28 लोगों को बचा लिया गया था। इस हादसे के बाद लगातार प्रशासन पर अनियमित्ताओं के आरोप लगाए जा रहे हैं। इधर हाल ही में न्यायालय ने क्रूज़ संचालक सहित अन्य मेंबर्स पर एफआइआर करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम का आगमन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्र सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम का गुरुवार 7 मई को सुबह 8.20 बजे नई दिल्ली से वायुयान द्वारा जबलपुर आगमन होगा। केंद्रीय मंत्री श्री ओराम डुमना एयरपोर्ट से सुबह 8.55 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे तथा सुबह 11 बजे कार द्वारा मंडला प्रस्थान करेंगे। केंद्रीय मंत्री श्री ओराम शाम 9.30 बजे मंडला जिले के जेवरा रिपटा से कार द्वारा जबलपुर आएंगे तथा सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार 8 मई को सुबह 8.50 बजे डुमना एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा नई दिल्ली प्रस्थान करेंगे।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

KRISHNAVATARAM PART 1 (HINDI)	09:50 PM
RAJA SHIVAJI (HINDI)	RUBY 10:15 AM; 11:30 AM, 3:00 PM, 6:30 PM & 9:45 PM
EK DIN (HINDI)	RUBY 1:40 PM & 4:00 PM
THE DEVIL WEARS PRADA 2 (ENG)	RUBY 8:00 PM
MICHAEL (ENG)	RUBY 10:00 AM, 3:00 PM, 5:25 PM & 10:20 PM
BHOOTH BANGLA (HINDI)	9:20 AM, 12:30 PM, 3:45 PM, 7:00 PM & 10:15 PM; RUBY 6:20 PM & 9:15 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	RUBY 12:30 PM | 10:45 AM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	1:30 PM & 5:45 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC now with 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

पंचम पुण्यतिथि
गुरुवार, 7 मई 2026

मेरी धर्मपत्नी - स्मृति शेष
श्रीमती राधारानी गुप्ता
की पंचम पुण्यतिथि पर हम सभी परिजन आपको याद करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।
आपकी सरलता, सौम्यता, व्यवहार कुशलता, कठिन परिश्रम, प्रेम, त्याग और सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता हम सबके लिए प्रेरणादायी रहेगी
सादर श्रद्धांजलि
सुरेश कुमार गुप्ता (पति)
दीपक गुप्ता, डॉ. पंकज गुप्ता,
नीरज गुप्ता (पुत्र), आरती गुप्ता (पुत्री)

7

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**